पारा आपडेट
मैक्सिमम 34.00 | मिनीमम 19.00
सूर्यास्त (आज) ▸ 17.51
सूर्योदय (कल) ▸ 06.11
बोकारो से प्रकाशित

सेंसेक्स 73,198.10 ● निफ्टी 22,124.70 ● डॉलर 87.39 ₹ ● सोना 86,278 ₹ ● चांदी 1,06,000 ₹

हिन्दी दैनिक

झारखंड दर्शन

हर खबर पर नजर

फाल्गुन शुक्ल पक्ष द्वितीया संवत 2082

RNI No. : JHAHIN/2018/76658 | बोकारो, शनिवार 01 मार्च 2025 ● पृष्ठ : 12 मूल्य : 3/- रुपया ● वर्ष : 07 अंक : 237 | Email : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

पेज 06 महाकुंभ : स्मरण और विस्मरण के...
पेज 08 बिहार में राजग सरकार बनने के...

संक्षिप्त खबरें

क्रिश्चियन मिशेल की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने अगस्ता वेस्टलैंड घोटाला मामले के आरोपित क्रिश्चियन मिशेल की मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दायर जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। ईडी ने जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा है कि क्रिश्चियन मिशेल के भागने का खतरा है और अगर वो एक बार भाग गया तो उसे जांच के लिए दोबारा प्रत्यर्पित कराना काफी मुश्किल होगा। मिशेल के वकील ने कहा कि उसका पासपोर्ट एक्सपायर हो चुका है। मनी लॉन्ड्रिंग कानून के तहत अधिकतम सात साल की सजा का प्रावधान है और मिशेल छह साल से अधिक समय तक जेल में गुजार चुका है। सुप्रीम कोर्ट सीबीआई के मामले में जमानत दे चुका है।

चंदौली सड़क हादसे में कोलकाता के तीन लोगों समेत चार की मौत

चंदौली। उत्तर प्रदेश के चंदौली जनपद के नौगढ़ मधुपुर मार्ग पर जयमोहिनी पोस्ता गांव के समीप गुरुवार की देर रात भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई जबकि सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की चीख पुकार सुन वहां पहुंचे स्थानीय ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से वाहन में फंसे लोगों की किसी तरह बाहर निकलवा कर उन्हें अस्पताल भिजवाया। ये लोग निकाह समारोह में भाग लेने के बाद सभी एक बोलेरो में सवार होकर गुरुवार की देर शाम कोलकाता जाने के लिए सोनभद्र रेणुकूट ट्रेन पकड़ने के लिए निकले।

झांसी में भीषण सड़क हादसा, गुजरात के चार लोगों की मौत

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी जिले के चिरगांव थाना क्षेत्र में शुक्रवार को भीषण सड़क हादसे में कार सवार एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई जबकि एक युवती गंभीर रूप से घायल है। टक्कर के बाद कार के परखच्चे उड़ गए। एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद कार के दरवाजे तोड़कर मृतकों व घायलों को निकाला जा सका। ये लोग गुजरात के रहने वाले थे। ये सभी श्रद्धालु महाकुंभ में डुबकी लगाने के बाद अयोध्या से रामलला के दर्शन कर गुजरात लौट रहे थे। झांसी-कानपुर हाइवे पर सुल्तानपुरा मोड़ फ्लाईओवर के ऊपर शुक्रवार को एक ट्रक में तेज गति कार पीछे से जा घुसी। इस भीषण टक्कर में कार के परखच्चे उड़ गए। किसी तरह घायलों को कार से निकालकर मेडिकल कॉलेज लाया गया। जहां पर हीरा कंपनी के कर्मचारी जगदीश भाई (50), उनकी पत्नी कैलाश बेन (48), उनके साले विपिन भाई (54) और सरजह भावना बेन (51) मौत हो गई जबकि बेटी मिली (20) की हालत नाजुक बनी है।

सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व एजी वर्मा को दी जमानत

नयी दिल्ली/बिलासपुर। उच्चतम न्यायालय ने छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित नान घोटाला के आरोपी के पूर्व महाधिवक्ता (एजी) सतीशचंद्र वर्मा की याचिका पर सुनवाई के बाद शुक्रवार को उन्हें अग्रिम जमानत दे दी। नागरिक पूर्ति निगम (नान) घोटाले में कथित संलिप्तता के मामले में न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने मामले की सुनवाई के बाद उन्हें अग्रिम जमानत दे दी। अदालत ने श्री वर्मा को चल रही जांच में पूरा सहयोग करने का भी निर्देश दिया है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य कर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना का शुभारंभ कर लाखों कर्मियों को दी बड़ी सौगात, बोले

स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में उठाए जा रहे ठोस कदम

संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने शुक्रवार को झारखंड विधानसभा सभागार में राज्य कर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना का शुभारंभ किया, जिससे लाखों सरकारी कर्मियों को स्वास्थ्य सुरक्षा मिलेगी। इस योजना के तहत सरकारी कर्मियों को पांच लाख रुपये तक का कैशलेस इलाज मिलेगा, जबकि गंभीर बीमारियों की स्थिति में यह राशि 10 लाख रुपये तक होगी।

- पांच लाख तक का मिलेगा कैशलेस इलाज, सरकार करेंगी वहन
- गंभीर बीमारियों की स्थिति में यह राशि 10 लाख रुपये तक होगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस तरह हमारी सरकार ने पुरानी पेंशन योजना बहाल कर राज्य कर्मियों को सेवानिवृत्ति के बाद भी आर्थिक संबल देने का काम किया है, उसी तरह राज्य कर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना के माध्यम से कर्मियों के समुचित इलाज का पूरा खर्च वहन की दिशा में यह बड़ा कदम उठाया है। अब राज्य के किसी भी श्रेणी के सरकारी कर्मियों को अपनी बीमारी के इलाज खर्च के लिए परेशान होने की जरूरत नहीं है। इस योजना के माध्यम से उनके पूरे इलाज का खर्च सरकार उठाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जीवन शैली और कार्य प्रणाली में बदलाव की वजह से स्वास्थ्य समस्याएं भी तेजी से बढ़ रही है। रहन-सहन और खान -पान में जिस तरह से बदलाव हो रहा है, उसने कमोबेश हर व्यक्ति किसी ना किसी बीमारी से ग्रसित कर दिया है। ब्लड शुगर और ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियां आम हो चुकी है तो कई गंभीर बीमारियां भी लोगों को अपनी चपेट में तेजी से लेती जा रही है। अस्पतालों का इलाज काफी महंगा हो चुका है। जैसे अस्पताल और डॉक्टर होंगे, वैसा ही इलाज का खर्च भी होगा। ऐसे में लोगों को अपनी बीमारी के इलाज के क्रम में आर्थिक मोर्चे पर काफी परेशानियां होती है। इस वजह से हमारी सरकार स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर बनाने की मुहिम में जुटी है, ताकि लोगों को कम से कम खर्चे में बेहतर से बेहतर उपचार की सुविधा मिल सके।

1 मार्च 2025 से लागू हो रही है योजना

उल्लेखनीय है कि राज्य कर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना एक मार्च 2025 से लागू हो रही है । पहले चरण में इस योजना का लाभ कार्यरत सभी राज्य कर्मियों को मिलने जा रहा है। जबकी अन्य श्रेणी के कर्मियों के लिए यह योजना एक मई 2025 से लागू होगी। इस योजना का लाभ राज्य के सभी सेवाओं के कर्मी, विधानसभा सदस्य, सेवानिवृत कर्मी, पारिवारिक पेंशन प्राप्तकर्ता एवं उनके आश्रित, राज्य विधानसभा के पूर्व सदस्य, अखिल भारतीय सेवाओं के इच्छुक सेवारत/ सेवानिवृत्त पदाधिकारी, राज्य सरकार के विभिन्न बोर्ड, निगम, संस्थान, संस्था में कार्यरत /सेवानिवृत्त नियमित कर्मी, विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों के कार्यरत/ सेवानिवृत शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मी तथा निबंधित अधिवक्ताओं को मिलेगा। इसके तहत स्वास्थ्य विभाग द्वारा पैनल में शामिल देश के किसी भी अस्पताल में 5 लाख रुपये तक का कैशलेश इलाज लाभुक करा सकेंगे। गंभीर बीमारियों की स्थिति में 10 लाख रुपये तक चिकित्सा व्यय का वहन भी किया जाएगा। अगर इलाज में और भी खर्च हो तो कॉरपस फंड से वह उपलब्ध कराया जाएगा। वहीं, विशेष परिस्थितियों में लाभुकों को एयर एंबुलेंस की भी सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सभी को एक नजरिए से देखती है सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार सभी को एक नजरिए से देखती है। चाहे किसान हो या मजदूर या कोई और वर्ग तथा तबका, सभी के साथ सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ खड़ी है । उन्होंने कहा कि राज्य के विकास के लिए संकल्पित होकर काम करने की आज आवश्यकता है और हमारी सरकार इस दिशा में योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ रही है।

इनकी रही उपस्थिति

इस कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्र नाथ महतो, मंत्री डॉ इरफान अंसारी, मंत्री संजय प्रसाद यादव समेत कई अन्य मंत्री एवं विधायक गण, मुख्य सचिव अलका तिवारी, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह तथा कई अन्य अधिकारी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने 28945 सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों को सौंपा टैबलेट

जब आप डिजिटल फ्रेंडली होंगे, तभी आगे बढ़ सकेंगे : मुख्यमंत्री

संवाददाता

रांची। आज जमाना डिजिटल हो चुका है। कोई भी ऐसा सेक्टर नहीं बचा है जो डिजिटलाजेशन से अछूता हो। डिजिटल सेवाओं में भी तेजी से बदलाव हो रहा है। हर दिन- डिजिटल सेवाएं अपग्रेड हो रही है। ऐसे में आप चाहे या ना चाहे, डिजिटल प्लेटफार्म से अपने को अलग नहीं रह सकते हैं। ऐसे में बेहतर है कि वक्त के अनुरूप आप अपने और आने वाली पीढ़ी को तकनीकी रूप से मजबूत बनाएं। जब आप डिजिटल फ्रेंडली होंगे, तभी आगे बढ़ सकेंगे। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने आज झारखंड मुख्यालय में स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के द्वारा आयोजित समारोह में 28945 सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के बीच टैबलेट वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ये बातें कही। इस अवसर पर उन्होंने गुणवत्तायुक्त शिक्षा संवर्धन हेतु विद्यालय रिपोर्ट कार्ड एवं शिक्षकों के लिए 50 घंटे का अनिवार्य समेकित- सतत क्षमता विकास कार्यक्रम का भी ऑनलाइन शुभारंभ किया। इस अवसर पर मंत्री रामदास सोरेन, मुख्य सचिव श्रीमती अलका तिवारी, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, शिक्षा सचिव उमा शंकर सिंह एवं झारखंड राज्य शिक्षा परियोजना परिषद के निदेशक शशि रंजन मौजूद थे।

- सीएम ने कहा- सरकारी प्राथमिक विद्यालयों को डिजिटल सेवाओं से जोड़ने की दिशा में आज लिखा गया एक नया अध्याय
- राज्य की शिक्षा व्यवस्था को बेहतर और बच्चों को तकनीकी माध्यम से गुणवत्ता युक्त शिक्षा देने के लिए सरकार उठा रही है ठोस कदम

बच्चों के प्रारंभिक शिक्षा में आज जुड़ा एक नया अध्याय

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के सरकारी विद्यालयों को डिजिटल सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में कई ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में आज प्राथमिक विद्यालयों को टैबलेट उपलब्ध करने के साथ एक नए अध्याय की शुरूआत हो रही है। इससे स्कूलों में उपस्थिति से लेकर सभी रिपोर्टिंग कार्य डिजिटल माध्यम से होंगे। वहीं, टैबलेट का प्रयोग बच्चों के पठन-पाठन, शिक्षकों के प्रशिक्षण, अनुश्रवण, बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज करने से संबंधित कार्यों की मॉनिटरिंग आसान हो जाएगी और उसके आधार पर शिक्षण व्यवस्था को बेहतर बनाने में काफी मदद मिलेगी।

बच्चों के समग्र विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज की शिक्षा व्यवस्था का व्यापक पैमाने पर डिजिटाइजेशन हो चुका है। स्कूलों में स्मार्ट क्लासेज चल रहे हैं। डिजिटल शैक्षिक सामग्रियों का इस्तेमाल हो रहा है। ऑनलाइन कोचिंग क्लासेज चल रहे हैं। ऐसे में अगर हमारे बच्चे अगर डिजिटल फ्रेंडली नहीं होंगे तो उनके आगे की राह आसान नहीं होगी। उन्हें हर कदम पर कई चुनौतियां एवं परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। इसी बात को ध्यान में रखकर सरकार ने सरकारी विद्यालयों में पढ़ रहे बच्चों को गुणवत्ता युक्त शिक्षा देने तथा डिजिटल रूप से उन्हें मजबूत करने करने के अभियान में जुट गई है। बच्चों का समग्र विकास हमारी सरकार की प्रतिबद्धता है।

मोबाइल में सिमट गई है दुनिया

मुख्यमंत्री ने कहा कि तकनीक में आज तेजी से बदलाव हो रहा है। आपकी मुट्ठी में मोबाइल है और उस मोबाइल में सारी दुनिया सिमट गई है। अब आपको ना को पर्स लेकर चलने की जरूरत है और ना ही कैश। आप अपने मोबाइल फोन के माध्यम से अपनी जरूरत को पूरा करने के साथ तमाम जानकारियां हासिल कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि हर चीज की सकारात्मक और नकारात्मक पहलू होते हैं। मोबाइल फोन भी इससे अच्छा नहीं है, लेकिन यह आप पर निर्भर करता है कि इसका इस्तेमाल किस रूप में करते हैं।

बच्चों को प्रोत्साहित कर रही है सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के होनहार बच्चों को विभिन्न माध्यम से प्रोत्साहित कर रही है ताकि वे आगे बढ़ सकें। आज जैक के साथ सीबीएसई और आईसीएसई बोर्ड के टॉपर्स को प्रोत्साहन राशि के साथ लैपटॉप और मोबाइल फोन दिया जा रहा है वहीं, राज्य सरकार अपने खर्चे पर यहां के गरीब और होनहार विद्यार्थियों को विदेश में पढ़ने का मौका दे रही है। इसके अलावा अनेक ऐसी योजनाएं हैं, जिनके माध्यम से विद्यार्थियों को आगे बढ़नी एवं उनके भविष्य को संवारने का काम हो रहा है।

पंचायतों में नेटवर्क कनेक्टिविटी को किया जाएगा मजबूत

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण इलाकों में डिजिटल सेवाओं के प्रभावित होने की बात बार-बार सामने आती है। डिजिटल कनेक्टिविटी की समस्या से तमाम प्रकार के कार्यों एवं सेवाओं में बाधा उत्पन्न होती है, जिससे लोगों को काफी परेशानियां होती है। ऐसे में सरकार सभी पंचायतों में मोबाइल टावर स्थापित करने की दिशा में कदम बढ़ाएगी ताकि डिजिटल माध्यम से होने वाले सभी सरकारी कार्य सुचारू, सरल एवं सुविधाजनक तरीके से संचालित हो सके।

उत्तराखंड के माणा में भारी हिमस्खलन

57 मजदूर दबे, 15 को बचाया गया, रेस्क्यू जारी

एजेंसी

गोपेश्वर। उत्तराखंड के चमोली जिले के सीमावर्ती माणा गांव के समीप सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के कराये जा रहे निर्माण कार्य के दौरान भारी हिमस्खलन के कारण इसमें 57 श्रमिक दब गए। इसमें से बीआरओ और अन्य एजेंसियों ने राहत और बचाव कर अब तक 15 मजदूरों को सुरक्षित निकाल लिया गया है, जबकि बाकी श्रमिकों की तलाश की जा रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोशल मीडिया पर कहा कि माणा क्षेत्र में हिमस्खलन की घटना का दुखद समाचार मिला है। बीआरओ सहित अन्य एजेंसियां युद्धस्तर राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। उन्होंने भगवान बद्रीविशाल से सभी श्रमिक भाइयों की सुरक्षा की कामना की है।

श्री बद्रीनाथ धाम के पास माणा में हुई हिमस्खलन की घटना के बारे में पुलिस महानिरीक्षक, एसडीआरएफ, श्रीमती रिधिम अग्रवाल ने बताया कि बॉर्डर रोड ऑर्गेनाइजेशन (बीआरओ) के कुल 57 श्रमिक प्रभावित हुए। कमांडेंट बीआरओ के अनुसार, अब तक 15 श्रमिक सुरक्षित हैं, जबकि 42 लापता हैं। एसडीआरएफ की एक टीम जोशीमठ से रवाना हो चुकी है।

- मुख्यमंत्री धामी ने भगवान बद्रीविशाल से श्रमिकों की सुरक्षा की कामना की

लामबगड़ में सड़क अवरुद्ध होने के कारण सेना से संपर्क कर मार्ग खोलने की प्रक्रिया चल रही है। दूसरी टीम को सहस्त्रधारा हेलीपैड पर अलर्ट पर रखा गया है। क्षेत्र के सटीक निदेशांक प्राप्त किये गए हैं। मौसम की स्थिति में सुधार होते ही एसडीआरएफ की हाई-एल्टीट्यूड रेस्क्यू टीम को हेलीकॉप्टर से निकटतम उपलब्ध स्थान पर उतारा जाएगा।

एसडीआरएफ, जिला प्रशासन, बीआरओ एवं सेना के साथ समन्वय किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि एसडीआरएफ ड्रोन की टीम को भी तैयारी हालत में रखा गया है। भारी बर्फबारी के कारण फिलहाल ड्रोन ऑपरेशन संभव नहीं हो पाया है। अब तक 5 और व्यक्तियों को निकाला गया है, जिनमें से 3 घायल हैं और उन्हें सेना अस्पताल, माणा में भर्ती कराया गया है, जबकि 2 सामान्य स्थिति में हैं। कुल 57 श्रमिक में से अब तक 15 सुरक्षित निकाले गए हैं। 42 प्रभावितों को जल्द से जल्द सुरक्षित निकालने के हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं।

विधानसभा ने पारित किया 5,508 करोड़ का तीसरा अनुपूरक बजट

संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दौरान शुक्रवार को भोजनावकाश के बाद 5,508 करोड़ रुपये का तीसरा अनुपूरक बजट पारित कर दिया गया।

वित्तमंत्री राधाकृष्णी किशोर ने कटौती प्रस्ताव को लेकर कहा कि उन्हें आशा थी की अनुपूरक बजट पर विपक्षी सदस्यों की ओर से सरकार को सुझाव दिया जाएगा, लेकिन विपक्ष ने वित्तीय मामलों पर कम बल्कि राजनीतिक मुद्दे ज्यादा उठाए। विपक्ष की यह बात सही नहीं है कि सदन में मूल बजट आना है तो बीच में अनुपूरक बजट की क्या जरूरत है। हाल ही में केंद्र सरकार ने झारखंड को बकाया 1112 करोड़ रुपये दिए हैं तो क्या इस राशि का उपयोग अनुपूरक के जरिए विकास कार्यों में न हो।

वित्त मंत्री ने कहा कि हर पांचवां वर्ष चुनाव का होता है, जिसका असर राज्यों के खर्च और इसके राजस्व पर पड़ता है। हमारी सरकार की सोच है कि ऐसे विभागों के पैसे को उन विभागों को दे दिया जाए जिन विभागों में अधिक खर्च किए जा रहे हैं। उन्होंने जदयू सदस्य सरयू राय की ओर से उठाए गए मुद्दों पर कहा कि यदि सदन के बगैर अनुमति के राशि का आवंटन नहीं किया जाता है। यदि ऐसी बात होगी तो इसकी जांच कराई जाएगी। मालूम हो कि सरयू राय ने सदन की बगैर अनुमति के राशि आवंटित करने की बात कही थी और कहा था कि वित्तम मंत्री को सरकार के बही-खातों को दुरुस्त करना चाहिए।

वायु सेना वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने लड़ाकू विमानों की कम स्क्वाड्रन पर जताई चिंता, बोले

भारत के हवाई बेड़े को हर साल 35-40 लड़ाकू विमानों की जरूरत

- जेट विमानों की संख्या बढ़ाने के लिए निजी कंपनियों की ओर देखने का सुझाव

एजेंसी

नई दिल्ली। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने शुक्रवार को एक बार फिर लड़ाकू विमानों की कम स्क्वाड्रन पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि वायु सेना को अगले कुछ वर्षों में पुराने बेड़े से मिराज, मिग-29 और जगुआर को चरणबद्ध तरीके से हटाने के लिए हर साल 35-40 लड़ाकू विमानों की जरूरत है। उन्होंने टाटा और एयरबस के संयुक्त उद्यम में सी-295 परिवहन विमान निर्माण का हवाला देते हुए जेट विमानों की संख्या बढ़ाने के लिए निजी कंपनियों की ओर देखने का सुझाव दिया।

वायु सेना प्रमुख ने आज नई दिल्ली में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपने लड़ाकू बेड़े में हर साल दो स्क्वाड्रन जोड़ने की जरूरत है। इसका मतलब है कि हमें हर साल 35-40 विमान चाहिए। हालांकि, यह क्षमता रातोंरात नहीं आ सकती, लेकिन इन विमानों की जरूरत मौजूदा कमियों को पूरा करने के लिए है। साथ ही यह जरूरत अगले 5-10 वर्षों में मौजूदा बेड़े को चरणबद्ध तरीके से हटाए जाने के बाद पैदा होने वाली कमियों को भी पूरा करने के लिए है। उन्होंने कहा कि जगुआर, मिग-29 और मिराज 2000 जेट को हवाई बेड़े में 1980 के दशक के दौरान शामिल किया गया था, जिन्हें 2029-30 के बाद चरणबद्ध तरीके से सेवानिवृत्त किया जाना है।

वायु सेना प्रमुख ने तेजस मार्क-1ए जेट के उत्पादन की धीमी गति पर जतायी चिंता

इस महीने की शुरूआत में बेंगलुरु में एयरो इंडिया के दौरान वायु सेना प्रमुख ने तेजस मार्क-1ए जेट के उत्पादन की गति पर चिंता जताई थी, क्योंकि अनुबंधित 83 तेजस मार्क-1ए जेट की आपूर्ति समय सीमा से एक साल से अधिक पीछे चल रही है। वायु सेना प्रमुख ने कहा कि हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने अगले साल 24 तेजस मार्क-1ए जेट बनाने का वादा किया है। एक बार फिर नाराजगी भरे लहजे में उन्होंने वायु सेना की जरूरतों के साथ आत्मनिर्भरता को संतुलित करने के बारे में कहा कि मैं विदेशी कंपनियों से खरीद पर जोर नहीं दे रहा हूं, लेकिन स्वदेशी विमानों की आपूर्ति वादा किए गए आंकड़े से बहुत कम हैं, इन कमियों को दूर करने के लिए कुछ करने की जरूरत होगी।

खतरे से निपटने के लिए 42 स्क्वाड्रन की जरूरत

उन्होंने जेट विमानों की संख्या बढ़ाने के लिए निजी कंपनियों की ओर देखने का सुझाव देते हुए टाटा और एयरबस के संयुक्त उद्यम में सी-295 परिवहन विमान के निर्माण का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि हम निजी भागीदारी से हर साल 12-18 जेट विमान हासिल कर सकते हैं। एयर चीफ मार्शल सिंह ने 2047 तक वायु सेना का विजन देते हुए कहा कि हमें इसी तरह आगे बढ़ना है। यह समय सीमा 'विकसित भारत' या विकसित भारत के लिए है। उन्होंने कहा कि वायु सेना के पास वर्तमान में लड़ाकू विमानों की 31 स्क्वाड्रन हैं, जबकि पाकिस्तान और चीन के खिलाफ दो मोर्चों पर खतरे से निपटने के लिए 42 स्क्वाड्रन की जरूरत है।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, शनिवार 01 मार्च 2025

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

विधानसभा में स्वास्थ्य सेवाओं पर हुई चर्चा

संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के चौथे दिन शुक्रवार को विधायक प्रदीप प्रसाद ने शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज के निर्माण को लेकर सवाल उठाया। इस पर स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में जात-पात नहीं होना चाहिए और अस्पताल में किसी राजनीतिक दल का झंडा नहीं लगाया जाना चाहिए। विधायक प्रदीप प्रसाद ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यदि भाजपा का झंडा अस्पताल में लगा होगा, तो वह इस्तीफा दे देंगे। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री से कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतरी के लिए वह सहयोग के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि यह केवल बालू और मिट्टी का नहीं, बल्कि लोगों की जान का मामला है।

स्वास्थ्य मंत्री ने जानकारी दी कि हजारीबाग सदर अस्पताल की ओपीडी सेवाएं सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक संचालित की जाएंगी। साथ ही, उन्होंने बताया कि शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज की बिल्डिंग 2025 में पूरी हो जाएगी।वहीं, विधायक शत्रुघ्न महतो ने मुख्यमंत्री असाध्य बीमारी सहायता निधि की राशि 05 लाख की जगह 10 लाख करने की मांग की। जवाब में स्वास्थ्य मंत्री ने कहा पहले से ही 20 लाख तक की सहायता दी जाती है। अभी तक 138 करोड़ रुपये इस योजना के तहत निर्गत किया जा चुका है।

अब तक 1831 लाभुकों का इलाज किया जा चुका है। अगर कोई भी सिविल सर्जन गड़बड़ी करेगा तो कार्रवाई की जाएगी। स्पीकर ने कहा कि अगर कोई तथ्य है तो मंत्री को उपलब्ध करा दें।

सीएचओ को मानदेय और प्रोत्साहन राशि जोड़कर देने की मांग

राजेश कच्छप ने सीएचओ को मिलने वाले मानदेय और प्रोत्साहन राशि जोड़कर एक ही बार देने की मांग की। सीएचओ को 25 हजार रुपए मानदेय और 15 हजार रुपए प्रोत्साहन राशि मिलता है। साथ ही उन्हें गृह जिले में ही वापस करने की मांग की। इस पर स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने बताया कि सरकार से इसके लिए राशि की मांग की जाएगी। जो भी डॉक्टर हैं, उनसे लोकल स्तर पर ही काम लिया जाएगा। बोरियो में भी जल्द ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शुरू किया जाएगा। डॉक्टर भी बहाल किए जाएंगे।

बरही अनुमंडल में न्यायालय के जमीन चिह्नित

मंत्री रामदास सोरेन ने कहा कि बरही अनुमंडल में न्यायालय के जमीन चिह्नित की जा चुकी है। टेंडर के बाद जल्द से जल्द भवन निर्माण का काम शुरू किया जाएगा। वे अमित कुमार यादव के सवाल का जवाब दे रहे थे।

विधानसभा में जमीन अधिग्रहण और मुआवजा को लेकर हंगामा

संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के चौथे दिन जमीन अधिग्रहण से जुड़ा मुआवजा, एनओसी और म्यूटेशन में धांधली का मुद्दा गरमाया रहा। इस पर विपक्ष के साथ सत्ता पक्ष के विधायकों ने भी सवाल उठाए।

विधायक नागेंद्र महतो ने सरकार से पूछा कि क्या वह गैर-मजरूआ जमीन पर किसानों से राजस्व लेकर उन्हें स्वामित्व का अधिकार देने पर विचार कर रही है? इस पर मंत्री दीपक बिरूआ ने जवाब दिया कि पूर्व की भाजपा सरकार ने अवैध जांच का आदेश दिया था, लेकिन अब 2018 से पूर्व की बंदोबस्ती वाली जमीन के लिए

ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है।भाजपा विधायक नवीन जायसवाल ने आरोप लगाया कि ऑनलाइन प्रक्रिया लागू होने के बाद खाता और प्लॉट नंबरों में बदलाव कर दिया गया। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की मिलीभगत से पांच एकड़ की जमीन को पांच डिसमिल दिखाया जा रहा है और सीओ (अंचल अधिकारी) 25 से 50 हजार रुपये तक की घूस मांग रहे हैं। इस पर मंत्री दीपक बिरूआ ने स्पष्ट किया कि यदि किसी अंचल से ऐसी शिकायत मिलती है, तो निश्चित रूप से कार्रवाई की जाएगी।

विधायक नमन विक्सल कोंगाड़ी ने भी भूमि अधिग्रहण से जुड़े मुद्दे को उठाया। उन्होंने सरकार से मांग की कि विकास कार्यों के लिए भूमि देने वाले रैयतों के गैर-अधिग्रहित प्लॉट पर प्रतिबंध हटाया जाए, क्योंकि इस कारण उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। विधायक सुरेश पासवान ने देवघर का मामला उठाते हुए कहा कि वहां रसीद कटवाने पर अधिकारियों द्वारा सीबीआई जांच का हवाला दिया जा रहा है।विधायक राजेश कच्छप ने ज्यूडिशियल अकादमी से नगड़ी तक अधिग्रहित भूमि के मुआवजे का भुगतान अब तक न होने का मुद्दा उठाया। इस पर मंत्री दीपक बिरूआ ने स्पष्ट किया कि रैयती जमीन को प्रतिबंधित करने का कोई प्रावधान नहीं है। अगर कोई अधिकारी एनओसी देने में देरी करता है, तो 15 दिनों के भीतर कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि यदि सीओ (अंचल अधिकारी) सीबीआई जांच का बहाना बना रहे हैं, तो उन्हें भी शोकॉज किया जाएगा। स्पीकर ने निर्देश दिया कि यह आदेश राज्य के सभी जिलों के उपायुक्तों (डीसी) को भेजा जाए।

विधानसभा में आर्थिक सर्वेक्षण प्रतिवेदन पेश, गैर मजरूवा भूमि पर उठा सवाल

झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के चौथे दिन शुक्रवार को आर्थिक सर्वेक्षण प्रतिवेदन सदन में पेश किया गया। सत्र की शुरूआत प्रश्नकाल से हुई, जिसमें स्पीकर ने अल्पसूचित प्रश्न, तारांकित प्रश्न, शून्यकाल और ध्यानाकर्षण सूचनाओं पर चर्चा की।विधायक नागेंद्र महतो ने गैर मजरूवा जमीन की बंदोबस्ती का मुद्दा उठाया, जिस पर वे वर्षों से खेती कर रहे हैं। इस पर भू-राजस्व मंत्री दीपक बिरुवा ने आश्वासन दिया कि 15 दिन के भीतर मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

108 एंबुलेंस सेवा और रोजगार पर गरमाई बहस

रांची। विधानसभा के बजट सत्र के चौथे दिन 108 एंबुलेंस सेवा को लेकर सत्ता पक्ष ने सरकार को घेरा। विधायक अमित कुमार यादव ने हर जिले में मेडिकल कॉलेज निर्माण की मांग उठाई, जिस पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने बताया कि कोडरमा में मेडिकल कॉलेज का 38% निर्माण पूरा हो चुका है। पहले चरण में धनबाद, देवघर, खूंटी, गिरिडीह, जामताड़ा और जमशेदपुर में मेडिकल कॉलेज खोले जाएंगे। इसके अलावा, पांच सुपरस्पेशियलिटी अस्पताल और 108 एंबुलेंस सेवा को मजबूत करने की योजना है। विधायक स्टीफन मरांडी ने 108 एंबुलेंस और सदर अस्पतालों की व्यवस्था सुधारने की मांग की, जबकि मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने सेवा की नियमावली में संशोधन का सुझाव दिया। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि 108 एंबुलेंस सेवा का जिम्मा नई एजेंसी को सौंपा गया है और इस पर कार्य जारी है।श्रम मंत्री संजय प्रसाद सिंह यादव ने कहा कि सरकार रोजगार के प्रति उदार दृष्टिकोण अपना रही है। 24 में से 18 जिलों में रोजगार मेले आयोजित किए जा चुके हैं, और कुटीर एवं मध्यम उद्योगों में रोजगार बढ़ाने के प्रयास जारी हैं।विधायक प्रदीप यादव ने शिकायत की कि उनके सवालों के जवाब समय पर नहीं मिल रहे हैं। स्पीकर ने सभी विभागों को समय पर उत्तर देने का निर्देश दिया, लेकिन प्रदीप यादव ने देरी पर नाराजगी जताते हुए संबंधित सचिव पर कार्रवाई की मांग की।भाजपा विधायक राज सिन्हा ने 917.69 करोड़ की धनबाद पेयजलापूर्ति योजना पर चर्चा न होने को लेकर सवाल उठाए। प्रभारी मंत्री ने जवाब दिया कि धनबाद में कुल 12 योजनाएं चल रही हैं, जिनमें स्टेट प्लान की योजनाएं पूरी हो चुकी हैं, जबकि नगर विकास विभाग बाकी योजनाओं पर काम कर रहा है।

संक्षिप्त खबरें

रांची में संदिग्ध हालात में मिला युवक का शव

रांची। रांची के सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के इंद्रपुरी रोड-1 में शुक्रवार को सुमित वर्मा उर्फ टकला का संदिग्ध अवस्था में पुलिस ने शव बरामद किया है। उसका शव रस्सी के सहारे कमरे में लटक रहा था। शुक्रवार की सुबह आसपास के लोगों ने देखा तो मामले की जानकारी सुखदेवनगर पुलिस को दी। स्थानीय लोगों का कहना है कि सुमित वर्मा की हत्या हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पूरा मामला स्पष्ट हो सकेगा। सुत्रों के अनुसार, सुमित का आपराधिक इतिहास रहा है। उसने महज 17 की उम्र में अपने बचपन के दोस्त अंकुश शर्मा की बिरला मैदान में हत्या की थी। उसकी हत्या पत्थर से कूचकर बेरहमी से की गयी थी। इस मामले में पुलिस ने उसे पकड़ कर रिमांड होम भेजा था। जहां एक साल रहने के बाद उसे बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा भेजा गया था। जेल से निकलने के बाद उसने दोबारा अपने ही दोस्त अविनाश कुमार की चाकू मारकर हत्या कर दी थी। वह कुछ माह पूर्व ही जेल से बाहर आया था।

राज्यकर्मियों को स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ दिए जाने का स्वागत किया महासंघ ने

रांची। झारखंड राज्य कर्मचारी महासंघ के राज्य अध्यक्ष आदिल जहीर, महासचिव साहेब राम भोक्ता ने कहा की सीएम हेमंत सोरेन, स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी झारखंड सरकार द्वारा समस्त राज्यकर्मियों को राज्य स्वास्थ्य कर्मी बीमा योजना का लाभ देकर सराहनीय कार्य किया है जिसका महासंघ स्वागत करता है। साथ ही राज्य के राज्यकर्मियों को स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ देकर राज्य सरकार ने एक ऐतिहासिक पहल की है जिससे समस्त राज्य कर्मियों में हर्ष का माहौल है। महासंघ के राज्य अध्यक्ष आदिल जहीर ने इस निर्णय पर संतोष जाहिर करते हुए इसे कर्मचारियों के लिए एक बड़ा तोहफा बताया । उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस तरह ही महासंघ के अन्य ज्वलंत एवं लंबित मांगों को गंभीरता के साथ सहानुभूति पूर्वक पूरा करें। आज के इस स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ राज्यकर्मियों को दिए जाने पर स्वागत करने वालों में झारखंड राज्य कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार, संरक्षक देवेंद्र सिंह, संयुक्त महासचिव आतिश झा, उप महासचिव जितेंद्र सिंह, उपाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार झा, राज्य सचिव रामसेवक महतो, सिद्धनाथ झा, सुशील कुमार सिंह, सुरेंद्र कुमार, रामविलास साह, पूरण उरांव, राजेंद्र कुमार, जयराम प्रसाद, अखिलेश कुमार, रवि भूषण एवं बरमेश्वर मंडल शामिल थे।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विधायक कल्पना से नीरू शांति भगत ने की मुलाकात

रांची। झारखंड आंदोलनकारी कमल किशोर भगत की पत्नी नीरू शांति भगत ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन से मुलाकात की। इस मुलाकात को राजनीतिक दृष्टि से अहम माना जा रहा है, जिससे कयास लगाए जा रहे हैं कि नीरू शांति भगत जल्द ही झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) में शामिल हो सकती हैं। नीरू शांति भगत पूर्व में आजसू पार्टी से जुड़ी रही हैं और लोहरदगा सीट से दो बार चुनाव लड़ चुकी हैं, हालांकि उन्हें सफलता नहीं मिली। हाल ही में उन्होंने आजसू से इस्तीफा दे दिया है। उनके पति कमल किशोर भगत भी आजसू पार्टी से विधायक रह चुके हैं।

बाबा श्याम का हुआ केशर चंदन तिलक श्रृंगार

रांची। हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में शुक्रवार को खाटूनरेश का फाल्गुन सुदी एकम के अवसर पर बाबा श्याम का केसर चंदन तिलक श्रृंगार किया गया। इस मौके पर बाबा को कोलकाता से मंगाए गए लाल गुलाब, रजनीगंधा, पिला स्टार, व्हाइट स्टार, ऐरीला फूल, तुलसीदल की मालाओं से बाबा अनुपम श्रंगार किया गया। मंडल के मंत्री श्याम सुंदर शर्मा के सानिध्य में मंदिर के आचार्य ने द्वारा बाबा श्याम का मनोहरी तिलक श्रृंगार किया। सुबह 5:00 बजे पट खोलने के बाद भक्तों का आना-जाना मंदिर में लग रहा। 5:30 बजे की मंगला आरती की गई। प्रथम श्यामल रूप श्रृंगार किया गया। इसके बाद श्रृंगार आरती की गई। दोपहर विश्राम के बाद तिलक श्रृंगार प्रारंभ हुआ। विशेष श्रृंगार दर्शन 4:30 बजे से भक्तों के लिए सुलभ हो सके। यह जानकारी मंडल के प्रथम महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया ने दी।

बाबूलाल मरांडी ने सीएजी रिपोर्ट के हवाले से झारखंड सरकार पर गंभीर आरोप लगाए

संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने सीएजी रिपोर्ट के हवाले से झारखंड सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि हेमंत सरकार का पिछला पांच साल वित्तीय कुप्रबंधन, लूट और भ्रष्टाचार से भरा रहा है।

मरांडी ने राज्य सरकार से पिछले पांच साल का श्वेत पत्र जारी करने की मांग की। उन्होंने कहा कि झारखंड में चिकित्सा कर्मचारियों की भारी कमी की रिपोर्ट कैग ने दी है। ऑडिट रिपोर्ट में कहा गया है कि मार्च 2022 तक, चिकित्सा अधिकारियों और विशेषज्ञों के 3,634 स्वीकृत पदों में से 2,210 पद खाली रह गए, जो कुल आवश्यकता का 61 प्रतिशत है। ऑडिट में झारखंड के सरकारी अस्पतालों में चिकित्सा अधिकारियों, स्टाफ नर्सों और पैरामेडिक्स की भारी कमी का खुलासा हुआ है। इसके अलावा, आवश्यक दवाओं की गंभीर कमी का भी पता चला। 2020-21 और 2021-22 के बीच, सामुदायिक

स्वास्थ्य केंद्रों, जिला अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में 65 प्रतिशत से लेकर 95 प्रतिशत तक आवश्यक दवाओं की कमी पाई गई।

उन्होंने कहा कि कैग रिपोर्ट में साफ है कि राज्य सरकार कोविड के लिए दी राशि खर्च नहीं कर सकी। सीएजी ने पाया है कि भारत सरकार ने कोविड प्रबंधन के लिए 483.54 करोड़ रुपये विमुक्त किए थे, इस राशि के विरुद्ध झारखंड सरकार को अपने हिस्से की 272.88 करोड़ की राशि विमुक्त करनी थी। कुल प्रावधान 756.42 के विरुद्ध राज्य सरकार ने केंद्रीय राशि का 291.87 करोड़ और राज्य का 145.10 करोड़ ही विमुक्त किया। यानी कुल 436.97 करोड़ का ही उपयोग किया। यह कुल जारी राशि का महज 32 प्रतिशत था।

उन्होंने कहा कि सीएजी ने रिपोर्ट में यह भी लिखा है कि गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने मार्च 2020 से दिसंबर 2021 के बीच राज्य आपदा कोष की 754.61 करोड़ की राशि कोविड 19 प्रबंधन के लिए विमुक्त की, लेकिन 539.56 करोड़ का उपयोग ही फरवरी 2022 तक किया गया।राशि खर्च नहीं होने से कोविड प्रबंधन प्रभावित हुआ। रिपोर्ट में जिक्र है कि कोविड-19 प्रबंधन निधि की राशि का समुचित उपयोग नहीं किए जाने के कारण जिला स्तर पर आरटीपीसीआर प्रयोगशालाएं, रांची में शिशु चिकित्सा उत्कृष्टता केंद्र, सीएचसी, पीएचसी, एचएससी में पूर्व निर्मित संरचनाएं एवं तरल चिकित्सा ऑक्सीजन संयंत्रों की स्थापना नहीं हो पाई। कोविड अवधि के दौरान जिला प्रयोगशालाएं स्थापित नहीं हुईं, इस कारण जिला अधिकारियों को एकत्र किए गए सैंपल को दूसरे जिलों में भेजने के लिए मजबूर होना पड़ा। परिणामस्वरूप जांच रिपोर्ट प्राप्त करने में पांच दिन से लेकर दो माह से अधिक तक की देरी हुई।

उन्होंने कहा कि 19125 करोड़ राशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र नहीं दिया, भ्रष्टाचार की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। रिपोर्ट में उपयोगिता प्रमाण पत्र नहीं दिए जाने पर विभागों में भ्रष्टाचार की आशंका जाहिर की गई है। वित्तीय लेखे पर टिप्पणी में लिखा गया है कि वर्ष 2023-24 के दौरान विभागों द्वारा सहायक अनुदान के तौर पर दी गई 19125.88 करोड़ की राशि के विरुद्ध 5209 उपयोगिता प्रमाण पत्र राज्य सरकार के निकायों और प्राधिकारों के द्वारा जमा नहीं कराए गए। सीएजी की रिपोर्ट में आपत्ति दर्ज करायी गई है कि इस राशि का व्यय किस प्रयोजन में किया गया, इससे संबंधित कोई जानकारी नहीं दी गई।

डालसा ने लाली पंचायत में चलाया जागरुकता कार्यकम

संवाददाता

रांची। झालसा के निर्देश पर न्यायायुक्त-सह-अध्यक्ष के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकारके द्वारा वाई.बी.एन. यूनिवर्सिटी के सहयोग से नामकुम प्रखंड के लाली पंचायत भवन में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जहां एल.ए.डी.सी. डिपूटी चीफ राजेश कुमार सिन्हा ने महिलाओं से संबंधित कानून के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने डायन प्रथा, बाल तस्करी एवं बाल विवाह पर लोगों को जानकारी दी। मंच का संचालन वाई.बी.एन. यूनिवर्सिटी के एसिस्टेंट प्रोफेसर श्रीमति निकिता तिवारी ने किया। उन्होंने कहा कि समय-समय पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के सहयोग से जागरूकता कार्यक्रम कर लोगों को जागरूक किया जाता है, ताकि दबे-कुचले व जरूरतमंदों को सरकार के लाभकारी योजना का लाभ मिल सके। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य गरीबों को डालसा, रांची के सहयोग से लाभ पहुंचाना ही है। इस मौके पर नालसा, झालसा एवं डालसा, रांची के मध्यस्थ श्रीमति अरूणा प्रकाश, वाई.बी.एन. यूनिवर्सिटी के एसिस्टेंट प्रोफेसर, श्रीमति निकिता तिवारी, कानूनी अध्ययन के मुख्य, अजीत कुमार गांड, विधि विभाग के एसिस्टेंट प्रोफेसर सुश्री अंतरा रॉय, विक्रम दुबे, सुसोभन अधिकारी, छात्र-छात्राएं, देवराज, मीनु माहतो, बिकिस फिरदौस, अभिषेक कुमार,विशाल कुमार, प्रहलाद उपाध्याय सहित अन्य लोग उपस्थित थे। श्रीमति अरूण प्रकाश ने कहा कि डालसा, रांची सभी प्रखंडों व पंचायतों में पीएलवी को नियुक्त किये है, ताकि गरीबों को उनके अधिकारों का लाभ मिल सके।

झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय में निवेश जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

संवाददाता

रांची। झारखंड केंद्रीय विवि के अर्थशास्त्र और विकास अध्ययन विभाग द्वारा भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड बाजार अवसंरचना संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में निवेश जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज के प्रबंधक और बिहार-झारखंड के बिजनेस डेवलपमेंट प्रमुख सैमराज नायर ने छात्रों को शेयर बाजार, पूंजी बाजार और ऋण बाजार की बुनियादी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बिना जानकारी के निवेश करना जोखिम भरा हो सकता है और निवेश से पहले

कंपनी की वित्तीय स्थिति को समझना जरूरी है। उन्होंने म्यूचुअल फंड्स की कार्यप्रणाली पर भी संक्षेप में चर्चा की।

इसके बाद, पूर्वी क्षेत्रीय कार्यालय, सेबी के महाप्रबंधक, विकाश एस.एस ने ऑनलाइन माध्यम से जुड़कर बताया कि सेबी बाजार में गड़बड़ी रोकने के लिए सख्त कदम उठाता है, जैसे कंपनियों को पूंजी जुटाने से रोकना, अनुचित लाभ को जब्त करना और कानूनी कार्यवाही करना।छात्रों ने निवेश से जुड़े कई सवाल पूछे, जिसका विस्तार पूर्वक महाप्रबंधक ने उत्तर दिया तथा मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज का फीडबैक फॉर्म साझा किया, जिसे छात्रों ने कार्यक्रम को उपयोगी बताया। अर्थशास्त्र और विकास अध्ययन विभाग की वरीय सहायक प्राध्यापिका डॉ. संहिता सुचरिता ने निवेश से संबंधित जानकारी को विवि के छात्रों के साथ साझा किया।

महाशिवरात्रि महोत्सव का हुआ समापन

वरीय संवाददाता

रांची। प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विवि बादू में चल रहे तीन दिवसीय शिवरात्रि महोत्सव का शुक्रवार को धूम धाम से समापन हुआ। इस मौक पर बाबा भालेनाथ पर शोभा यात्रा निकली गई। इसमें कई शिव बारात की झाकियों को शामिल किया गया था। जो लोगों के आकर्षण का केंद्र रही। शोभा यात्रा में शामिल भक्त अपने हाथों में शिव ध्वज लिए हुए श्वेत वस्त्र धारी ब्रह्म वत्सो ने जयकारे लगाए। जगह-जगह पर शोभा यात्रा का भक्तों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। संस्था कि संचालिका बी के राजमती ने शिव बाबा और ब्रह्मकुमारी बहनों को फूल मालाएं और प्रसाद देकर

सम्मानित किया।

धार्मिक स्थानों पर अच्छी शिक्षा मिलती है: राजमती दीदी

राजमती दीदी ने कहा वर्तमान समय कलियुग का है। शिव रात्रि का त्यौहार अज्ञान के अंधकार कि रात्रि को समाप्त कर ज्ञान का प्रकाश लाने का यादकर पर्व है। अपने जीवन से बैर अर्थात बुराइयों को शिव पर अर्पित करना ही सच्ची शिव रात्रि मनाना है। उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थानों पर अच्छी शिक्षा मिलती है। यह शिक्षा हमारे जीवन में आ जाए तो हम सबका कल्याण हो जाए।

उन्होंने कहा कि वह राजनीति में होते भी झूठ से बचकर रहने का प्रयास है। आज का समय बहुत तीव्र गति से आगे जा रहा है। यदि यह अमूल्य समय आपने गंवा दिया तो आपको पछताने का मौका भी नहीं मिलेगा।

पहल दो करोड़ की लागत से जगन्नाथ मंदिर परिसर का होगा विकास

भगवान जगन्नाथ की कृपा से ही होगा यह कार्य : संजय सेठ

वरीय संवाददाता

रांची। राजधानी के धुर्वा में स्थित ऐतिहासिक भगवान जगन्नाथ के ऐतिहासिक मंदिर परिसर के समग्र विकास का रास्ता साफ हो गया है। रक्षा राज्य मंत्री सह रांची के सांसद संजय सेठ के प्रयास से 450 वर्ष पुराने इस ऐतिहासिक मंदिर परिसर का समग्र विकास सीएसआर से होना है। इस कार्य 2 करोड़ 9 लख रुपए की राशि भी स्वीकृत की जा चुकी है। रांची जिला प्रशासन के किए सीसीएल ने

एमओयू किया है। बहुत जल्द यह कार्य शुरू हो जाएगा। विदित हो कि अगस्त 2024 में संजय सेठ ने सीसीएल के सीएमडी को पत्र लिखकर जगन्नाथ मंदिर की आध्यात्मिकता और ऐतिहासिकता से अवगत कराया था। रक्षा राज्य मंत्री ने अपने पत्र में कहा था कि नागवंशी राजाओं के द्वारा स्थापित यह मंदिर भारतीय स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े नायकों की गतिविधियों का प्रमुख केंद्र रहा है। वर्तमान समय में इस परिसर के समग्र विकास की आवश्यकता है ताकि राष्ट्रीय पटल पर इस परिसर को नई पहचान मिल सके। इसी के आलोक में सीसीएल ने जिला प्रशासन से संपर्क किया और परिसर के समग्र विकास को स्वीकृति दी। जगन्नाथ मंदिर परिसर के समग्र विकास की स्वीकृति मिलने से क्षेत्र के लोगों में अपार हर्ष है। लोग रक्षा राज्य मंत्री की इस पहल के लिए उनके प्रति आभार प्रकट किया हैं। इसे लेकर श्री सेठ ने कहा कि प्रभु जगन्नाथ की कृपा से ही यह काम संभव हुआ है। रांची की जनता ने जिस विश्वास के साथ मुझे अपना जनप्रतिनिधि चुना है, उसे विश्वास को और मजबूत बनाने के लिए मैं हर कार्य कर रहा हूं। जनता की आकांक्षाओं को पूर्ण करने के लिए मेरा हर कार्य समर्पित है।

जगन्नाथ मंदिर सिर्फ हमारी आध्यात्मिकता का केंद्र नहीं है बल्कि यह झारखंड की ऐतिहासिक धरोहर में से एक है। इस मंदिर परिसर का समग्र विकास, यहां आने वाले श्रद्धालुओं के लिए कई प्रकार की सुविधा उपलब्ध कराने वाला होगा।

जगन्नाथ मंदिर में होंगे यह विकास कार्य

मंदिर के समग्र विकास की दिशा में बाउंड्री वाल, पार्क निर्माण, वॉटर फाउंटेन, बच्चों के लिए खेलने की सुविधा, शौचालय, बागवानी, कियोस्क, गजीबो, पर्याप्त लाइटिंग, रैन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम सहित कई कार्य किए जाएंगे।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, शनिवार 01 मार्च 2025

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

सीसीएल प्रबंधन की विस्थापितों व मजदूरों की समस्याओं को हल करना प्राथमिकता : सीएमडी

बेरमो/ बोकारो। सीसीएल के अध्यक्ष सह प्रबंधन निदेशक निलेंदू कुमार सिंह से विस्थापित नेता कैलाश ठाकुर ने शुक्रवार को रांची मुख्यालय में मुलाकात कर कोयला मजदूरों एवं विस्थापितों से संबंधित विषयों पर चर्चा की। श्री ठाकुर ने उनसे ढोरी, बीएण्डके, कथारा क्षेत्रों में सीएसआर मद से होने वाले कार्यों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि शिक्षा स्वास्थ्य एवं खेलों में विस्थापित परिवार को सीधा लाभ पहुंचाया जाय, डीएवी स्कूल में विस्थापितों व आर्थिक रूप से कमजोरों के बच्चों का शुल्क कोयलाकर्मी जैसा ही लगे, कोयला मजदूरों के क्वाटर्स का जीर्णोद्धार किया जाय, केंद्रीय अस्पताल ढोरी के भवनों का सौंदर्यीकरण एवं आधुनिक मशीनों की व्यवस्था करने एवं करगली अस्पताल में डॉक्टरों की कमी को पूरा किया जाय, रोडसेल को सुचारू रूप से चलाया जाय, क्योंकि बेरमो कोयलांचल में गरीबों का जीवनशैली और त्योहार उसी पर निर्भर है। इन सभी विषयों पर सीएमडी निलेंदु कुमार सिंह ने कहा कि कोल इंडिया की पॉलिसी सीएसआर मद ग्रामीणों व विस्थापितों के लिए बनाया गया है। सीसीएल सीएसआर मद से अपने क्षेत्रों में अनेकों विकास कार्य कर रहा है। ढोरी क्षेत्र में सीएसआर मद का सदुपयोग सुनिश्चित विभाग करेगा। उन्होंने कहा कि कोयलाकर्मियों के क्वार्टर का जरूरत के अनुसार कार्य किया जा रहा है। जरूरत एवं नियमों के अनुसार नये क्वार्टर बनाये जा रहे हैं।

भाजपा का संगठनात्मक चुनाव कार्यशाला संपन्न

बेरमो/ बोकारो। भाजपा के संगठनात्मक चुनाव कार्यशाला का आयोजन शुक्रवार को पूर्व सांसद रवींद्र कुमार पांडेय के आवासीय कार्यालय फुसरो में हुआ। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा बोकारो जिला चुनाव प्रभारी लक्ष्मण प्रसाद सिंह शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा बोकारो जिलाध्यक्ष जयदेव राय ने की। कार्यशाला में गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र के 16 वीं सांसद रवींद्र कुमार पांडेय, जिला सदस्यता प्रभारी संजय सिन्हा, महामंत्री अनिल स्वर्णकार, ईश्वर प्रजापति, प्रदेश, जिला, प्रखंड, मंडल के पदाधिकारी, प्रभारी, संयोजक कार्यशाला में शामिल हुए। कार्यशाला में शामिल बेरमो अनुमंडल के सभी प्रखंड एवं मंडल के पदाधिकारियों को संगठन मजबूत करने के लिए संगठनात्मक चुनाव के संबंध में दिशा निर्देश दिए गए।

दिव्यांगों के बीच वितरण किए गए कई उपकरण

बेरमो/ बोकारो। फुसरो नगर परिषद क्षेत्र के कल्याण मंडप करगली में भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति झारखंड द्वारा पूर्व मंत्री स्व० राजेंद्र प्रसाद सिंह की स्मृति में शुरू किए गए पांच दिवसीय निःशुल्क कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर के दूसरे दिन शुक्रवार को दिव्यांगों के बीच कई उपकरण का वितरण किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि सीसीएल बीएंडके जीएम चितरंजन कुमार, विशिष्ट अतिथि बेरमो बीडीओ मुकेश कुमार, बीएंडके के एसओईएंडएम जयशंकर प्रसाद, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष छेदी नोनिया, बृज बिहारी पांडेय व गणेश मल्लाह उपस्थित थे। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर तथा स्व० राजेंद्र प्रसाद सिंह की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर शिविर का उद्घाटन किया गया। बीएंडके जीएम श्री कुमार ने कहा कि मानव सेवा ही माधव सेवा है। यह शिविर दिव्यांगजनों के लिए बेहतर कदम है। जो अपने शरीर से अपंग है और पैसों की कमी के वजह से कृत्रिम अंग नहीं ले पा रहे हैं उनके लिए यह लाभकारी शिविर है। बेरमो बीडीओ श्री कुमार ने कहा कि इस तरह का शिविर दिव्यांगजनों के लिए लाभकारी सिद्ध हो रहा है। भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के सदस्यों को धन्यवाद देते हुए उन्होंने कहा कि समाज हित में आप सभी का यह सराहनीय पहल है। मेरी जहां भी जरूरत होगी आप लोगों के लिए मैं साथ खड़ा रहूंगा। समिति के संयोजक हरीश दोषी तथा ओमप्रकाश अग्रवाल ने कहा कि अभी दिव्यांग जनों को व्हीलचेयर, ट्राई साइकिल, वैशाखी, श्रवण यंत्र, कैलीपर्स आदि उपकरण दिया गया।

बेरमो सीओ से मिले फुसरो के व्यवसायी

बेरमो/ बोकारो। फुसरो बाजार के सब्जी मंडी, मछली मंडी व मुर्गा मंडी के व्यवसायी शुक्रवार को युवा व्यवसायी संघ फुसरो के अध्यक्ष बैभव चौरसिया के नेतृत्व में बेरमो सीओ संजीत कुमार से मिले। इस दौरान फुसरो सब्जी मंडी, मछली मंडी व मुर्गा मंडी के सरकारी जमीन को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए बेरमो अंचलाधिकारी द्वारा सब्जी विक्रेताओं को दिये गये निर्देश पर चर्चा की गई। युवा व्यवसायी संघ फुसरो के अध्यक्ष बैभव चौरसिया, सचिव बैजू मालाकार, कोषाध्यक्ष राकेश मालाकार, संरक्षक मो० कलाम खान ने सीओ श्री सिंह से इस संबंध में जानकारी लेने के बाद कहा कि कृषि उत्पादन बाजार समिति द्वारा लगभग 30-35 साल पहले बसाया गया था।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर जीजीएसई टेक्निकल कैंपस बोकारो में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता

बोकारो। गुरु गोविंद सिंह शिक्षा संस्थान तकनीकी परिसर बोकारो में शुक्रवार को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस विशेष दिन के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों, शिक्षकों और अधिकारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरूआत कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. मनोजीत डे द्वारा की गई। उन्होंने इस दिन की महत्ता पर प्रकाश डाला और सभी को इस दिन के ऐतिहासिक और वैज्ञानिक महत्व के बारे में बताया। निदेशक (इन-चार्ज) डॉ. ए. पी. बर्नवाल ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने इस मौके पर विज्ञान के क्षेत्र में हुई प्रगति और उभरते वैज्ञानिकों के योगदान को सराहा। उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे अपने शोध कार्यों में नये दृष्टिकोण अपनाएं और राष्ट्र की प्रगति में योगदान करें। इसके बाद सचिव एस. पी. सिंह ने अपने संबोधन में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि वैज्ञानिक आविष्कारों के द्वारा समाज में बदलाव लाया जा सकता है और इस दिशा में भारत तेजी से अग्रसर हो रहा है। अतिथि ए. के. झा ने राष्ट्रीय विज्ञान पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे विज्ञान के प्रति अपनी रुचि और समर्पण को बढ़ाएं और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक आदर्श प्रस्तुत करें। इसके बाद डॉ. मनोजीत डे ने राष्ट्रीय विज्ञान पर एक प्रस्तुतीकरण किया, जिसमें उन्होंने विज्ञान के विकास, महत्व और भविष्य में आने वाली चुनौतियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में कई प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें साइंस क्विज, पीपीटी प्रेजेंटेशन, निबंध लेखन, स्लोगन लेखन और पेंटिंग प्रतियोगिता जैसी गतिविधियां शामिल थीं। इन प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। पेंटिंग प्रतियोगिता में रिया (जीडब्लूपी, बोकारो) ने पहला स्थान प्राप्त किया, स्वस्तिका पांडे (जीजीएसईएसटीसी) ने दूसरा स्थान और सुमित सागर (जीजीएसईएसटीसी) ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में कृतिका कुमारी (जीजीएसईएसटीसी) ने पहला स्थान और सुजिता कुमारी (जीजीएसईएसटीसी) ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। क्विज प्रतियोगिता में नीतू कुमारी (जीडब्लूपी, बोकारो) ने पहला स्थान, अंकित कुमार ने दूसरा स्थान और सत्यम कुमार गोस्वामी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। पीपीटी प्रस्तुति प्रतियोगिता में मनीषा, पियूष कुमार, किशोर कुमार, अंतरिक्ष कुमार, आशीष कुमार ने क्रमशः शीर्ष स्थान प्राप्त किए। सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति में ऋद्धिमा सिंह, आदिति कुमारी और अनुषा सिंह (जीडब्लूपी, बोकारो) ने पहला स्थान प्राप्त किया। निबंध प्रतियोगिता में अनुष्का झा ने पहला स्थान और प्रिया कुमारी ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

कार्यक्रम का संचालन कृतिका चौधरी, संचार प्रकोष्ठ की समन्वयक ने किया। अंत में संस्थान के निदेशक डॉ. प्रियदर्शी जरुहार और अध्यक्ष तरसेम सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया और विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य के लिए आशीर्वाद प्रदान किया। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देते हैं और उन्हें समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित करते हैं।

प्रधानमंत्री कुसुम योजना बोकारो में संतोषजनक नहीं, जिला कृषि पदाधिकारी को शोकॉज

संवाददाता

बोकारो। जिला समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त विजया जाधव ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री (पीएम) कुसुम योजना की जिला स्तरीय गठित कमेटी की बैठक की। मौके पर पुलिस अधीक्षक मनोज स्वर्गियारी, जिला कल्याण पदाधिकारी एन एस कुजूर, कार्यपालक अभियंता विद्युत एस तिवारी, पीएम कुसुम योजना के नोडल पदाधिकारी शक्ति कुमार, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह समेत अन्य उपस्थित थे। मौके पर पीएम कुसुम योजना के नोडल पदाधिकारी ने कमेटी अध्यक्ष व सदस्यों को बताया कि पीएम कुसुम योजनान्तर्गत जिलों में किसानों को अनुदानित दर पर सिंचाई कार्य हेतु सोलर पम्प सेट की आपूर्ति एवं अधिष्ठापन किया जाना है। इस क्रम में कृषि विभाग द्वारा उपलब्ध कराएं गए आवेदनों की संख्या से अवगत कराया।

समीक्षा क्रम में उपायुक्त ने चास, चंदनकियारी, जरीडीह और बेरमो प्रखंड में पीएम कुसुम योजना के तहत प्राप्त आवेदनों की कम संख्या पर नाराजगी जताई। उन्होंने इस बाबत जिला कृषि पदाधिकारी (डीएओ) से स्पष्टीकरण पूछने का निर्देश दिया। बैठक में उपायुक्त ने पीएम कुसुम योजना के तहत जो भी आवेदक हैं, उनकी सूची श्रेणी के आधार पर सूचीबद्ध प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। साथ ही, भविष्य में जो भी भौतिक सत्यापन होगा उसमें प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) एवं मुखिया का सत्यापन अनिवार्य करने की बात कहीं। नोडल पदाधिकारी, पीएम कुसुम योजना ने बताया गया कि कुल 542 आवेदन आनलाइन प्राप्त हुए है। ऑनलाइन आवेदन सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों द्वारा किसानों का चयन जेडा रांची के द्वारा सभी मानकों के आधार पर एवं स्थलीय जांच के उपरांत कुल 481 आवेदन स्वीकृत कर भेजने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने निरीक्षण उपरांत कमेटी सदस्यों द्वारा चिन्हित किसानों की सूची को अनुमोदित किया। उन्होंने सभी दस्तावेजों को निदेशक, जेडा, रांची को अग्रेतर कार्रवाई हेतु भेजने को कहा। इसके अलावा कई अन्य बिंदुओं पर चर्चा कर जरूरी दिशा-निर्देश दिया।

सक्षम लोग समाज के जरूरतमंद लोगों की मदद में आगे आएं : सौरव

संवाददाता

बोकारो। बोकारो इस्पात नगर के सेक्टर- 6 स्थित साईं मंदिर परिसर में स्थापित भगवान चित्रगुप्त मंदिर का स्थापना दिवस शुक्रवार को हर्षोल्लास के साथ स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर भगवान चित्रगुप्त की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। प्रसाद वितरण किया गया। स्थापना दिवस के मौके पर चित्रांश परिवार और साईं मंदिर संचालन समिति के पदाधिकारी भी शामिल हुए। स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में चित्रगुप्त मंदिर के संस्थापक संजय सिन्हा और उनकी धर्मपत्नी गुंजिता सिन्हा एवं मुख्य अतिथि के रूप रजिस्ट्रार सौरव वर्मा सहित अनल कुमार एवं संजय कुमार विशेष रूप से उपस्थित थे। इस क्रम में ग्लोबल कायस्थ कॉन्फ्रेंस के प्रदेश उपाध्यक्ष ए के वर्मा ने सौरव वर्मा, संजय सिन्हा, अनल कुमार एवं संजय कुमार को अंगवस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया।

स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि सौरव वर्मा ने भगवान चित्रगुप्त के मंदिर की स्थापना को अत्यंत पुनीत व सराहनीय बताते हुए कहा कि चित्रांश परिवार के साधन-विहीन और गरीब परिवारों को सक्षम लोगों को मदद करने के लिए आगे आना होगा। तभी अपना समाज हर क्षेत्र में आगे बढ़ेगा। संजय सिन्हा ने कहा कि चित्रगुप्त मंदिर एक ऐसा स्थान है जहां हम सभी मिल सकते हैं। समाज को आगे बढ़ाने के लिए विचार-विमर्श कर सकते हैं। एके वर्मा ने कहा कि प्रत्येक माह एक निर्धारित दिन व तिथि को समाज के लोगों मिलना चाहिए। समाज के आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े लोगों को आगे बढ़ाने की योजना पर काम करने की जरूरत है। सचिन और अनल कुमार ने भी विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में सुनील श्रीवास्तव, रोहित रंजन, शिल्पी बक्शी, राकेश श्रीवास्तव, अनुराधा श्रीवास्तव, प्रमता श्रीवास्तव, रंजनी, कस्तूरी सिन्हा, रणजीत सिन्हा, पवन श्रीवास्तव, अरुण सिन्हा, राज सिन्हा, भैया प्रीतम, हिमांशु, एके सिन्हा, सौरभ, उमेश, पिंटू, डॉली कोचस्व, रागिनी अंबष्ट, रोहित कुमार आदि शामिल रहे।

बोकारो स्टील प्लांट से सेवानिवृत कर्मचारियों को दी गई विदाई

संवाददाता

बोकारो। बोकारो स्टील प्लांट से फरवरी 2025 माह में सेवानिवृत होने वाले कर्मियों के लिए मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के मेन ऑडिटोरियम में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अधिशासी निदेशक वित्त एवं लेखा सुरेश रंगानी एवं अधिशासी निदेशक मानव संसाधन सुश्री राजश्री बनर्जी उपस्थित रहे। समारोह के आरम्भ में सहायक महाप्रबंधक मानव संसाधन डॉ० नन्दा प्रियदर्शिनी ने आगंतुकों का स्वागत किया तथा सेवानिवृत हो रहे कर्मियों को अंतिम निपटारा एवं मैत्री भवन से संबंधित जानकारी दी और प्रत्येक सेवानिवृत्त कर्मी का संक्षिप्त बायोडाटा प्रस्तुत किया। अधिशासी निदेशक वित्त एवं लेखा श्री रंगानी एवं अधिशासी निदेशक मानव संसाधन सुश्री बनर्जी ने सेवानिवृत्त हो रहे सभी कर्मियों को उनके निष्ठापूर्ण सेवा के लिए बधाई देते हुए उनके सुखद एवं समृद्ध भविष्य की कामना की। उन्होंने सेवा निवृत हो रहे कर्मियों को सेवा प्रमाण पत्र तथा उपहार भी भेंट किए। फरवरी 2025 में बोकारो स्टील प्लांट से कुल 07 अधिशासी एवं 47 अनाधिशासी कर्मी सेवानिवृत्त हो रहे हैं।

सेल एससी एसटी इम्पलाइज फेडरेशन ने विशेष सचिव को सम्मानित किया

संवाददाता

बोकारो। नगर के सेक्टर-3ए स्थित सेल एससी एसटी इम्पलाइज फेडरेशन के कार्यालय में संगठन की बोकारो यूनिट की ओर से झारखंड सरकार के ग्रामीण विकास विभाग के विशेष सचिव राजेश कुमार राय को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर फेडरेशन के केंद्रीय अध्यक्ष एम. के. अभिमन्यु और बोकारो यूनिट के अध्यक्ष ने उन्हें शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। फेडरेशन के महासचिव रवींद्र महली ने राजेश कुमार राय को महात्मा बुद्ध की तस्वीर भेंट कर सम्मानित किया। समारोह के दौरान राजेश कुमार राय की धर्मपत्नी देविका राय को भी महात्मा बुद्ध का पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है, जिससे कोई भी व्यक्ति किसी भी मुकाम तक पहुंच सकता है। मैं सभी से अपील करता हूं कि वे अपने बच्चों को उच्च शिक्षा देने का प्रयास करें, ताकि वे समाज में अच्छा स्थान बना सकें। उन्होंने यह भी कहा- भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने हमेशा यह कहा था कि समाज के जो लोग उच्च पदों पर पहुंचते हैं, उन्हें शैक्षणिक और आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों के साथ बैठकर उनके दुःख-सुख को समझना चाहिए और उन्हें मार्गदर्शन देना चाहिए। मौके पर दिनेश रविदास, महावीर मरांडी, इंदल पासवान, वीरेंद्र कुमार, महेश पासवान, शंकर राम, सुरेश पासवान, ऋषि देव पासवान, सरोज कुमार, राजू चौधरी, राजूराम, राजेश पासवान, सौगेन मुर्मू, धर्मा पासवान, सुशील पासवान, अमरेश कुमार, यूके सुमन, जितेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

6 तक मांगें पूरी नहीं हुई तो सात को चक्का जाम : राजेंद्र सिंह

संवाददाता

बोकारो। शुक्रवार को सेल/बोकारो इस्पात संयंत्र के धमन भट्ठी विभाग में सेल एवं बोकारो प्रबंधन की कथित मजदूर विरोधी नीति के खिलाफ तथा मजदूरों की लंबित मांगों के समर्थन में क्रान्तिकारी इस्पात मजदूर संघ हिन्द मजदूर सभा की विशाल मीटिंग हुई। मीटिंग को संबोधित करते हुए संघ के महामंत्री सह-सदस्य एनजेसीएस राजेंद्र सिंह ने कहा कि प्रबंधन को कुम्भकर्णी निद्रा से जगाने हेतु मजदूर आर-पार के संघर्ष के लिये कमर कसकर मैदान में उतर चुके हैं। प्रबंधन के पास 06 मार्च 2025 तक का समय है। 06 मार्च तक हमारी मांगें पूरी नहीं हुई तो संघर्ष के प्रथम चरण में 07 मार्च प्रातः 06:00 बजे से 08 मार्च प्रातः 06:00 बजे तक (24 घंटा) कोक-ओवन एवं धमन भट्ठी का चक्का जाम रहेगा। उन्होंने कहा कि एक तरफ 39 महीने का एरियर, वर्षो पुराने इन्सेंटिव रिवॉर्ड के द्वारा नियमित मजदूरों का शोषण किया जा रहा है। वहीं, दूसरी तरफ ठेका मजदूरों का तो भगवान ही मालिक है।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाना देश के वैज्ञानिकों का सम्मानः प्राचार्य

संवाददाता

बोकारो। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर शुक्रवार को बेरमो स्थित केबी कॉलेज में विज्ञान संकाय, राष्ट्रीय सेवा योजना एवं आई क्यू ए सी के संयुक्त तत्वावधान में एकदिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। प्राचार्य लक्ष्मी नारायण की अध्यक्षता में विद्यालय के जंतु-शास्त्र सभागार में दीप प्रज्ज्वलित करके सेमिनार की शुरूआत की गई।

इस अवसर पर प्राचार्य सह भौतिकी के विभागाध्यक्ष लक्ष्मी नारायण ने कहा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस विज्ञान मनाने का उद्देश्य प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाना तथा देश के वैज्ञानिकों को सम्मानित करना है। प्रोफेसर इंचार्ज सह विभागाध्यक्ष, रसायन-शास्त्र प्रो. गोपाल प्रजापति ने कहा कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को विज्ञान के प्रति आकर्षित व प्रेरित करना है तथा जनसाधारण को विज्ञान के प्रति सजग बनाना है।

गणित विभागाध्यक्ष डॉ. विश्वनाथ प्रसाद ने कहा कि विज्ञान और तकनीक को प्रसिद्ध करने के साथ ही देश के नागरिकों को इस क्षेत्र में मौका देकर नई ऊंचाइयों को हासिल करना मुख्य उद्देश्य है। एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डा प्रभाकर कुमार ने कहा यह दिन विज्ञान के महत्व बताने और सी वी रमन का विज्ञान में योगदान याद करने के उद्देश्य से मनाया जाता है। देश के विकास के लिए वैज्ञानिक सोच का प्रसार आवश्यक है।

ड. साजन भारती, डॉ. शशि कुमार आदि वक्ताओं ने कहा कि यह दिवस वैज्ञानिक प्रगति को बढ़ाने में इनोवेशन और रिसर्च को बढ़ावा देने के लिए है।

कॉलेज के छात्र-छात्राओं, एनएसएस स्वयंसेवकों ने पोस्टर, स्लोगन, भाषण, निबंध, विज्ञान प्रदर्शनी आदि में भाग लिया, जिनमें भाषण में प्रेरणा दास, मोहिनी कुमारी, हरीश चंद्र सिंह, कृष्णा कुमार महतो, नीलू कुमारी, सुमित सिंह विजेता रहे। स्लोगन में प्रेरणा दास, नीतू कुमारी, मोहिनी कुमारी, सुमित सिंह विजेता रहे। पोस्टर में मुस्कान कुमारी, नेहा कुमारी विजेता रही। निबंध में नीतू कुमारी, मोहिनी कुमारी, सुनैना कुमारी विजेता रही। यह प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान बनाए सभी विजेताओं को को प्राचार्य के हाथों प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। मंच संचालन डा प्रभाकर कुमार तथा धन्यवाद ज्ञापन डा मधुरा केरकेट्टा ने किया।

खेतको शिव मंदिर में महारूद्र अभिषेक में उमड़े श्रद्धालु

अभिषेक के बाद नौ कन्या भोजन, ब्राह्मण भोजन व भोग वितरण किया गया

संवाददाता

जारंगडीह/ बोकारो। पेटरवार प्रखंड के खेतको पंचायत स्थित शिव मंदिर में शुक्रवार को महारूद्र अभिषेक का आयोजन किया गया, जहां श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी।

महारूद्र अभिषेक के प्रातः काल से लोग मंदिर में जुट गए जहां आचार्य दिलीप तिवारी, जागेश्वर उपाध्याय, विक्रम तिवारी व दीपक मिश्रा की अगुवाई में पूजा अर्चना शरू की गई ,जहां सैकड़ो लीटर दूध से भगवान शिव का अभिषेक किया गया। तदपश्चात आरती की गई। यहां नौ कन्याओं का भोजन व ब्राम्हण भोजन कराया गया, जहां भोग वितरण किया गया। अभिषेक में मुख्य यजमान के रूप मे अमन कुमार, आर्य रमन कुमार, शिवशंकर नोनिया, दीनदयाल यादव तथा मुकेश नायक शामिल हुए।

यहां आचार्य दिलीप तिवारी ने बताया कि भगवान शिव का महारूद्र अभिषेक जैसा आयोजन बहुत ही लाभ व पुण्य का काम है। अभिषेक से मनुष्य के जीवन में सारी तरह की परेशानी दूर होती है। इसके अलावे गांव में सुख समृद्धि आती है। मौके पर समिति अध्यक्ष कपील नायक, सचिव रामचंद्र यादव, नागेश्वर यादव, आकाश नायक, संतोष नायक, पीतांबर करमाली, आकाश ठाकुर, गुलाब नायक, नन्दलाल यादव, श्याम नायक, मन्नू ठाकुर, हेमंत नायक आदि ग्रामीण उपस्थित थे।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, शनिवार 01 मार्च 2025

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

बगदा में किशोरियों के बीच जीवन कौशल प्रशिक्षण का आयोजन

कसमार। किशोरियों को नेतृत्व क्षमता विकास के लिए जीवन कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन सहयोगिनी द्वारा कसमार के बगदा पंचायत भवन में किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रशिक्षक प्रेम कुमार महतो ने कहा कि लड़कियों के कैरियर को सुनिश्चित करने के लिए जीवन कौशल के तरीकों को अपनाना जरूरी है। जीवन कौशल का प्रशिक्षण के माध्यम से लड़कियां अपना भविष्य संवार सकती है। साहबिनी के कार्यक्रम समन्वयक प्रकाश कुमार महतो ने बताया कि कसमार प्रखंड के 30 गांवों में किशोरी क्लब बनाकर उनके नेतृत्व क्षमता का विकास किया जा रहा है। साथ ही उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़ने तथा महिला हिंसा रोक थाम पर काम किया जा रहा है। संगीता देवी ने कहा कि व्यक्तिगत विकास के लिए जीने के तरीको को समझने की जरूरत है। सहयोगिनी द्वारा कसमार प्रखंड के 30 गांवों में किशोरी क्लब बनाकर उनके नेतृत्व क्षमता का विकास को लेकर विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाती है। कार्यक्रम के दौरान नेहा कुमारी, निशा कुमारी, सुप्रिया कुमारी, लक्ष्मी कुमारी, संजु,नीलम, रुबी कुमारी आदि उपस्थित थी।

होल्डिंग टैक्स और ट्रेड लाइसेंस न चुकाने पर कोडरमा का दृष्टि आई हॉस्पिटल सील

कोडरमा। कोडरमा नगर पंचायत के निदेर्शानुसार, गिरिडीह बाईपास रोड स्थित दृष्टि आई हॉस्पिटल को होल्डिंग टैक्स और ट्रेड लाइसेंस न लेने के कारण सील कर दिया गया। नगर पंचायत प्रशासन ने पहले भी हॉस्पिटल प्रबंधन को कई बार नोटिस दिया था, लेकिन उनकी ओर से कोई उत्तर नहीं दिया गया और न ही बकाया टैक्स का भुगतान किया गया। इसके अलावा, मकान मालिक संजय सिंह को भी होल्डिंग टैक्स का भुगतान करने के लिए नोटिस चस्पा किया गया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। नियमों की अवहेलना करने के कारण नगर प्रशासन ने सख्त कदम उठाते हुए हॉस्पिटल को सील कर दिया। नगर प्रशासन ने अन्य व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को भी निर्देश दिया है कि वे अपने होल्डिंग टैक्स और ट्रेड लाइसेंस समय पर जमा करें, अन्यथा उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

बोकारो में वैदिक विधि से यज्ञ कुंड निर्माण का शुभारंभ

बोकारो। बोकारो स्थित महाराज राजेश्वरी महालक्ष्मी मंडप में काशी से पधारे चारों वेदों के विद्वानों को वेदमूर्ति डॉ० अनिल कुमार पांडेय ने अग्नि कुंडों के निर्माण हेतु आवश्यक सुझाव प्रदान किए। उन्होंने कहा कि यज्ञ कुंडों का निर्माण शुद्ध वैदिक प्रक्रिया के अनुसार होनी चाहिए, जिसमें कोई त्रुटि न रहे। कुंडों की परिधि एवं योनि में पूर्ण एकरूपता बनाए रखने पर विशेष बल दिया गया। चारों वेदों के विद्वानों के साथ वेदमूर्ति डॉ० पांडेय स्वयं भी इस कार्य में सक्रिय रूप से सम्मिलित हुए। इस दौरान बोकारो के अनेक श्रद्धालु भक्त उपस्थित रहे। भक्तों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मंडप वेदी निर्माण के साथ यज्ञ कुंडों का हमारे धर्म शास्त्रों में अत्यंत महत्व है। प्राचीनकाल में भगवान विश्वकर्मा ने स्वयं भगवान विष्णु, श्रीराम एवं श्रीकृष्ण के यज्ञों में कुंडों का निर्माण किया था। विश्वकर्मा पद्धति के अनुसार यज्ञ कुंडों के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया, जिसे देखकर भक्तों में विशेष उत्साह देखा गया। यज्ञ मंडप में भक्तों ने जयघोष कर यज्ञ भगवान की स्तुति की। इस विशेष अवसर पर परमानंद पांडेय, विमलेश पांडेय, राजीव पांडेय, डॉ० परमानंद चंद्रवंशी, कृष्णकांत त्रिपाठी, नितिन त्रिपाठी, सत्य प्रकाश तिवारी, साध्वी झा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

आम्रपाली में फर्जी एनओसी का भंडाफोड़, ग्रामीणों ने उपायुक्त से कार्रवाई की मांग की

चतरा। चतरा जिले के टंडवा में संचालित सीसीएल के आम्रपाली क्षेत्र में एक और बड़ा फजीर्वाड़ा सामने आया है। ग्रामीणों ने फर्जी एनओसी जारी करने की गहरी साजिश का खुलासा किया है। पोकला उर्फ कसियाडीह गांव के ग्रामीणों ने इस फजीर्वाड़े का पदार्फाश करते हुए चतरा उपायुक्त को लिखित शिकायत दी है और अन्य छह गांवों के फर्जी एनओसी को रद्द करने की मांग की है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि आम्रपाली के एजेंटों ने गांव वालों के फर्जी हस्ताक्षर और पंचायत प्रतिनिधियों की नकली मुहर लगाकर अधिकारियों को गुमराह किया है। उन्होंने कहा कि गांव के किसी भी व्यक्ति ने एनओसी नहीं दिया है, लेकिन कागजों में उनके हस्ताक्षर करवा दिए गए। ग्रामीणों ने अपने आवेदन में कहा कि टंडवा अंचल कार्यालय से 12 मई 2025 को एक पत्र जारी हुआ था, जिसमें सात गांवों के ग्रामीणों से एनओसी लेने की बात कही गई थी। लेकिन असल में, इनमें से कई गांवों में कोई बैठक ही नहीं हुई थी। जब एक पंचायत प्रतिनिधि ने खुद को इस फजीर्वाड़े से अलग कर लिया, तब इस घोटाले का खुलासा हुआ। इसके बाद सेरनदाग के ग्रामीणों ने भी फर्जी एनओसी मामले में अपना विरोध जताया था। अब पोकला उर्फ कसियाडीह गांव के ग्रामीणों ने भी इस फजीर्वाड़े को उजागर कर दिया है और उपायुक्त से तत्काल इस फर्जी एनओसी को रद्द करने और दोषी अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

भ्रष्टाचार के आरोप में इटखोरी के पूर्व अंचल अधिकारी पर विभागीय कार्रवाई की अनुशंसा

संवाददाता

इटखोरी। इटखोरी के पूर्व अंचल अधिकारी राम विनय शर्मा के खिलाफ गंभीर भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते उपायुक्त रमेश घोलप ने उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की अनुशंसा की है। राम विनय शर्मा पर वंशावली में छेड़छाड़, दस्तावेजों की हेराफेरी, बालू ढुलाई में रिश्वतखोरी, बिचौलियों के माध्यम से अवैध वसूली और सरकारी जमीन की गैर-कानूनी बंदोबस्ती जैसे कई गंभीर आरोप लगे हैं। उन्होंने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए बिचौलियों के माध्यम से लोगों से अवैध वसूली की। आरोप है कि उन्होंने सरकारी जमीन को अपने एजेंट सुमंत राय के साथ मिलकर 50 एकड़ तक

उपायुक्त रमेश घोलप ने उनके स्पष्टीकरण को अस्वीकार्य मानते हुए उनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की अनुशंसा की है

बंदोबस्त कर दिया। इसके अलावा, उन्होंने फर्जी वासगीत पर्चा बनाकर डिमांड खोल दिया और ट्रैक्टर मालिकों से बालू ढुलाई के नाम पर पांच हजार रुपये की अवैध वसूली की। इन गंभीर आरोपों की जांच के लिए उपायुक्त

ने अपर समाहर्ता के नेतृत्व में एक जांच टीम बनाई थी, जिसमें सदर अनुमंडल पदाधिकारी और भूमि सुधार उप समाहर्ता भी शामिल थे। इस टीम ने पूरे मामले की गहनता से जांच की और संबंधित लोगों के बयान दर्ज किए। जांच के आधार पर, राम विनय शर्मा से स्पष्टीकरण मांगा गया था। उपायुक्त रमेश घोलप ने उनके स्पष्टीकरण को अस्वीकार्य मानते हुए उनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की अनुशंसा की है। उनके कृत्य लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम-1951, सरकारी लोक सेवक आचरण नियमावली 2001 और झारखंड सेवा संहिता के उल्लंघन की श्रेणी में आते हैं। गौरतलब है कि गलत जमाबंदी और दाखिल-खारिज के आरोप में थाना में भी उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि इस मामले में आगे क्या कार्रवाई होती है।

राजद नेता सुभाष प्रसाद यादव ने विभिन्न घटनाओं में पीड़ित परिवारों से की मुलाकात

संवाददाता

कोडरमा। राजद नेता सुभाष प्रसाद यादव ने कोडरमा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न स्थानों का दौरा किया और हाल ही में हुई दुखद घटनाओं के पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर संवेदना प्रकट की। सबसे पहले उन्होंने मरकच्चो प्रखंड के महुगांय गांव में राजद नेता सरफुद्दीन अंसारी की धर्मपत्नी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने परिजनों को ढांढस बंधाया और हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। इसके बाद उन्होंने झुमरीतिलैया के सुभाष चौक निवासी व राजद कार्यकर्ता विपुल केशरी के असामयिक निधन पर भी गहरा दुख व्यक्त किया। विपुल केशरी की राजस्थान में आकस्मिक मृत्यु हो गई थी, जिससे उनका पूरा परिवार सदमे में है। सुभाष प्रसाद यादव ने उनके परिजनों से मुलाकात कर संवेदना प्रकट की और भरोसा दिलाया कि बच्चों की पढ़ाई और परिवार की आजीविका के लिए हरसंभव मदद की जाएगी। इसके अलावा, कोडरमा प्रखंड के चुटियारो गांव में संदेहास्पद स्थिति में कुएं में मिले उपेंद्र राणा के शव को लेकर उन्होंने मृतक के परिजनों और ग्रामीणों से बातचीत की। ग्रामीणों ने इस मौत से जुड़े संदेहों को साझा किया, जिस पर सुभाष प्रसाद यादव ने पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया।

भाजपा जिलाध्यक्ष ने प्रशासनिक पदाधिकारियों पर साधा निशाना

भ्रष्टाचार और पक्षपात के गंभीर आरोप

संवाददाता

चतरा। चतरा जिले के प्रशासनिक पदाधिकारी पूरी तरह से राजनीतिक रंग में रंग चुके हैं। भाजपा जिलाध्यक्ष रामदेव सिंह भोगता ने उन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि जिन अधिकारियों को कानून के अनुसार कार्य करना चाहिए, वे एक हारे हुए राजनीतिक दल के इशारों पर नाच रहे हैं। इन पर इस कदर राजनीतिक प्रभाव हावी हो गया है कि इन्हें अपने नाक के नीचे चल रहे भ्रष्टाचार का भी आभास नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर कोई व्यक्ति शिकायत करता है या भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाता है, तो प्रशासन उसे ही दोषी ठहराने का प्रयास करता है। यह स्थिति ₹उल्टा चोर कोतवाल को डांटे₹ वाली हो गई है। नौकरशाहों को जनता के हित में काम करना चाहिए, लेकिन वे विशेष राजनीतिक दल के नेताओं की जी-हुजूरी में लगे हुए हैं। पंचायत सेवक से लेकर जिलाधिकारी तक सभी अधिकारी भ्रष्टाचार के ढेर पर बैठे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर प्रशासन अपनी कार्यशैली में सुधार नहीं करता, तो एनडीए कार्यकर्ता चरणबद्ध आंदोलन करेंगे। 1 मार्च को सभी नेता और कार्यकर्ता काला बिल्ला लगाकर प्रशासनिक अधिकारियों का विरोध करेंगे, 2 मार्च को सभी प्रखंड मुख्यालयों में धरना प्रदर्शन किया जाएगा और 4 मार्च को जिला मुख्यालय में उग्र प्रदर्शन के तहत ₹हल्ला बोल पोल खोल₹ आंदोलन शुरू किया जाएगा। इस आंदोलन को सफल बनाने के लिए शुक्रवार को सांसद आवास पर एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें भाजपा जिला अध्यक्ष और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने हिस्सा लिया। बैठक में सभी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया गया कि वे भ्रष्टाचार के खिलाफ पूरी ताकत झोंक दें।

वार्ड नंबर 27 में पानी आपूर्ति पाइपलाइन को लेकर झामुमो नेता दीपक विश्वकर्मा ने किया हस्तक्षेप

संवाददाता

झुमरीतिलैया। नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड नंबर 27 न्यू यदुटांड़ के लोग लंबे समय से पानी आपूर्ति की समस्या से जूझ रहे हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि उनके वार्ड में सप्लाई पानी की पाइपलाइन बिछाने का कार्य चल रहा है, लेकिन कई स्थानों पर पाइप नहीं डाले गए हैं। इसके कारण लोगों को पानी की भारी किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या को लेकर स्थानीय लोग बार-बार नगर परिषद के अधिकारियों और ठेकेदार से शिकायत कर रहे थे, लेकिन उनकी शिकायतों को नजरअंदाज किया जा रहा था। लोगों की परेशानी को देखते हुए झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता दीपक विश्वकर्मा ने इस मामले को गंभीरता से लिया। उन्होंने मौके पर पहुंचकर स्थानीय लोगों की समस्याओं को सुना और तुरंत ही संबंधित अधिकारियों से फोन पर वार्ता की। अधिकारियों ने जानकारी दी कि पूरे वार्ड में पाइपलाइन बिछाने का काम किया जा रहा है, लेकिन कुछ बिचौलियों द्वारा इस कार्य में अड़चन डाली जा रही है। इस पर दीपक विश्वकर्मा ने स्पष्ट कहा कि झारखंड सरकार के नेतृत्व में हेमंत सोरेन ने सभी घरों में पानी पहुंचाने का वादा किया है और इसमें किसी भी तरह की बाधा को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो झामुमो के नेतृत्व में बड़ा आंदोलन किया जाएगा और इसका पूरा उत्तरदायित्व संबंधित अधिकारियों पर होगा। अधिकारियों ने शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। इस मौके पर वार्ड नंबर 27 के वार्ड अध्यक्ष राहुल मोदी, वार्ड नंबर 10 के वार्ड अध्यक्ष पंकज कुमार गुप्ता सहित बड़ी संख्या में स्थानीय पुरुष और महिलाएं मौजूद रहीं।

कोडरमा में जिला स्तरीय रोजगार सृजन मेला का हुआ भव्य आयोजन

संवाददाता

कोडरमा। कोडरमा जिला समाहरणालय परिसर में झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसायटी की ओर से जिला स्तरीय रोजगार सृजन मेला 2025 का भव्य आयोजन किया गया। इस मेले में जिले के सभी छह प्रखंडों चंदवारा, डोमचांच, जयनगर, कोडरमा सदर, मरकच्चो और सतगांवा से रोजगार की तलाश में आए 18 वर्ष से अधिक उम्र के युवक-युवतियों ने भाग लिया। यह आयोजन बेहद सफल रहा, जिसमें 27 प्रतिष्ठित कंपनियों ने भाग लिया। कुल 1376 युवाओं ने इस रोजगार मेले में अपना पंजीकरण कराया, जिसमें से 287 अभ्यर्थियों को कंपनियों द्वारा नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। इस आयोजन को लेकर युवाओं में भारी उत्साह देखा गया। इस अवसर पर कोडरमा जिला परिषद के माननीय अध्यक्ष रामधन यादव, उपाध्यक्ष निर्मला देवी, जिला अपर समाहर्ता पूनम कुजूर, सामाजिक सुरक्षा कोषांग के निदेशक नितीश कुमार निशांत, जिला सहकारिता पदाधिकारी रुमा झा, पलाश के जिला कार्यक्रम प्रबंधक प्रकाश रंजन और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डीपीएम प्रकाश रंजन ने की और इसे सफल बनाने में डीएम स्किल एंड जॉब्स के आदित्य कुमार शर्मा की भूमिका सराहनीय रही। इस मौके पर राज्य टीम से साईं दत्ता, प्रणव कुमार और जिला समन्वयक आशीष ठाकुर एवं सुमित कुमार भी मौजूद थे।

सीसीएल ढोरी व बीएंडके से 25 सेवानिवृत्त कामगारों को किया गया सम्मानित

संवाददाता

बेरमो। सीसीएल बीएंडके व ढोरी एरिया से फरवरी माह में कुल 25 सेवानिवृत्त कामगारों को शुक्रवार को अलग-अलग समारोह कार्यक्रम आरोजित कर सम्मानित कर विदाई दी गयी। बीएंडके क्षेत्र में ऑफिसर क्लब में दस कर्मियों के सेवानिवृत्त होने पर महाप्रबंधक चितरंजन कुमार ने सम्मानित किया। संचालन कार्मिक प्रबंधन सुजाता ने किया। सेवानिवृत्त होने वालों में मोहन मांझी, हरिपद चक्रवर्ती, अशोक प्रसाद, अरिसूदन प्रसाद सिंह, नेमचंद, मो नईम, काजल कुमार मित्रा, करमु हरि, मुख्तार अली तथा सागर साहनी शामिल हैं।

सभी सेवानिवृत्त कर्मियों को जीएम श्री कुमार, अधिकारी और यूनियन प्रतिनिधियों ने शॉल ओढ़ाकर, श्रीफल, स्मृति चिन्ह और उपहार देकर सम्मानित किया। उन्हें सेवाकाल प्रमाण-पत्र सौंपा गया। जीएम श्री कुमार ने सभी सेवानिवृत्त होने वाले कर्मियों को आगे की जीवन की शुभकामनाएं दी। मौके पर एसओपी विनय रंजन टुडू, एएफएम ज्ञानेंदु चौबे, एसओएलएंडआर बीके ठाकुर, मैनेजर पीएन सिंह, रमेश कुमार, रत्नाकर, यूनियन प्रतिनिधि में आलोक रंजन अकेला, एपी सिंह आदि मौजूद थे। जबकि सीसीएल ढोरी क्षेत्र के जीएम कॉलोनी स्थित ऑफिसर्स क्लब में विदाई सह सम्मान समारोह आयोजित कर एक अधिकारी सहित 15 सेवानिवृत्त कर्मियों को सम्मान पूर्वक विदाई दी गई। संचालन कार्मिक प्रबंधक सुरेश कुमार सिंह ने किया। सेवानिवृत्त होने वालों में अधिकारी सीनियर मैनेजर अच्छाया लाल यादव, कर्मी आदित्य मिश्रा, शिवपूजन राम, मुस्तकीम अंसारी, कौशल, सुखदेव महतो, नागेंद्र बाउरी, रूपा मुंडा, लालजी मिश्रा, रामचंद्र मांझी, सरजू चौहान, अशोक प्रसाद, तुलसी प्रसाद महतो, रामधन मांझी तथा राम प्रसाद महतो शामिल है। ढोरी जीएम रंजय कुमार सिन्हा सहित अधिकारी और श्रमिक प्रतिनिधियों ने सेवानिवृत्त कर्मियों को शॉल ओढ़ाकर, माला पहनाकर, प्रशस्ति पत्र और उपहार भेंट कर सम्मानित किया। धन्यवाद ज्ञापन कार्मिक प्रबंधक अभिषेक सिन्हा ने किया। मौके पर एसओपी कुमारी माला, कार्मिक प्रबंधक सीताराम उइके, यूनियन प्रतिनिधि में बृज बिहारी पांडेय, विनय सिंह, आर उनेश, गोवर्धन रविदास, जयनाथ मेहता, जितेंद्र दुबे, भीम महतो, जवाहरलाल यादव, महारुद्र सिंह, राजू भुखिया, शिवनंदन चौहान, निर्मल नायक, धीरज पांडेय, अरुण कुमार आदि मौजूद थे।

रसायनशास्त्र विभाग के डेमोंस्ट्रेटर सुरेश चंद्र शर्मा हुए सेवानिवृत्त

संवाददाता

सिंदरी। सिंदरी महाविद्यालय के रसायनशास्त्र विभाग के वरिष्ठ डेमोंस्ट्रेटर श्री सुरेश चंद्र शर्मा आज अपने 45 वर्षों के उत्कृष्ट सेवा कार्य के बाद सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर महाविद्यालय में एक विशेष विदाई समारोह आयोजित किया गया, जिसमें प्राचार्य डॉ. के.के. पाठक ने उन्हें पुष्पगुच्छ एवं शॉल भेंट कर सम्मानित किया। सुरेश चंद्र शर्मा ने 2 जून 1980 को सिंदरी महाविद्यालय में बतौर रसायनशास्त्र विभाग के डेमोंस्ट्रेटर अपना योगदान दिया था। अपने 45 वर्षों के दीर्घ कार्यकाल में उन्होंने अनेकों छात्र-छात्राओं का मार्गदर्शन किया और महाविद्यालय में शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका न केवल एक शिक्षक के रूप में बल्कि एक मार्गदर्शक एवं अनुशासनप्रिय अधिकारी के रूप में भी विशेष योगदान रहा। वर्तमान समय में वह उप परीक्षा नियंत्रक के रूप में कार्यरत थे और अपनी दक्षता एवं कार्यशैली के लिए पूरे महाविद्यालय में सम्मानित व्यक्ति माने जाते थे। इस विदाई समारोह में महाविद्यालय के सभी शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। सभी ने श्री शर्मा के समर्पण, अनुशासन और शिक्षण पद्धति की सराहना की और उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। विदाई समारोह में विभिन्न वक्ताओं ने उनके कार्यकाल के दौरान किए गए योगदान की सराहना की और कहा कि श्री शर्मा का नाम महाविद्यालय के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा।

सिंदरी में श्री श्याम निशान शोभायात्रा भव्यता के साथ संपन्न

संवाददाता

सिंदरी। श्रद्धा और भक्ति से सराबोर वातावरण, गगनभेदी जयकारे, अबीर-गुलाल की रंगीन बौछार, गाजे-बाजे की मधुर ध्वनि और भक्तों का उमंग से भरा हुजूम श्री श्री श्याम सेवा समिति द्वारा आयोजित 12 वीं श्री श्याम निशान शोभायात्रा शुक्रवार को भव्यता के साथ संपन्न हुई। यह यात्रा सिंदरी के गौशाला दुर्गा मंदिर प्रांगण से प्रारंभ हुई, जहां पूरे विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की गई। पुजारी रामचंद्र ने शुभारंभ कर यजमान राजेश अग्रवाल एवं उनकी पत्नी सुनैना अग्रवाल को पहला निशान अर्पित कराया। इसके पश्चात सैकड़ों की संख्या में श्याम भक्त हाथों में निशान लिए, ₹हारे का सहारा श्री श्याम बाबा है हमारा₹ और ₹जय श्री श्याम₹ के गगनभेदी जयकारों के साथ पदयात्रा में शामिल हुए। श्याम भक्तों की यह विशाल यात्रा पूरे मार्ग में भक्तिमय माहौल का सृजन करती हुई झरिया लाल बाजार स्थित श्यामधाम मंदिर पहुंची, जहां पुजारी कैलाश पांडेय एवं मंदिर समिति के सहयोगियों ने भक्तों के निशान बाबा को अर्पित कराए। संपूर्ण यात्रा मार्ग में श्रद्धालु नाचते-गाते, गुलाल उड़ाते, भजन-कीर्तन करते हुए आगे बढ़ते रहे। भक्तों की इस भक्ति और उल्लास को देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो स्वयं श्याम प्रभु उनके साथ विराजमान होकर उनके संग होली खेल रहे हों। इस भव्य आयोजन में सबसे बड़ा आकर्षण श्याम बाबा का भव्य दरबार था, जिसे फूल-मालाओं और विभिन्न अलंकरणों से अद्भुत रूप से सजाया गया था।

झांकी की भव्यता, मनमोहक साज-सज्जा और भक्ति भाव से ओत-प्रोत वातावरण ने हर श्रद्धालु को अपने ओर आकर्षित किया। इस दरबार की विशेष सजावट में समिति के सदस्यों के साथ राजू माली का विशेष योगदान रहा। यात्रा मार्ग में समाजसेवी संगठनों द्वारा श्रद्धालुओं के लिए जलपान, फलाहार, चाय-नाश्ता एवं प्रसाद की विशेष व्यवस्था की गई थी। समिति ने इन समाजसेवियों को अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया और उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। भक्तों की आस्था और भक्ति का ऐसा भावनात्मक संगम था कि कोई भाव-विभोर होकर बाबा के भजनों पर झूम रहा था, तो कोई श्रद्धा से निशान को शीश नवाकर आगे बढ़ रहा था। हर ओर बस बाबा श्याम की भक्ति का रंग चढ़ा हुआ था। शोभायात्रा मार्ग में जगह-जगह बाबा की विशेष आरती की गई, पुष्पवर्षा से श्रद्धालुओं का स्वागत किया गया और रंगों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया गया। आतिशबाजी से पूरा माहौल रोशनी से जगमगा उठा और बाबा की महिमा का संदेश संपूर्ण नगर में गूंज उठा।श्रद्धालुओं ने अपने भाव प्रकट करते हुए कहा कि बाबा के चरणों में निशान अर्पित करने से सारे बिगड़े काम बन जाते हैं।

बाबा श्याम की कृपा से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और हर संकट टल जाता है। कई भक्तों ने कहा कि धार्मिक अनुष्ठानों से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और बाबा की भक्ति से जीवन में आनंद और शांति प्राप्त होती है। इस विशाल आयोजन को सफल बनाने में जन अधिकार मंच के अध्यक्ष रंजीत कुमार, सोनू सिंह, गोवर्धन मंडल, कर्ण महतो, रामनिवास अग्रवाल, सुभाष गोयल, राजेश अग्रवाल, पवन अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, रमेश शर्मा, प्रदीप करीवाला, प्रकाश अग्रवाल, अशोक गोयल, मेघराज गुप्ता, कुणाल, करण चौहान, शैलेश गोयल, पिंटू अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, श्यामसुंदर अग्रवाल, कमलेश अग्रवाल, आत्माराम करीवाला, अमित अग्रवाल, मंजू देवी, सीमा अग्रवाल, कुसुम गोयल, नीलम गोयल, किरण करीवाला, लीलावती देवी, रेशमी अग्रवाल, पिंकी अग्रवाल, अंकिता अग्रवाल समेत अनेक सामाजिक कार्यकर्ता एवं श्याम भक्तों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। सभी ने बाबा श्याम की कृपा और अनुकंपा का अनुभव किया और इस पावन अवसर पर बाबा की महिमा का गुणगान किया।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, शनिवार 01 मार्च 2025

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

सड़क हादसे में एलआईसी अभिकर्ता के इकलौते पुत्र की मौत

धनबाद। धनबाद के लोयाबाद इलाके में रहने वाले एलआईसी अभिकर्ता प्रहलाद महतो के इकलौते पुत्र की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। उनके बेटे शशांक कुमार शिवम की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। घर पहुंचते ही शव देखकर माता-पिता, छोटी बहन और भाई बेसुध हो गए। पूरे मोहल्ले में शोक की लहर दौड़ गई और लोग अपने आंसू नहीं रोक पा रहे थे। बताया जाता है कि मृतक शशांक कुमार शिवम बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची में वेटरनरी डॉक्टरी के अंतिम वर्ष का छात्र था। विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित एक शैक्षणिक यात्रा के दौरान वह कोयंबटूर गया था। मंगलवार की रात कोयंबटूर में हुए एक सड़क हादसे में उसकी जान चली गई। घटना के बाद उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बुधवार की देर रात शशांक का शव रांची एयरपोर्ट पहुंचा, जहां से उसे लोयाबाद स्थित उसके घर लाया गया। गुरुवार सुबह अंतिम संस्कार किया गया। शशांक के पड़ोसियों ने बताया कि वह बचपन से ही बहुत मेधावी और मृदुभाषी था। उसका असमय इस दुनिया से चले जाना पूरे इलाके के लिए एक बड़ी क्षति है। कृष्णा मल्लाह और सुरेश महतो जैसे पड़ोसियों ने कहा कि इस घटना से हर कोई स्तब्ध है और इसकी भरपाई कभी नहीं हो सकेगी।

धनबाद ने विधानसभा में चिकित्सा व्यवस्था को लेकर सरकार से मांगा जवाब

धनबाद। धनबाद विधायक राज सिन्हा ने झारखंड विधानसभा में धनबाद की चिकित्सा व्यवस्था को लेकर कई गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने सदन में कहा कि धनबाद के एसएनएमएमसीएच में जनऔषधि केंद्र डॉक्टरों की कमी के कारण बंद पड़ा है, जिससे धनबाद और आसपास के जिलों के मरीजों को भारी परेशानी हो रही है। इसके अलावा, उन्होंने धनबाद सदर अस्पताल में डे केयर सेंटर में दवाओं की अनुपलब्धता का मुद्दा भी उठाया और थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए विशिष्ट चिकित्सकों की नियुक्ति की मांग की। विधायक राज सिन्हा ने सदन में यह भी कहा कि राज्य सरकार ने 228 जनऔषधि केंद्र खोलने की योजना बनाई थी, लेकिन अब तक केवल 27 ही संचालित हो रहे हैं। उन्होंने सरकार से पूछा कि बाकी जनऔषधि केंद्रों की स्थापना कब तक पूरी होगी और आम लोगों को सस्ती दवाएं कब तक मिलेंगी। विधायक राज सिन्हा ने धनबाद जिले में शुद्ध पेयजल आपूर्ति की समस्या को भी सदन में उठाया और सरकार से जवाब मांगा कि जलापूर्ति योजनाएं अभी तक अधूरी क्यों हैं ? उन्होंने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की ताकि धनबाद की जनता को जल्द शुद्ध पानी मिल सके।

महाशिवरात्रि पर एग्यारकुंड दक्षिण पंचायत शिव मंदिर में डांस प्रतियोगिता का आयोजन

कुमारधुबी। महाशिवरात्रि के मौके पर कुमारधुबी स्थित एग्यारकुंड दक्षिण पंचायत के शिव मंदिर, निमडंगाल में डांस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्घाटन पंचायत के मुखिया अजय कुमार राम ने किया। उन्होंने बच्चों को उत्साहित करते हुए प्रतियोगिता की शुरूआत की। इस प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्ग के बच्चों ने शानदार डांस प्रस्तुत किए, जिनसे दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। प्रतियोगिता में बच्चों की शानदार प्रदर्शन ने सबका दिल जीत लिया। विजेताओं का चयन उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर किया गया, और उन्हें पुरस्कार भी प्रदान किए गए। प्रथम पुरस्कार मौसमी बाउरी को मिला, जबकि द्वितीय पुरस्कार बंदना मोदी, तृतीय पुरस्कार इंदु मोदी, चतुर्थ पुरस्कार रिया कुमारी और पंचम पुरस्कार राशी कुमारी को दिया गया। सभी विजेताओं को उनके पुरस्कार और सम्मान से नवाजा गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में कमेटी के अध्यक्ष मनोज राजवंशी और अन्य सदस्य गण मुन्ना बाउरी, उदय साव, बिक्कि पासवान, किसन बउरी, कपिल रबिदास, टिंकु प्रसाद, तुफान बउरी, विशाल बाउरी, अर्जुन बाउरी, जैकी राजवंशी, राजा बउरी, सुरेश रबिदास, जोगेंदर रबिदास, सागर मोदी, मानिक मोदी, करण मोदी, वीवेक बाउरी और अन्य ने सक्रिय रूप से सहयोग किया। इस कार्यक्रम ने महाशिवरात्रि के पर्व को और भी खास बना दिया और स्थानीय बच्चों के प्रदर्शन को एक नया मंच प्रदान किया।

वरिष्ठ पत्रकार मुकेश श्रीवास्तव की 13 वीं पुण्यतिथि मनाई गई

कुमारधुबी। निरसा चिरकुंडा अंचल पत्रकार संघ के तत्वावधान में शुक्रवार को निरसा प्रखंड कार्यालय परिसर में वरीय पत्रकार स्वर्गीय मुकेश श्रीवास्तव की 13 वीं पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर पत्रकारों और बुद्धिजीवियों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण किया और पुष्पांजलि अर्पित की। साथ ही दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति की कामना की। मुकेश श्रीवास्तव ने अपनी पत्रकारिता से समाज को नई दिशा दिखाई और उन्होंने हमेशा सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ अपनी कलम चलाई। वे न केवल एक समर्पित पत्रकार थे, बल्कि एक उत्कृष्ट क्रिकेट खिलाड़ी भी थे। उन्होंने जिला स्तर पर आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिताओं में भी भाग लिया था और पत्रकारिता के क्षेत्र में कई नए पत्रकारों को प्रेरित किया।कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार बी.के. सिंह ने कहा कि मुकेश श्रीवास्तव ने अपने लेखन से समाज में व्याप्त असमानताओं और कुरीतियों को उजागर किया और पत्रकारिता को एक नई दिशा दी।

अवैध जल संयोजन का भंडाफोड़, नगर निगम की बड़ी कार्रवाई

संवाददाता

धनबाद। धनबाद नगर निगम की इंफोर्समेंट टीम ने गुरुवार को देव विहार रेसीडेंसी, झारूडीह इलाके में अवैध जल संयोजन की जांच की। इस दौरान सात से आठ अपार्टमेंट में गड़बड़ी पाई गई। इसके अलावा, एक आवासीय परिसर में सप्लाई पानी से आरओ प्लांट संचालित किया जा रहा था, जिसकी जांच की गई। नगर निगम ने इन सभी मामलों में दोषी पाए गए लोगों को आवश्यक दस्तावेजों के साथ तलब किया है। जांच के दौरान झारूडीह में स्टैंड पोस्ट से कई घरों में अवैध रूप से पानी कनेक्शन दिए जाने का भी मामला सामने आया। नगर निगम के अधिकारियों के मुताबिक, अवैध जल संयोजन के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए पांच अलग-अलग टीमें गठित की गई हैं। पहले चरण में शहर के वार्ड नंबर 20 से 24 तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। नगर निगम ने यह भी स्पष्ट किया है कि अवैध जल संयोजन के अलावा जलकर बकायेदारों के खिलाफ झारखंड म्यूनिसिपल एक्ट के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। शहरी क्षेत्र में फिलहाल 38,000 वैध जल कनेक्शन हैं, लेकिन इनमें से केवल 22,000 उपभोक्ता ही नियमित रूप से जलकर का भुगतान कर रहे हैं। करीब 16,000 उपभोक्ता वर्षों से जलकर का भुगतान नहीं कर रहे हैं, जिससे नगर निगम को भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है। इस समस्या से निपटने के लिए निगम की ओर से सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। नगर निगम की ओर से जारी इस अभियान के तहत झारूडीह इलाके में कई स्थानों पर स्टैंड पोस्ट से घरों में अवैध तरीके से जलापूर्ति किए जाने का मामला भी उजागर हुआ है। अधिकारियों का कहना है कि दोषियों को जल्द ही नोटिस भेजा जाएगा और कानूनी प्रक्रिया के तहत कार्रवाई की जाएगी। इसी दौरान, कुम्हारपट्टी इलाके में सेप्टी टैंक का गंदा पानी सड़क पर बहाने का मामला भी सामने आया। स्थानीय नागरिकों की शिकायत पर जब जांच की गई, तो रणजीत कुमार नामक व्यक्ति को दोषी पाया गया। इसके बाद नगर निगम की ओर से उस पर दो हजार रुपये का जुमार्ना लगाया गया। फूड इंस्पेक्टर अनिल कुमार ने बताया कि क्षेत्र में सफाई व्यवस्था को लेकर सख्ती बरती जा रही है और किसी भी तरह की गंदगी फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अवैध कोयला कारोबार का खुलासा, आरोपी डमरू और प्राइवेट मुंशी पर शिकंजा

संवाददाता

धनबाद। धनबाद के जोगता थाना क्षेत्र में अवैध कोयला कारोबार का बड़ा खुलासा हुआ है। इस गोरखधंधे में डमरू नामक व्यक्ति और एक प्राइवेट मुंशी का नाम सामने आया है। सूत्रों के अनुसार, डमरू ने इस अवैध कारोबार को बड़े स्तर पर संचालित करने के लिए स्थानीय लोगों को अपने साथ मिला लिया है। उसने एक संगठित गिरोह तैयार कर लिया है, जो इस अवैध कारोबार को बढ़ावा दे रहा है। इस अवैध धंधे से डमरू को जल्द ही करोड़पति बनने का सपना है, लेकिन इसकी वजह से पूरे क्षेत्र की कानून-व्यवस्था पर खतरा मंडरा रहा है। स्थानीय लोग इस बात से परेशान हैं कि अगर इस तरह के काले कारोबार को पुलिस और अन्य प्रशासनिक संस्थाओं का संरक्षण मिलता रहा, तो न्याय व्यवस्था पर गंभीर चोट पहुंचेगी। इस मामले में कई सामाजिक संगठनों और स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से अविलंब कार्रवाई करने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि जल्द ही इस पर रोक नहीं लगाई गई, तो क्षेत्र में अपराध और भ्रष्टाचार को और बढ़ावा मिलेगा। धनबाद पुलिस और स्थानीय प्रशासन से उम्मीद की जा रही है कि इस अवैध कोयला कारोबार पर सख्त कार्रवाई की जाएगी और दोषियों को कड़ी सजा दी जाएगी। स्थानीय नागरिकों ने यह भी अपील की है कि इस मामले में संलिप्त सभी लोगों की जांच की जाए और कानूनी प्रक्रिया के तहत उनके खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएं।

तालाब की मिट्टी कटाई कर रेलवे को बेचने का आरोप, ग्रामीणों में आक्रोश

संवाददाता

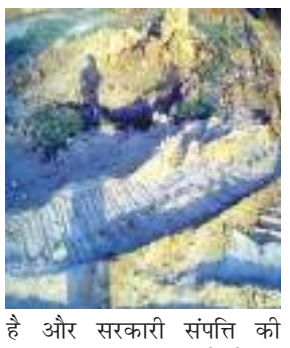

कतरास। कतरास के झींझी पहाड़ी पंचायत में स्थित बांका तालाब से अवैध रूप से मिट्टी कटाई का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि यह तालाब सरकारी संपत्ति है और इसे प्रत्येक वर्ष डाक विभाग द्वारा मछली पालन के लिए पट्टे पर दिया जाता है। लेकिन हाल ही में कुछ स्थानीय लोग तालाब की मिट्टी काटकर भारी मात्रा में रेलवे को बेच रहे हैं, जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, झींझी पहाड़ी पंचायत के मौजा बांका बांध स्थित प्लॉट संख्या 576 और 588 से लगातार मिट्टी निकाली जा रही है। यह न केवल अवैध कार्य है, बल्कि पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचा रहा है। इस मिट्टी की तस्करी से तालाब की सुरक्षा को खतरा पैदा हो गया है और सरकारी संपत्ति की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो गए हैं। जब इस मामले को लेकर रेलवे अधिकारी दीपक सिंह से पूछा गया तो उन्होंने स्वीकार किया कि तालाब की मिट्टी रेलवे को दी जा रही है और इसके पहले चरण का भुगतान किया जा चुका है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि दूसरे चरण की मिट्टी की कीमत अधिक मांगी जा रही है, जिस पर अभी विवाद चल रहा है। दूसरी ओर, बाघमारा अंचल अधिकारी बाल किशोर महतो ने इस मामले से अनभिज्ञता जाहिर करते हुए कहा कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं थी, लेकिन अब जब मामला सामने आया है, तो इसकी जांच करवाई जाएगी और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।इस घटना के बाद ग्रामीणों ने प्रशासन से इस अवैध कार्य पर तुरंत रोक लगाने की मांग की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि तालाब की मिट्टी की कटाई से उसके जलस्रोत पर प्रभाव पड़ेगा और इससे पर्यावरण संतुलन भी बिगड़ेगा। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही इस अवैध गतिविधि को रोका नहीं गया, तो वे आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। मामला गंभीर होने के कारण अब प्रशासन की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं और देखना होगा कि अधिकारी इस पर क्या कदम उठाते हैं।

मानहानि मामले में आरटीआई कार्यकर्ता ने बिल्डर अशोक चौरसिया को भेजा लीगल नोटिस

संवाददाता

कतरास। कतरास में हनुमंत नगर भूमि विवाद को लेकर आरटीआई कार्यकर्ता अरविंद सिन्हा और कतरास बिल्डकॉन प्राइवेट लिमिटेड के अशोक चौरसिया के बीच विवाद गहरा गया है। इस मामले में आरटीआई कार्यकर्ता अरविंद सिन्हा ने अपने वकील के माध्यम से अशोक चौरसिया को मानहानि का लीगल नोटिस भेजा है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब 21 फरवरी 2025 को अशोक चौरसिया ने एक प्रेसवार्ता आयोजित कर अरविंद सिन्हा पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि अरविंद सिन्हा आरटीआई कार्यकर्ता की आड़ लेकर स्थानीय कारोबारियों से अवैध रूप से पैसे वसूलते हैं और जब उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, तो वे अधिकारियों पर भी अनैतिक दबाव बनाते हैं। इस बयान के बाद आरटीआई कार्यकर्ता अरविंद सिन्हा ने इसे अपनी प्रतिष्ठा पर आघात बताते हुए कानूनी कार्रवाई का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि अशोक चौरसिया के इस सार्वजनिक बयान से उनकी छवि धूमिल हुई है और समाज में उनकी साख को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अगर उन पर लगाए गए आरोपों में कोई सच्चाई है, तो उन्हें प्रमाणित किया जाए। यदि वह किसी भी व्यक्ति से अवैध वसूली करने या अधिकारियों पर दबाव बनाने के दोषी पाए जाते हैं, तो इसके सबूत सामने लाए जाएं।अरविंद सिन्हा ने मांग की कि अशोक चौरसिया को अपने बयान के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। यदि वे ऐसा नहीं करते हैं, तो वह उनके खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज कराएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वह आरटीआई कार्यकर्ता के रूप में जनता के हित में काम करते हैं और इस तरह के आरोप उनकी साख को खराब करने के उद्देश्य से लगाए गए हैं। इस मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा गर्म हो गई है और अब देखना होगा कि अशोक चौरसिया इस पर क्या प्रतिक्रिया देते हैं।

कुमारधुबी-केएसजीएम कॉलेज में भौतिक प्रयोगशाला सहायक सुशील सेन को विदाई

संवाददाता

कुमारधुबी। कुमारधुबी स्थित केएसजीएम कॉलेज, निरसा में शुक्रवार को भौतिक प्रयोगशाला सहायक सुशील सेन को भावभीनी विदाई दी गई। यह अवसर कॉलेज के प्राचार्य कक्ष में आयोजित किया गया, जहां कॉलेज परिवार के सभी सदस्य उपस्थित थे। सुशील सेन का लगभग 40 वर्षों का कार्यकाल अत्यंत सराहनीय रहा, और इस दौरान उन्होंने कॉलेज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। विदाई समारोह में उन्हें शॉल ओढ़ाकर, माला पहनाकर और गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया गया। सभी ने उनके सुखमय और समृद्ध जीवन की कामना की। इस अवसर पर कॉलेज के प्रमुख शिक्षक और कर्मचारी उपस्थित थे, जिनमें प्रो० बी.वी. वर्मा, प्रो० एम. अंसारी, प्रो० उदय शंकर सिंह, प्रो० आर.के. मिश्रा, प्रो० के.के. सिंह, प्रो० सपन लायक, प्रो. सुभाष शाह, प्रो. सितेश शाह, प्रो. विभा कुमारी, प्रो० टिकट मांझी, प्रो० सत्येंद्र प्रसाद, प्रो० रमेश कुमार भट्ट, प्रो० रितेश तिवारी, प्रधान लिपि राजीव कुमार शर्मा, शिमांतो मंडल, मनजीत राय, धीरज मिश्रा, संगीता कुमारी, सुलेखा कुमारी, प्रीति सिंह, बिंदु कुमारी, अमित कुमार मंडल, बिल्टु पाल, निपिन मंडल, जनार्दन सिंह, अमित मंडल, गुहिराम मंडल, रीना तिवारी, अमीत कुमार पांडे, विद्युत मंडल, दुःखी दास, विशेश्वर मरांडी, किंकर मंडल, सोमेन मांझी, रिना मंडल, रीना तिवारी, रेखा बाउरी और पोबीर साधु सहित अन्य लोग शामिल थे। सुशील सेन की विदाई का यह अवसर सभी के लिए भावनात्मक और यादगार था, क्योंकि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान न केवल कॉलेज के छात्रों को बल्कि शिक्षकों और कर्मचारियों को भी एकजुट किया और उनकी प्रेरणा बनी।

जोगता नागरिक समिति ने मोदीडीह कोलियरी का चक्का जाम किया, कोयला परिवहन ठप

संवाददाता

कतरास। कतरास के जोगता नागरिक समिति द्वारा पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत मोदीडीह कोलियरी का चक्का जाम किया गया। इस आंदोलन में बड़ी संख्या में पुरुष और महिलाएं शामिल हुए। जोगता मोड़ से निकलकर सैकड़ों की संख्या में लोग मोदीडीह कोलियरी के कांटा घर पहुंचे और वहां धरना देकर बैठ गए। इस आंदोलन के चलते कोलियरी का सारा ट्रांसपोर्टिंग कार्य पूरी तरह से ठप हो गया। धरने की सूचना मिलते ही परियोजना पदाधिकारी गोपाल जी प्रसाद, थाना प्रभारी योगेंद्र कुमार, प्रबंधक दशरथ सिंह सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। वहां उन्होंने प्रदर्शनकारियों से बातचीत की और समस्या के समाधान के लिए 10 दिनों का समय मांगा। इस पर समिति ने सहमति जताते हुए स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि 10 दिनों के भीतर संतोषजनक कार्रवाई नहीं की गई, तो पूरे सिजुआ एरिया-5 का चक्का जाम कर दिया जाएगा। समिति ने यह भी कहा कि अगर आगे कोई बड़ा आंदोलन होता है, तो उसकी पूरी जवाबदेही प्रबंधन की होगी। इस आंदोलन में समिति के अध्यक्ष अनुज कुमार सिन्हा, सुरेश महतो, मनोज कुमार महतो, मजदूर नेता मानस चटर्जी, गीता सिंह, सुशील देवी, मोहम्मद आजाद, मंगल चौहान, मनु महतो, मोबिन भाई, हसिफ खान, श्रीधर पांडे, मुशरत प्रवीन, संतोष पासवान, बिंदुआ देवी, साया आलम, राजेश चौहान, मोहिन खान, विशाल सिन्हा, मोहम्मद अजगर, अजय चौहान सहित कई अन्य लोग मौजूद थे। आंदोलन को सफल बनाने के लिए प्रदर्शनकारियों ने एकजुटता दिखाई और प्रशासन पर दबाव बनाया।

तोपचांची के पेमिया ऋषिकेश इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में कैंपस ड्राइव

121 छात्रों को मिली नौकरी

संवाददाता

तोपचांची। तोपचांची स्थित पेमिया ऋषिकेश इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में लगातार चल रहे कैंपस प्लेसमेंट कार्यक्रम के तहत आज टाटा प्रेस्टोलाइट लिमिटेड, फोरविया प्राइवेट लिमिटेड और तकशी ऑटो लिमिटेड ने प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया। इस कैंपस ड्राइव में मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल विभाग के कुल 180 छात्रों ने भाग लिया, जिनमें से 121 छात्रों का चयन विभिन्न कंपनियों में हुआ। टाटा प्रेस्टोलाइट लिमिटेड ने इलेक्ट्रिकल और मैकेनिकल के 59 छात्रों का चयन किया, जबकि फोरविया प्राइवेट लिमिटेड में मैकेनिकल के 31 छात्रों को नौकरी मिली। इसके अलावा, तकशी ऑटो लिमिटेड ने भी 31 छात्रों का चयन किया। कॉलेज के चेयरमैन और टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने सभी चयनित छात्रों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ० विवेक कुमार, मैनेजमेंट हेड राजकुमार महतो, ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट इंचार्ज संदीप कुमार महतो, इलेक्ट्रिकल विभाग के एचओडी अनूप कुमार महतो, मैकेनिकल विभाग के एचओडी प्रेमचंद महतो सहित कई अन्य शिक्षक उपस्थित रहे। कॉलेज प्रशासन ने छात्रों को प्लेसमेंट के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आगे भी इसी तरह कैंपस प्लेसमेंट जारी रहेगा, जिससे अधिक से अधिक छात्रों को रोजगार के अवसर मिल सकें।

बैठक रांची राजभवन घेराव की रणनीति बनी

सरकार की नीतियों पर छात्रों का आक्रोश

संवाददाता

धनबाद। झारखंड में छात्र-युवा संगठनों ने राज्य सरकार की नीतियों के खिलाफ बड़ा आंदोलन छेड़ने की तैयारी कर ली है। राजधानी रांची में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में यह निर्णय लिया गया कि आगामी 11 मार्च को राजभवन का घेराव किया जाएगा। बैठक में सरकार की नीतियों पर गहरा असंतोष जाहिर किया गया और कई अहम मांगें उठाई गईं। छात्रों ने मांग की कि झारखंड में स्थानीयता एवं नियोजन नीति को अविलंब लागू किया जाए ताकि यहां के युवाओं को नौकरियों में प्राथमिकता मिले। इसके अलावा, बार-बार हो रहे पेपर लीक की घटनाओं पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की गई, ताकि छात्रों का भविष्य सुरक्षित हो सके। बैठक में छात्र संघ चुनाव को बहाल करने की भी जोरदार मांग उठाई गई। वक्ताओं ने कहा कि झारखंड के सभी प्रखंडों में डिग्री कॉलेज एवं छात्रावासों की स्थापना होनी चाहिए, ताकि गरीब एवं ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने में कोई बाधा न हो। इसके साथ ही, विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में सत्र नियमित करने और छात्रवृत्ति योजनाओं का सही तरीके से और समय पर संचालन सुनिश्चित करने की मांग की गई। बैठक में सरकार की बेरोजगार विरोधी नीतियों की कड़ी आलोचना की गई और सभी विभागों में रिक्त पदों पर अविलंब नियुक्ति की मांग रखी गई। साथ ही, नेत्रहीन एवं दिव्यांग छात्रों के लिए निशुल्क शिक्षा की व्यवस्था करने और झारखंड में एक खेल अकादमी स्थापित करने की मांग भी रखी गई। छात्रों ने सरकार से यह भी कहा कि छात्र आंदोलनों के दौरान दर्ज किए गए मुकदमों को अविलंब वापस लिया जाए, ताकि आंदोलनकारी छात्रों को न्याय मिल सके। इस महत्वपूर्ण बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में आइसा के राज्य सचिव त्रिलोकी नाथ उपस्थित रहे। उन्होंने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर छात्रों और युवाओं की मांगों को अनसुना किया गया, तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। बैठक में चंदन कुमार, अर्जुन महतो, अरविंद महतो, गौतम महतो, देवाशीष पांडे, राकेश कुमार सहित कई अन्य छात्र नेता मौजूद रहे। सभी ने एकजुट होकर 11 मार्च को रांची राजभवन घेराव को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लिया।

मुख्यमंत्री असाध्य रोग योजना पर विधायक शत्रुघ्न महतो का सरकार पर हमला

संवाददाता

धनबाद। झारखंड विधानसभा में बाघमारा के विधायक शत्रुघ्न महतो ने मुख्यमंत्री असाध्य रोग योजना की जमीनी हकीकत पर बड़ा सवाल उठाया और सरकार के दावों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि सरकार कह रही है कि इस योजना के तहत कई करोड़ रुपये मरीजों को वितरित किए गए हैं और एक-एक मरीज को पांच लाख रुपये तक की सहायता दी गई है, लेकिन वास्तविकता इससे बिल्कुल अलग है। विधायक शत्रुघ्न महतो ने कहा कि यह योजना केवल कागजों में सिमटी हुई है, जबकि जमीनी स्तर पर इसका लाभ जरूरतमंदों तक नहीं पहुंच रहा है। उन्होंने खासतौर पर अपने विधानसभा क्षेत्र बाघमारा का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां के सिविल सर्जन के पास कई फाइलें लंबित पड़ी हैं और मरीज महीनों से सहायता राशि का इंतजार कर रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने जब सदन में सरकार का पक्ष रखते हुए योजना के सफल क्रियान्वयन का दावा किया, तो विधायक महतो ने उन्हें कड़ी चुनौती दे दी। उन्होंने सदन में ही स्वास्थ्य मंत्री को कहा कि वे धनबाद के सिविल सर्जन से फोन कर पूछ लें कि मरीजों को योजना का लाभ मिला है या नहीं। विवाद बढ़ने के बाद स्वास्थ्य मंत्री ने सफाई दी और आश्वासन दिया कि अगर बिना ठोस कारण के मरीजों की फाइलें लंबित रखी गई हैं, तो दोषी अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई होगी और जरूरतमंदों को जल्द सहायता राशि दी जाएगी। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो ने सरकार को निर्देश दिया कि वह तत्काल स्थिति की जांच करे और सुनिश्चित करे कि इस योजना का लाभ सही तरीके से जरूरतमंदों तक पहुंचे। विधायक शत्रुघ्न महतो के इस मुखर रुख से बाघमारा की जनता में उनकी छवि और मजबूत हुई है। क्षेत्र के लोग उम्मीद कर रहे हैं कि सरकार इस बार उनकी आवाज सुनेगी और असाध्य रोग योजना का लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंचेगा।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, शनिवार 01 मार्च 2025

संपादकीय

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

सुभाषितम्

क्रोध में मनुष्य अपने मन की बात नहीं कहता, वह केवल दूसरों का दिल दुखाना चाहता है। - प्रेमचंद

शून्य भेदभाव अभियान मिसाल नहीं, मशाल बनें

दुनिया में भेदभाव की ऊंची-ऊंची दीवारों पर अमानवीयता, छूआछूत, अन्याय, शोषण, उत्पीड़न के काले अध्याय लिखे हैं, इनके खिलाफ लड़ाई के लिए बहुआयामी, उदार एवं मानवीय दृष्टिकोण की आवश्यकता है जो मूल कारणों एवं जड़ों पर प्रहार करते हुए सामाजिक-राजनैतिक मानदंडों को चुनौती दे और पहचान के विभिन्न आयामों में समावेशिता और समानता को बढ़ावा दे। भेदभाव के विभिन्न रूपों के बारे में जागरूकता और समझ को बढ़ावा देकर, हम सभी के लिए एक अधिक न्यायपूर्ण और समतापूर्ण दुनिया बनाने की दिशा में काम कर सकते हैं। इसी उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र (यूएन) और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों द्वारा प्रत्येक वर्ष 1 मार्च शून्य भेदभाव दिवस मनाया जाता है, जो कोई प्रतीकात्मक उत्सव नहीं है, बल्कि सीमाओं, संस्कृतियों और समुदायों के बीच समानता की एक शक्तिशाली घोषणा है, इसे मिसाल नहीं, मशाल बनाना होगा। यह निष्पक्षता, समानता और सभी के लिए सम्मान के लिए लड़ने की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। शून्य भेदभाव दिवस-2025 की थीम है 'हम एक साथ खड़े हैं।' इसके द्वारा जातिवाद, रंगवाद, नस्लवाद, भाषावाद आदि विषमता एवं विसंगतिमूलक व्यवस्थाओं एवं सोच की जड़े हिलाई गयी है। दुनियाभर में इस क्रांतिकारी अभियान का मुक्तभाव से स्वागत हो रहा है।

इक्कींसवी सदी का आदमी हवा में उड़ने लगा है, चांद पर चहलकदमी करने लगा है, ग्रह-नक्षत्रों की दुनिया में झांकने लगा है, यंत्र मानव का निर्माण करने लगा है, अपनी अधिकांश समस्याओं का समाधान कम्प्यूटर-कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) से पाने लगा है, लेकिन इंसान इंसान के बीच के भेदभाव को मिटाने की दिशा में अभी भी यथोचित सफलता नहीं मिली है। यही कारण है कि नस्लीय, लैंगिक, जातीय, भाषायी भेदभाव खड़े हैं। नस्लीय भेदभाव एक गहरा मुद्दा बना हुआ है जो अल्पसंख्यक समूहों को प्रभावित करता है। रूढ़िवादिता, पूर्वाग्रह और प्रणालीगत नस्लवाद असमान अवसरों, संसाधनों तक सीमित पहुंच और शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवा में व्यापक असमानताओं का बड़ा कारण हैं। इसी तरह लैंगिक पूर्वाग्रह और रूढ़िवादिता भेदभाव को बढ़ावा देती है, जिससे महिलाओं को अक्सर वेतन में अंतर, सीमित करियर उन्नति और सामाजिक अपेक्षाओं का सामना करना पड़ता है जो उन्हें पारंपरिक भूमिकाओं तक सीमित कर देती हैं, जिससे उनकी स्वतंत्रता और क्षमता सीमित हो जाती है। उम्र के आधार पर भेदभाव युवा और बुजुर्ग दोनों को प्रभावित करता है। विभिन्न अध्ययनों और रिपोर्टों से वैश्विक स्तर पर संस्कृतियों एवं समाजों में भेदभाव के बारे में चिंताजनक आंकड़े मिलते है। भेदभाव के दुष्परिणाम व्यक्तिगत अनुभवों से कहीं आगे तक फैले हुए हैं, जो पूरे समुदाय को नकारात्मक रूप से प्रभावित करते हैं। भेदभाव सामाजिक और आर्थिक असमानताओं को बढ़ावा देता है, जिससे पीढ़ियों तक नुकसान का चक्र चलता रहता है। जैसे-जैसे शून्य भेदभाव दिवस आंदोलन ने गति पकड़ी, भेदभाव के खिलाफ लड़ाई में मील के पत्थर हासिल होते गए, जिससे अधिक समावेशी भविष्य की उम्मीद जगी है।

महात्मा गांधी ने भारत में भेदभाव, ऊंच-नीच, छूआछूत की अमानवीता को न केवल धोया, बल्कि एक अधिक समानता एवं समतापूर्ण आदर्श-समाज व्यवस्था की नींव रखी। अगर गांधी ने अछूतोद्धार आन्दोलन नहीं चलाया होता, उनके कल्याण के लिए संघर्ष नहीं किया होता, उनकी बस्ती मे उनके साथ जाकर नहीं रहे होते तो ये हरिजन आज हीन एवं दीन ही बने रहते। जब गांधी के गुजरात का प्रमुख शहर, हीरों का विश्वभर में निर्यात करने वाला सूरत गन्दगी से सड़कर 'प्लेग' से जूझ रहा था, तब देश के सबसे बड़े प्रान्त उत्तर प्रदेश में आन्दोलनकारियों पर गोली चलाई गई। जिसने राजघाट में सोयी उस आत्मा को पीड़ा से भर दिया। गांधी ने एक मुट्ठी भर नमक उठाया और करोड़ों लोगों ने मुट्ठियां तान दी थीं। चर्खे पर खादी का धागा काता और विदेशी कपड़ों की होली हर चौराहे पर जला दी। 'करो या मरो' का नारा दिया और कितने ही वकील, डॉक्टर, अध्यापक, व्यापारी अपना पेशा छोड़कर मैदान में कूद पड़े। ऐसा चरित्र आज कहां? उनका व्यक्तित्व सुन्दर चमड़ी का नहीं था, उनकी छवि विदेशी कपड़ों से नहीं थी, उनके विचार आयात किए हुए नहीं थे। एक दुबला, पतला, लंगोटीधारी, जो भारत की धरती के लोगों के हृदय की भाषा बोलता था और इंसान इंसान को बांटने वाली हर दीवार को और हर भेदभाव को मिटाता चला गया। आज तो नेता समस्याओं को सड़ा रहे हैं- समाधान नहीं दे रहे हैं। लोगों का विश्वास टूट रहा है। भेदभाव के खिलाफ लड़ाई गांधी जैसे अनेक विश्व व्यक्तित्वों के अथक प्रयासों से प्रेरित हैं, जिनकी न्याय और समानता के प्रति प्रतिबद्धता ने वैश्विक मंच पर एक अमिट छाप छोड़ी है। उन्होंने सामाजिक मानदंडों को चुनौती देने, हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए आवाज उठाने और बदलाव को प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ऐसी ही एक प्रतिष्ठित हस्ती हैं नेल्सन मंडेला, जिनकी दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद को खत्म करने के लिए आजीवन प्रतिबद्धता उत्पीड़न के खिलाफ लचीलेपन का प्रतीक है। मानव और मानव के बीच में जो भेद की दीवारें खड़ी हैं, उनको ढहाना होगा, और इसके लिए शून्य भेदभाव दिवस जैसे विश्व अभियान को अधिक सशक्त, कार्यकारी एवं सक्रिय करने की आवश्यकता है।

महाकुंभ : स्मरण और विस्मरण के पार जाती सभ्यता की खनक

गिरीश्वर मिश्र

धरती पर अमृत कलश छलकता रहा और उसके अनुभव को मन भर संजोने की साध के साथ जन समुदाय तत्पर और समर्पित रहा। महा-शिवरात्रि के पावन दिवस पर संगम पर आयोजित महाकुंभ के संपन्न होने के साथ हम सब विश्व के अद्भुत और अविश्वसनीय आयोजन के साक्षी बने। गंगा तट पर बालुका की सतह पर एक विशाल नगर को निर्मित कर लम्बे समय तक सभी जरूरी सुविधाएं मुहैया करते रहना आसान न था। इतने बड़े जन समुदाय की एक स्थल पर अभूतपूर्व उपस्थिति के निश्चय ही भौतिक, सामाजिक, आर्थिक, आध्यात्मिक आशय और प्रभाव थे जो सिर्फ. प्रयागराज तक कदापि सीमित न थे। उनका प्रभाव पूरे भारत पर था और देश के बाहर भी पड़ा। ये प्रभाव अल्पकाल ही नहीं दीर्घकाल तक प्रभावी बने रहेंगे। यह आयोजन भारत के गौरव को प्रतिष्ठित करने वाला सिद्ध हुआ।

भारत की सांस्कृतिक जीवन यात्रा का यह विलक्षण पड़ाव था, जिसमें केंद्र सरकार और प्रदेश सरकार दोनों की भागीदारी थी। आधे भारत की जनसंख्या को समेट सकने वाले इस आयोजन की चुनौतियां भी कम न थीं। इस दृष्टि से बहुत से प्रबंध हाईटेक के ज़िम्मे थे। परिवहन, भोजन, आवास और यातायात को लंबे समय तक नियंत्रित और व्यवस्थित बनाए रखना बड़ी चुनौती थी। ट्रेनों की अतिरिक्त व्यवस्था भी अपर्याप्त साबित हो रही थी। हवाई जहाज का किराया बहुत बढ़ गया था पर तिस पर उसकी उपलब्धता मुश्किल थी। समर्थ लोग ज्यादातर अपने वाहन से संगम पहुंच रहे थे।

मेला-क्षेत्र में नियंत्रण बनाए रखने के लिए कई ऐसे कदम भी उठाए गए जो आमजनों के लिए कष्टदायी थे। इसके चलते दूर-दूर पार्किंग की व्यवस्था की गई थी और इसका लोगों ने नाजायज फायदा भी उठाया। पार्किंग से मेला क्षेत्र और स्नान के लिए बाइक पर श्रद्धालुओं को ले जाना और वापस लाना खचीर्ला था पर अशक्त तथा शीघ्रता से स्नान-विधि पूरा करने को व्यग्र लोगों के लिए यह खर्च करना ही होता था। इसी तरह पेयजल की बोतल खूब मंहगी बिकी। दैनिक प्रयोग की सामग्रियों को भी मंहगी दर पर बेच कर मुनाफा कमाया गया।

धर्म और आध्यात्म के कई चमकीले और भड़कीले रंग भी दिखे। नागा, अघोरी, शैव, वैष्णव और विभिन्न मत-मतांतरों का अनुसरण लेने वाले साधु-संत अंततः आत्मचिंतन और आत्मोन्नयन की ओर ही उन्मुख होने की अपील करते रहे। उसके लिए गायन-वादन के साथ आध्यात्मिक परिवेश भी बनाया जा रहा था। उपस्थित जनसमूह में भाषा-भेद भी थे पर सभी आस्था की भाषा से आलोकित हो रहे थे। अखाड़े और उनकी पेशवाई के अवसर लोगों के लिए कौतूहल के कारण बन रहे थे। हर वर्ग, जाति, क्षेत्र और आयु के लोगों के लिए एक विलक्षण अवसर था जब सभी अपनी निजी अस्मिता और अलग पहचान छोड़ एक साझा अनुभव का हिस्सा हो रहे थे।

गंगा मैया में डुबकी लगाने की साध लिए बालक, युवा और वृद्ध सबमें अदम्य उत्साह देखने को मिला जिसकी बदौलत तमाम दुश्वारियों के बीच इतना बड़ा आयोजन हो सका। सरकारी अमले के उपर बड़ी जिम्मेदारी थी और उसने निभाई भी हालाँकि व्यवस्था की चूक भी कुछ अवसरों पर हुई जिसके चलते श्रद्धालुओं को कष्ट हुआ और दुखद प्राण-हानि की घटनाएँ भी हुईं। इनसे सीख कर भविष्य के लिए तैयारी जरूरी है जो सरल नहीं है।

यह आयोजन प्रयागवासियों के धैर्य की भी परीक्षा थी जब डेढ़ महीने तक सामान्य जीवन पर अंकुश लगे थे और आमजन को अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ा। वीआईपी सबसे ऊपर रहे और उनकी देखभाल सब पर भारी थी। उसने बार-बार आमजनों को कष्ट दिया। संगम में जहां आम जनों का संगम हो रहा था वहीं राजनीतिक पार्टियों में सत्ता पक्ष और विपक्ष की तनातनी भी उभर कर सामने आती रही। लोक मन की उदारता से जाने कब ये दल सीख सकेंगे और दर्प तथा अहंकार की बर्फ.पिघल सकेगी।

इतने बड़े मेले को सफलतापूर्वक आयोजित करना सरल न था। इसके लिए लंबी तैयारी, संसाधन जुटाना और स्वास्थ्य, नागरिक सुविधा, यातायात व्यवस्था को चाक- चौबंद बनाए रखना बड़ी चुनौती थी। यह सब बड़े पैमाने पर हुआ और लोगों ने सहयोग किया। समूह मन कैसे कम करता है और किस तरह आमजन अपने-अपने सच को गढ़ते हैं, इसका अंदाजा संगम क्षेत्र से छन कर आ रही उन किस्से-कहानियों से झलकता है जिसमें गंगा स्नान से अपने को नया करने और अपनी आस्था और निष्ठा को जीवंत करने की चेष्टा थी। एक अदम्य, उत्कट जिजीविषा और संकल्प के साथ असंख्य लोग जिस रूप में उपस्थित थे वहाँ एक सभ्यता शब्दों से अधिक भाव और कर्म में स्वयं को प्रमाणित करती दिख रही थी। वहां उमड़ता अपार जन समुद्र एक ही आकांक्षा को लेकर आगे बढ़ रहा था कि मां गंगा का स्पर्श हो, उसके छींटे पड़ें और मन तृप्त हो जाए।

इस क्षण के लिए लोगों ने बहुत सारी मुश्किलों का सामना किया पर वे सबकी सब डुबकी लगाते ही झट से काफूर हो गईं। लोगों को अपने अस्तित्व का मानों नया संस्करण मिल गया हो। साधु, संत, संन्यासी, गृहस्थ, भिखारी, धनाढ्य हर कोई एक ही साध के साथ गंगा के निकट और संगम क्षेत्र में जुटा था। गंगा स्नान के अवसर पर सभी एक ही भाव-धारा के अंश थे। देश का यह ऐक्य बोध एक बड़ी थाती है और लोगों के मन में अभी भी विराज रही धर्म-बुद्धि के महत्व को उजागर करती है। इसकी ऊर्जा का राष्ट्र के विकास में सार्थक निवेश होना चाहिए।

(लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।)

क्रूरता का रूप ले रही रैगिंग पर नियंत्रण जरूरी

प्रियंका सौरभ

भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों में वर्षों से रैगिंग एक गंभीर बदमाशी और उत्पीड़न की समस्या रही है, जिसके परिणामस्वरूप अक्सर मनोवैज्ञानिक आघात, आत्महत्या और यहाँ तक कि हत्या जैसे हिंसक अपराध भी होते हैं। सुप्रीम कोर्ट के आदेशों और 2009 से यूजीसी के एंटी-रैगिंग नियमों के बावजूद घटनाएं जारी हैं। 2012 और 2023 के बीच रैगिंग के कारण 78 छात्रों की मौत इस समस्या के भयावह चेहरे को सामने रखती है।

भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों में मुख्य रूप से सामाजिक-सांस्कृतिक कारकों की वजह से रैगिंग होती है। भारतीय सामाजिक संरचनाओं द्वारा सुदृढ़ कठोर पदानुक्रम में वरिष्ठ छात्र कनिष्ठों पर अपना प्रभुत्व जताते हैं। यह इंजीनियरिंग कॉलेजों में शक्ति-आधारित सामाजिक व्यवस्था को मजबूत करता है जब वरिष्ठ जूनियर से अपमानजनक कार्य करवाते हैं।

आक्रामकता का महिमामंडन करने वाली अति-पुरुषवादी संस्कृति छात्रों को रैगिंग की परंपराओं का पालन करने के लिए मजबूर करती है। मेडिकल संस्थानों में छात्रों को 'लचीला बनाने' के नाम पर धीरज-आधारित असाइनमेंट पूरा करने के लिए मजबूर किया जाता है। कई उच्च शिक्षा संस्थान अत्यधिक हिंसा होने तक हस्तक्षेप को हतोत्साहित करते हैं क्योंकि वे रैगिंग को दीक्षा अनुष्ठान की तरह देखते हैं। साल 2023 में जादवपुर विश्वविद्यालय में रैगिंग को 'बॉन्डिंग प्रक्रिया' के रूप में लिखा गया था, जिसके परिणामस्वरूप एक छात्र की असामयिक मृत्यु हो गई। प्रतिशोध का डर, प्रभावी गवाह सुरक्षा की कमी और सामाजिक कलंक, पीड़ितों को रैगिंग की रिपोर्ट करने से अनिच्छुक बनाते हैं।

रैगिंग को प्रभावी ढंग से खत्म करने के लिए सख्त और त्वरित दंड आवश्यक है। संभावित रैगर्स को हतोत्साहित करने के लिए सुनिश्चित करें कि तत्काल निष्कासन, कानूनी मुकदमा और उसे ब्लैकलिस्ट करने जैसी कार्रवाई की जाए। खुली निगरानी के साथ एक निजी ऑनलाइन शिकायत पोर्टल स्थापित करने की जरूरत है। पारदर्शी जवाबदेही के साथ विश्वविद्यालय अनुदान आयोग हेल्पलाइन का नया संस्करण आवश्यक है क्योंकि वर्तमान हेल्पलाइन पर्याप्त तेजी से प्रतिक्रिया नहीं देती है। अनिवार्य कार्यशालाओं, संवेदनशीलता अभियानों और मेंटरशिप कार्यक्रमों को लागू करके सकारात्मक वरिष्ठ-जूनियर सम्बंधों को प्रोत्साहित करें। एम्स दिल्ली रैगिंग के मामलों को नियंत्रित रखता है और नए छात्रों को परामर्श सत्र देकर एक सहायक संस्कृति को बढ़ावा देता है। संभावित मुद्दों को अधिक गंभीर होने से पहले पहचानने के लिए व्यवहार ट्रैकिंग, सरप्राइज चेक और छात्रावासों में सीसीटीवी लगाने का उपयोग करें। आईआईटी मद्रास ने सीसीटीवी निगरानी और छात्र प्रोफाइलिंग का उपयोग करके रैगिंग की घटनाओं की संख्या में उल्लेखनीय कमी की है।

रैगिंग की समस्या का कोई एकल, सार्वभौमिक रूप से लागू समाधान नहीं है। शैक्षणिक संस्थानों, छात्रों और बड़े पैमाने पर समाज के लिए एक सुरक्षित और देखभाल करने वाला वातावरण स्थापित करने के लिए मिलकर काम करना महत्त्वपूर्ण है। रैगिंग खत्म करने के लिए बहुआयामी रणनीति, कठोर कानूनी सुरक्षा और त्वरित दंडात्मक कार्रवाई की जरूरत है। संस्थागत जवाबदेही और प्रौद्योगिकी-संचालित निगरानी यह गारंटी देगी कि उच्च शिक्षा संस्थान भय के बजाय सुरक्षा, समावेशिता और समग्र विकास के स्थान हैं।

यूजीसी को उन संस्थानों के खिलाफ खंड 9.4 का उपयोग करना चाहिए जो इससे संबंधित नियमों का कड़ाई से पालन नहीं करते। अपराधियों को कड़ी सजा मिले, इसकी गारंटी के लिए फास्ट-ट्रैक ट्रायल और पुलिस सत्यापन जरूरी है। छात्रावासों में सीसीटीवी लगाए जाने चाहिए जो एआई-आधारित चेहरे की पहचान का उपयोग करते हैं। पीड़ितों की सुरक्षा के लिए एक डिजिटल आईडी-आधारित ट्रैकिंग सिस्टम लागू किया जाना चाहिए। मनोवैज्ञानिक परामर्श और एंटी-रैगिंग कार्यशालाओं को लागू करना अनिवार्य होना चाहिए। छात्र मेंटरशिप कार्यक्रमों द्वारा एक समावेशी संस्कृति को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। यूजीसी हेल्पलाइन की प्रतिक्रिया समय और पहुंच में सुधार की आवश्यकता है। ऐसे डिजिटल शिकायत पोर्टल होने चाहिए जो गुमनाम हों और सीधे पुलिस अलर्ट प्रदान करें।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

महिलाओं का पुरुषों की कमाई पर अधिकार, एक आध्यात्मिक और सामाजिक परिप्रेक्ष्य

विनय कुमार तिवारी

हमारे समाज में यह धारणा गहराई से जमी हुई है कि घर की महिलाएं पुरुषों की कमाई पर पूर्ण अधिकार चाहती हैं। यह विचार केवल आर्थिक संदर्भ तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे गहरे आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और मनोवैज्ञानिक कारण भी छिपे हुए हैं। यदि हम इसका विश्लेषण करें, तो पाएंगे कि यह व्यवहार सृष्टि की प्रकृति से ही जुड़ा हुआ है। सृष्टि की शुरूआत आदि शक्ति, यानी जगदम्बा से मानी जाती है, जो समस्त सृजन की मूल हैं। जब सृजन की बात आती है, तो महिलाएं इस प्रक्रिया का केंद्र बिंदु बनती हैं। उनका स्वभाव, उनकी प्रवृत्ति और उनकी भूमिका ही उन्हें परिवार और समाज की धुरी बनाती है। इसी कारण, वे परिवार की भलाई और सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए आर्थिक नियंत्रण अपने हाथ में रखना चाहती हैं। आध्यात्मिक दृष्टि से देखें तो पुरुष को शक्ति का आधार माना जाता है, लेकिन उसे क्रियाशील बनाने वाली शक्ति स्वयं नारी ही होती है। भारतीय दर्शन में 'शिव' को शक्ति के बिना शव माना गया है, यानी बिना नारी शक्ति के पुरुष का अस्तित्व अधूरा है। महिलाएं जन्म से ही पालन-पोषण और समग्र देखभाल की भावना से भरी होती हैं। उनके अंदर एक प्राकृतिक प्रवृत्ति होती है कि वे अपने परिवार की आवश्यकताओं को प्राथमिकता दें और सभी संसाधनों का इस प्रकार प्रबंधन करें कि पूरे परिवार को सुरक्षा और स्थिरता मिल सके। पुरुष पर आर्थिक निर्भरता का यह भाव केवल अधिकार की भावना से नहीं आता, बल्कि यह प्रकृति प्रदत्त एक सहज प्रवृत्ति है जो उन्हें परिवार का केंद्र बनाती है। सांस्कृतिक रूप से भारतीय समाज में महिलाओं की भूमिका सदियों से परिवार के प्रबंधन और समुचित संचालन की रही है।

पुरुष कमाने और संसाधन जुटाने का कार्य करता है, जबकि महिला इन संसाधनों का उचित उपयोग सुनिश्चित करती है। पारंपरिक रूप से, भारतीय समाज में गृहिणी की भूमिका को अत्यधिक महत्वपूर्ण माना गया है क्योंकि वह घर के बजट से लेकर बच्चों की शिक्षा, सामाजिक रिश्तों और पारिवारिक निर्णयों तक हर क्षेत्र में अपनी प्रभावी भागीदारी निभाती है। यही कारण है कि पुरुष की कमाई पर महिला का अधिकार केवल आर्थिक नहीं, बल्कि परिवार की समग्र देखभाल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी महिलाएं सुरक्षा और स्थिरता की भावना को अधिक महत्व देती हैं। वे अपने परिवार को आर्थिक अस्थिरता से बचाने के लिए संसाधनों को नियंत्रित करने की स्वाभाविक इच्छा रखती हैं। यदि महिलाएं आर्थिक मामलों में सक्रिय भूमिका निभाती हैं तो उन्हें आत्मविश्वास और मानसिक संतोष प्राप्त होता है। इससे वे परिवार की भलाई के लिए और अधिक समर्पित होकर कार्य कर पाती हैं।

समय के साथ समाज में परिवर्तन आया है और अब महिलाएं न केवल परिवार का प्रबंधन कर रही हैं, बल्कि वे स्वयं भी कार्यक्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। उनकी आर्थिक स्वतंत्रता बढ़ी है, लेकिन इसके बावजूद, पारिवारिक निर्णयों में उनकी भूमिका और आर्थिक मामलों में उनकी सहभागिता उतनी ही महत्वपूर्ण बनी हुई है। वे परिवार के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए वित्तीय मामलों में सतर्क रहती हैं और यह सुनिश्चित करती हैं कि घर की आवश्यकताएं पूरी हों। इसके अलावा, परिवार में महिलाओं का पुरुषों की कमाई पर नियंत्रण एक गहरे सामाजिक मनोविज्ञान का हिस्सा भी है। यह केवल धन संचय का विषय नहीं है, बल्कि इससे महिलाओं को आत्मसंतुष्टि और भावनात्मक सुरक्षा भी मिलती है। जब एक महिला अपने पति की कमाई को नियंत्रित करती है, तो यह केवल व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं होता, बल्कि पूरे परिवार के हित में होता है। यह प्रवृत्ति सदियों से चली आ रही है, जहां महिलाएं वित्तीय और पारिवारिक निर्णयों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही हैं। आधुनिक समय में, जहां महिलाएं भी कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं, वहां आर्थिक संतुलन एक नई दिशा ले रहा है। अब पति-पत्नी दोनों मिलकर परिवार के वित्तीय प्रबंधन में योगदान दे रहे हैं, लेकिन पारिवारिक निर्णयों में महिलाओं की प्रमुख भूमिका अभी भी बनी हुई है। वे भविष्य की योजनाओं, निवेश और बचत को नियंत्रित करती हैं ताकि परिवार की स्थिरता बनी रहे। यही कारण है कि भले ही समाज बदल रहा हो, लेकिन महिलाओं की यह भूमिका अपरिवर्तित बनी हुई है।

महिलाओं का पुरुषों की कमाई पर नियंत्रण की इच्छा केवल अधिकार का विषय नहीं है, बल्कि इसके मूल में परिवार की सुरक्षा, संतुलन और समृद्धि की भावना निहित है। यह प्रवृत्ति केवल आर्थिक नियंत्रण नहीं, बल्कि समाज में संतुलन और सामंजस्य बनाए रखने की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। यदि परिवार को एक सशक्त इकाई के रूप में विकसित करना है, तो महिलाओं की इस भूमिका को समझना और स्वीकार करना आवश्यक है। वे केवल घर की अर्थव्यवस्था नहीं संभालतीं, बल्कि परिवार की स्थिरता और भविष्य की नींव भी तैयार करती हैं। इसी कारण, यह विषय केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक और आध्यात्मिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है।

आज का राशिफल

मेष : कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी।

वृष : अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे।

मिथुन : कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है।

कर्क : कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुखदायी समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी।

सिंह : रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा।

कन्या : धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे।

तुला : पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे।

वृश्चिक : अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा।

धनु : हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। परिवारजन का सहयोग काम को बनाना आसान करेगा।

मकर : परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा।

कुंभ : विद्यार्थियों को लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। नैतिक दायरे में रहें।

मीन : शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, शनिवार 01 मार्च 2025

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

सेवानिवृत शिक्षकों और कर्मचारियों का हुआ सम्मान

हजारीबाग। हजारीबाग में स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के अंतर्गत सेवानिवृत्त शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों को सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम क्षेत्रीय शिक्षा संयुक्त निदेशक, उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल हजारीबाग एवं जिला शिक्षा अधीक्षक हजारीबाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। सम्मान समारोह का आयोजन जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट), हजारीबाग में किया गया, जहां सेवानिवृत्त शिक्षकों और कर्मचारियों को शॉल और माला पहनाकर सम्मानित किया गया तथा उनकी सेवानिवृत्ति की पावंतियां उन्हें सौंपी गईं।सम्मानित होने वालों में गुलाब साव, फागू राम, अरविंद कुमार, कपिल देव प्रसाद, इम्तियाज अंसारी, वीरेंद्र कुमार दूबे, रत्नेश्वर पाठक, शंकर मिश्रा, लक्ष्मण मृधा, डॉ. प्रवीण कुमार और कमला देवी शामिल रहे। इन सभी शिक्षकों और शिक्षकेत्तर कर्मियों ने अपने कार्यकाल के दौरान शिक्षा जगत में योगदान दिया और समाज के लिए प्रेरणा बने। संस्थान के अधिकारियों ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षक समाज के मार्गदर्शक होते हैं और उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। इस अवसर पर सभी सेवानिवृत्त शिक्षकों और कर्मियों ने शिक्षा के क्षेत्र में अपने अनुभव साझा किए और अपनी भावनाओं को व्यक्त किया।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में वार्षिकोत्सव एवं अभिभावक सम्मेलन संपन्न

हजारीबाग। हजारीबाग के मालवीय मार्ग स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में विद्यालय का वार्षिकोत्सव सह अभिभावक सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. चेतलाल, प्राचार्य, विंध्यवासिनी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, हजारीबाग, विद्यालय प्रबंधन समिति के संरक्षक बजरंग लाल खेतान, सचिव ज्ञानचंद प्रसाद मेहता, सदस्या ऋचा प्रिया सिन्हा और बबीता देवी एवं प्रधानाचार्य संजीव कुमार झा द्वारा दीप प्रज्वलन एवं भारत माता पूजन से किया गया। विद्यालय प्रबंधन समिति के सचिव ने कहा कि वार्षिकोत्सव विद्यालय की वार्षिक उपलब्धियों को दशार्ने का अवसर होता है, जिससे बच्चों के विकास में मदद मिल सके। और नोबेल पुरस्कार विजेता सी.वी. रमन के जीवन और योगदान पर प्रकाश डाला गया। विद्यालय की छात्रा माही कुमारी को अखिल भारतीय संस्कृति बोध परियोजना के अंतर्गत आयोजित निबंध प्रतियोगिता के बाल वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया। वहीं, कक्षा दशम की चाहत कुमारी ने भी राष्ट्रीय स्तर की निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया। इसके अलावा, छात्रों द्वारा लगाए गए व्यंजनों के स्टॉल ने समारोह में चार चांद लगा दिए। अंत में प्रधानाचार्य संजीव कुमार झा ने सभी आगंतुकों, शिक्षकों और अभिभावकों का धन्यवाद ज्ञापित किया और इस प्रकार के आयोजनों को बच्चों की प्रतिभा निखारने का माध्यम बताया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर हजारीबाग व बड़कागांव में विज्ञान प्रदर्शनी का भव्य आयोजन

हजारीबाग। आनंदा महाविद्यालय हजारीबाग में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों द्वारा विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ० नीलमणि मुखर्जी ने किया, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में विनोबा भावे विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. सुरेशचंद्र जैन उपस्थित थे। प्रदर्शनी में विभिन्न विभागों के 60 विद्यार्थियों ने 20 वैज्ञानिक मॉडल प्रस्तुत किए, जिनमें सड़क सुरक्षा, सौर मंडल, पर्यावरण संरक्षण, स्मार्ट सिटी, जल संरक्षण, चंद्रयान-3, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे विषयों पर केंद्रित मॉडल शामिल थे। प्राचार्य डॉ. मुखर्जी ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रदर्शनियां नए वैज्ञानिकों और शोधकताओं को तैयार करने में सहायक होती हैं।विज्ञान प्रदर्शनी में प्रथम स्थान बायोटेक विभाग के वॉटर प्यूरीफिकेशन मॉडल लक्ष्मी वर्मा, संध्या कुमारी, लता साहू, द्वितीय स्थान जंतु विज्ञान के सिकल सेल एनीमिया मॉडल मानसी पाठक, शिवानी कुमारी।और तृतीय स्थान संयुक्त रूप से रसायन शास्त्र के एटॉमिक मॉडल अंतरा कुमारी, विद्या कुमारी तथा बॉटनी विभाग के नवीकरणीय ऊर्जा मॉडल आयुषी कुमारी को प्राप्त हुआ। विजेताओं को क्रमशः 2000, 1500 और 1000 का नकद पुरस्कार दिया गया।

बड़कागांव में भी राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का भव्य आयोजन

बड़कागांव। एनटीपीसी माइनिंग एंड इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, ढेंगा, बड़कागांव में भी राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का भव्य आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि पीबीसीएमपी के प्रमुख फैज तैयब ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस वर्ष का थीम विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व हेतु भारतीय युवाओं को सशक्त बनाना था। इस विज्ञान प्रदर्शनी में संस्थान के प्रशिक्षुओं ने अत्याधुनिक तकनीकी मॉडल और पहेली समाधान प्रतियोगिताएं प्रस्तुत कीं। 60 से अधिक तकनीकी परियोजनाओं का प्रदर्शन किया गया, जिनमें सुरक्षा और अग्नि सुरक्षा से संबंधित प्रस्तुतियां प्रमुख रहीं। इसके अलावा, 20 स्टॉलों पर स्कूली छात्रों के लिए विज्ञान आधारित पहेली प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस आयोजन में कौटिल्य वूमेंस कॉलेज, बीएम मेमोरियल स्कूल और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय सहित विभिन्न शिक्षण संस्थानों के 350 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।मुख्य अतिथि फैज तैयब ने आईआईटी गांधीनगर में इंटर्नशिप के लिए चयनित तीन मेधावी प्रशिक्षुओं को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

सांसद मनीष जायसवाल ने आहूत की विशेष बैठक

लोकसभा क्षेत्र के बीजेपी अध्यक्ष व महामंत्री हुए शामिल

संवाददाता

हजारीबाग। लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने अपने सेवा कार्यों के विस्तार और जनहित योजनाओं को अंतिम पंक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से हजारीबाग स्थित सांसद सेवा कार्यालय के सभागार में एक विशेष बैठक का आयोजन किया। इस बैठक में संपूर्ण हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के भाजपा मंडल अध्यक्ष और महामंत्री शामिल हुए। बैठक की अध्यक्षता हजारीबाग और रामगढ़ जिले के भाजपा जिला अध्यक्षों ने की। बैठक को संबोधित करते हुए सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि सेवा भारतीय जनता पार्टी की परंपरा रही है और उनके लिए भी सेवा और विकास ही सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने

कार्यकर्ताओं को अपने जनसेवा कार्यों में सहयोग करने का आग्रह किया और हाल ही में संपन्न हुए सांसद सामूहिक विवाह उत्सव में किए गए सहयोग के लिए सभी को धन्यवाद दिया। उन्होंने बताया कि इस ऐतिहासिक आयोजन में 101 जरूरतमंद जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया, जो समाज सेवा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। सांसद जायसवाल ने हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र में आगामी दिनों में होने वाले जनकल्याणकारी कार्यों की जानकारी भी दी। उन्होंने बताया कि 2 मार्च को हजारीबाग और 3 मार्च को रामगढ़ में दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए निःशुल्क सहायक यंत्र/उपकरण पंजीकरण एवं वितरण शिविर आयोजित किया जाएगा। इस शिविर में पात्र लाभार्थियों को एलिम्को कंपनी के उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके लिए लाभार्थियों को

आवश्यक दस्तावेजों के साथ पंजीकरण करना अनिवार्य होगा। उन्होंने यह भी घोषणा की कि हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र की जरूरतमंद बहन-बेटियों को शादी से पूर्व लहंगा भेंट करने की योजना अब पूरे लोकसभा क्षेत्र में विस्तारित की जाएगी। इस योजना के तहत भाजपा कार्यकर्ता जरूरतमंद लड़कियों को चिन्हित कर उनके घर तक लहंगा पहुंचाने में सहयोग करेंगे।रामनवमी-2025 को लेकर सांसद ने कहा कि इस वर्ष हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सभी अखाड़ों को लाठी और तलवार भेंट किए जाएंगे, जिससे पारंपरिक अस्त्र-शस्त्र कला का प्रदर्शन हो सके और झांकियां और अधिक भव्य बनें। उन्होंने कार्यकताओं से आग्रह किया कि वे अपने क्षेत्र के क्लबों का सर्वे करें और सूची उपलब्ध कराएं, ताकि उन्हें यह सौगात दी जा सके। सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि विकास एक सतत प्रक्रिया है, लेकिन वे हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं से अवगत कराने का आग्रह किया, ताकि उन्हें दूर करने के लिए ठोस कदम उठाए जा सकें। इस महत्वपूर्ण बैठक में बड़कागांव के पूर्व विधायक लोकनाथ महतो, ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अमरदीप यादव, भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह और प्रवीण मेहता, वरिष्ठ भाजपा नेता राधेश्याम अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने सांसद के प्रयासों की सराहना की और जनहित में अपने पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

हजारीबाग की बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर सदन में गरजे विधायक प्रदीप प्रसाद

संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग सदर विधानसभा से भाजपा विधायक प्रदीप प्रसाद ने झारखंड विधानसभा में शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था का मुद्दा जोरदार तरीके से उठाया। उन्होंने सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि अस्पताल की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है, लेकिन इसे सुधारने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है। इससे पहले भी उन्होंने इस विषय पर सरकार का ध्यान आकर्षित किया था, लेकिन स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी के गोलमोल जवाब से असंतुष्ट होकर उन्होंने एक बार फिर इस विषय को प्रमुखता से रखा। विधायक प्रदीप प्रसाद ने सदन में अस्पताल की अव्यवस्थाओं को लेकर नाराजगी जताई। उन्होंने

कहा कि अस्पताल में डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ की भारी कमी के कारण मरीजों को समुचित इलाज नहीं मिल पा रहा है। वार्ड बॉय और नर्सों की भी भारी कमी है, जिससे मरीजों को जरूरी सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। इसके अलावा, ऑनलाइन पर्ची व्यवस्था के कारण गरीब और अनपढ़ मरीजों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, इसलिए ऑफलाइन पर्ची प्रणाली भी चालू रखी जानी चाहिए। विधायक ने कहा कि अस्पताल में दवाओं और जरूरी चिकित्सा उपकरणों की कमी के कारण गंभीर मरीजों को महंगी दवाएं बाहर से खरीदनी पड़ रही हैं। उन्होंने सदन में रांची स्थित रिम्स अस्पताल में संजीवनी सेवा कुटीर खोलने की मांग भी रखी, जिससे हजारीबाग से रांची इलाज के लिए जाने वाले मरीजों को सहायता मिल सके। उन्होंने कहा कि यह सेवा पूरी तरह से जनता के लिए समर्पित होगी और इसमें किसी भी राजनीतिक दल का हस्तक्षेप नहीं रहेगा। स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी द्वारा दिए गए गोलमोल जवाब से विधायक असंतुष्ट नजर आए। उन्होंने कहा कि अगर स्वास्थ्य सेवाओं में जल्द सुधार नहीं हुआ, तो वे जनता के साथ मिलकर बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि जनमानस की सेवा ही उनका धर्म है और वे इसके लिए संघर्ष जारी रखेंगे।

विनोबा भावे विश्वविद्यालय में विदाई समारोह आयोजित, कुलपति ने दी शुभकामनाएं

संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग के विनोबा भावे विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में एक भावभीनी विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार मंडल, परीक्षा विभाग में सहायक मनोज धान और भौतिकी विभाग में सहायक प्रभात कुमार को सम्मानित कर विदाई दी गई। कुलपति प्रो. पवन कुमार पोद्दार ने इन सभी को शॉल उढ़ाकर, स्मृति चिन्ह और पौधा भेंट कर उनका अभिनंदन किया।।कुलपति प्रो. पवन कुमार पोद्दार ने अपने संबोधन में तीनों सेवानिवृत्त कर्मचारियों की कर्तव्यनिष्ठा और ईमानदारी की सराहना की। उन्होंने कहा कि ये तीनों व्यक्ति अपने कार्यों के प्रति पूर्ण रूप से समर्पित थे और उन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा के साथ किया। उन्होंने यह भी कहा कि

यह एक बहुत बड़ी बात है कि ये लोग बिना किसी दाग के अपनी सेवा पूर्ण कर रहे हैं। कुलपति ने इनकी दीघार्यु और स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय उन्हें कभी नहीं भूलेगा और वे भी हमेशा इसे अपने दिल में संजोए रखें।।अपने अनुभव साझा करते हुए डॉ. अशोक कुमार मंडल ने बताया कि उन्होंने मात्र 105 रुपये वेतन पर अपनी सेवा की शुरूआत की थी। उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना और इतिहास विभाग के अध्यक्ष के रूप में अपने कार्यकाल की यादें साझा कीं। उन्होंने कहा कि कोई भी काम छोटा नहीं होता और व्यक्ति को हमेशा अपने कार्य के प्रति निष्ठावान रहना चाहिए। डॉ. मंडल ने यह भी बताया कि वे चाहते तो विभागाध्यक्ष के रूप में अवकाश प्राप्त कर सकते थे, लेकिन उन्होंने विद्यार्थियों के साथ अपने अंतिम कार्यकाल के कुछ महीने बिताना ज्यादा उचित समझा। समय से ही विश्वविद्यालय की सेवा में कार्यरत थे और हमेशा परीक्षा विभाग से जुड़े रहे। उन्होंने इस कठिन विभाग में पूरी निष्ठा से कार्य किया और आज बेदाग सेवानिवृत्ति प्राप्त कर रहे हैं, यह उनके लिए गर्व की बात है। वहीं, प्रभात कुमार ने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य हमेशा अपने कार्य को ईमानदारी से पूरा करना रहा। वे समय पर अपने विभाग में पहुंचते थे और अपने दायित्वों का पूरी तरह से निर्वहन करते थे। इस विदाई समारोह में विश्वविद्यालय के कई पदाधिकारी, शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

एसएसवीएम बरगड्डा में विज्ञान प्रदर्शनी और मातृत्व सम्मेलन का भव्य आयोजन

संवाददाता

कटकमसांडी। कटकमसांडी प्रखंड क्षेत्र के सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, बरगड्डा में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर विज्ञान प्रदर्शनी और मातृत्व सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विशेष रूप से दादा-दादी, नाना-नानी और माताओं को आमंत्रित किया गया था। इसके साथ ही भारत की वीरांगना अहिल्याबाई होल्कर की 300 वीं जयंती भी बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। विद्यालय के विद्यार्थियों ने अपने दादा-दादी, नाना-नानी और माताओं का पैर पूजन और आरती करके उनका सम्मान किया। यह दृश्य अत्यंत भावुक कर देने वाला था। बच्चों ने अपने परिजनों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करते हुए भारतीय संस्कृति की महत्वपूर्ण परंपराओं को प्रदर्शित किया।।इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों ने विज्ञान प्रदर्शनी में एक से बढ़कर एक मॉडल प्रस्तुत किए और यह प्रण लिया कि वे भारत को विकसित देश बनाने में अपना योगदान देंगे। बच्चों की इस अद्भुत प्रतिभा को देखकर कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि एवं समाजसेवी बिजुल देवी और विशिष्ट अतिथि सावित्री देवी अत्यंत भाव-विभोर हो गए। विद्यालय के अध्यक्ष प्रभु नारायण पांडेय, कोषाध्यक्ष पवन साव और प्राचार्य उमाशंकर पांडेय ने भी बच्चों की प्रस्तुतियों को सराहा और उन्हें सम्मानित किया। इस आयोजन को सफल बनाने में विद्यालय के विज्ञान शिक्षक रणजीत राम, कुणाल राय, सबिता मिश्रा, अनुराधा पांडेय, किरण, काजल, सोनी, शैव्या, अंजु और पम्मी समेत कई शिक्षकों और शिक्षिकाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

श्री श्री 108 लक्ष्मीनारायण महायज्ञ की तैयारी बैठक संपन्न, 18 अप्रैल से होगा आयोजन

संवाददाता

विष्णुगढ़। विष्णुगढ़ प्रखंड के जोबर पंचायत अंतर्गत बंदखारो यज्ञ स्थल पर श्री श्री 108 लक्ष्मीनारायण महायज्ञ को लेकर ग्रामीणों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पंचायत समिति सदस्य कैलाश महतो ने की, जबकि संचालन मनोहर महतो द्वारा किया गया। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि 18 से 22 अप्रैल तक पांच दिवसीय भव्य महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन को सफल बनाने के लिए एक कमेटी का गठन किया गया, जिसमें लालचंद महतो को अध्यक्ष, मनोहर महतो को उपाध्यक्ष, श्रवण कुमार मंडल को सचिव और कैलाश महतो को उप सचिव मनोनीत किया गया। इसके अलावा, गौतम कुमार को कोषाध्यक्ष बनाया गया, जबकि उमेश कुमार मंडल, धनेश्वर महतो, राजेंद्र कुमार, संतोष कुमार महतो, विशाल कुमार, विपिन कुमार, तुलसी महतो, बालेश्वर महतो, दुलारचंद मंडल, पुसन महतो, मुकेश मंडल, आलोक कुमार, नागेश्वर महतो, राजू कुमार, सुजीत कुमार, सीताराम महतो, विजय कुमार, प्रकाश कुमार, महेंद्र महतो और रामजी साव को कार्यकारिणी सदस्य के रूप में शामिल किया गया। इस बैठक में बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे, जिनमें लीला देवी, बिंदा देवी, जागेश्वरी देवी, यशोदा देवी, रथवा देवी और बुंदिया देवी समेत कई महिलाओं ने भी अपनी सक्रिय भागीदारी दर्ज कराई।

विष्णुगढ़ प्रखंड के कुसुम्भा पंचायत में जल संकट गहराया, ग्रामीणों में आक्रोश

संवाददाता

हजारीबाग। जिले के विष्णुगढ़ प्रखंड के कुसुम्भा पंचायत में जल संकट गहराता जा रहा है। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी नल-जल योजना यहां अधर में लटकी हुई है। प्रखंड में लगभग तीस जल मीनारें और टंकियां बनी तो हैं, लेकिन उनमें बोरिंग नहीं की गई है और ग्रामीणों के घरों तक पाइपलाइन भी नहीं पहुंचाई गई है। ग्रामीणों का कहना है कि नल-जल योजना में बड़े पैमाने पर लूट हुई है। कई अधूरे कार्यों के लिए कंपनियों ने करोड़ों रुपये डकार लिए, लेकिन आज तक पानी की एक बूंद भी ग्रामीणों को नहीं मिली। पंचायत के मुखिया दुलार चंद पटेल ने बताया कि अलखरी, डुमरडीहा, चोराढाब, काशीटांड, जमुआ और उखरबार के आदिवासी परिवार अब भी खेतों में बने जलस्रोतों और पोखरों का पानी पीने को मजबूर हैं। गर्मी के मौसम में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, क्योंकि इन जलस्रोतों में मवेशी भी पानी पीने पहुंच जाते हैं। शादी-ब्याह जैसे अवसरों पर ग्रामीणों को हजारों रुपये खर्च कर दूसरे गांवों से पानी लाना पड़ता है। मुखिया ने इस समस्या को लेकर हजारीबाग उपायुक्त को लिखित शिकायत दी है, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं हुआ है। पंचायत समिति ने हाल ही में प्रधानमंत्री कार्यालय को भी इस संबंध में पत्र लिखा है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि होली से पहले जल संकट का समाधान नहीं हुआ, तो वे सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करेंगे। समाजसेवी प्रदीप कुमार और वार्ड सदस्य ने सरकार से मांग की कि इस योजना को पंचायती राज के अधीन किया जाए, ताकि इसका उचित क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके और लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो।

कार्रवाई हजारीबाग जिला परिवहन कार्यालय के द्वारा स्कॉर्पियो मामले में की गई कार्रवाई

द्वितीय पार्टी सचिन कुमार दास एवं अन्य पर थाना में एफआईआर दर्ज

प्रदीप पाठक

हजारीबाग। जिला परिवहन कार्यालय हजारीबाग से जेएच 02 एएल-1503 एक रजिस्ट्रेशन नंबर की दो स्कॉर्पियो गाड़ी का मामला प्रकाश में आने के बाद इसकी जांच शुरू कर दी गई थी। डीटीओ वैद्यनाथ कामती ने इस मामले में द्वितीय पार्टी सचिन कुमार दास को नोटिस जारी कर सात दिनों के भीतर जवाब मांगा गया था। 27 फरवरी तक सचिन को जवाब देने को कहा गया था। लेकिन 25 फरवरी को द्वितीय पार्टी सचिन कुमार दास के द्वारा जिला परिवहन कार्यालय में गाड़ी लाकर जमा कर दी गई।

क्या है मामला

हजारीबाग डीटीओ कार्यालय से सत्यनारायण सिंह नामक व्यकित को वर्ष 2016 में जेएच 02 एएल-1503 स्कॉर्पियो गाड़ी का रजिस्ट्रेशन नंबर जारी हुआ है। आठ वर्ष बाद 2023 में सत्यनारायण सिंह ने अपने स्कॉर्पियो की बिक्री को लेकर ओएलएक्स पर आवश्यक कागजात आधार, पैन कार्ड, फोन नंबर अन्य चीजें डालने की गलती की।

प्रारंभिक जांच में कहा जा रहा है कि बड़ी चालाकी से ओएलएक्स पर डाले गये सत्यनारायण सिंह के सभी कागजात को उनसे गाड़ी खरीदारी के बाद ट्रांसफर के लिए गलत तरीके से पेपर बनाया गया। इतना ही नहीं, गाड़ी फाइनेंस करा कर इसमें लोन प्राप्त किया गया। फिर तैयार कागजात के माध्यम से डीटीओ कार्यालय में सत्यनारायण सिंह के नाम स्कॉर्पियो गाड़ी को सचिन कुमार दास के नाम ट्रांसफर दिखाया गया। इस तरह सत्यनारायण सिंह के पास उसकी अपनी स्कॉर्पियो गाड़ी सुरक्षित है। वहीं, ओएलएक्स में डाले गये कागजात के माध्यम से जेएच 02 एएल-1503 रजिस्ट्रेशन नंबर से दूसरी स्कॉर्पियो गाड़ी मार्केट में घूमने लगी। इसमें चेसिस, इंजन एवं अन्य जरूरत के नंबर व कागजात सभी एक जैसा दिखाया गया है। इधर, पूरा मामला प्रकाश में आने के बाद जिला परिवहन पदाधिकारी, हजारीबाग ने गंभीरता दिखायी है। मामले की जांच शुरू है। वहीं, बाजार में एक नाम से दो स्कॉर्पियो गाड़ी के रजिस्ट्रेशन का चर्चा का बाजार गर्म था।।संतोषजनक जवाब नहीं मिलने के बाद, जांच में दोषी पाए जाने पर स्कॉर्पियो का रजिस्ट्रेशन नंबर रद करते हुए द्वितीय पक्ष सचिन कुमार दास एवं अन्य के विरुद्ध विधि संवत कार्रवाई करते हुए हजारीबाग सदर थाना में एफआईआर दर्ज कर दी गई है। पहले पार्टी सत्यनारायण सिंह के नाम स्कॉर्पियो का रजिस्ट्रेशन नंबर फिर से रिस्टोर कर दिया गया है।

घर-घर कानूनी जागरूकता अभियान प्रारंभ, लोगों को दी गई महत्वपूर्ण जानकारी

संवाददाता

हजारीबाग। जिले में झारखंड विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा 90 दिवसीय डोर-टू-डोर कानूनी जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान सदर प्रखंड के नूतननगर क्षेत्र के विभिन्न मोहल्लों में चलाया जा रहा है, जिसकी निगरानी डीएलएसए सचिव गौरव खुराना द्वारा की जा रही है।अभियान के तहत पीएलवी अरुण कुमार और प्रदीप कुमार ने घरेलू हिंसा, डायन प्रथा प्रतिषेध अधिनियम, नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले नुकसान और अन्य महत्वपूर्ण कानूनी विषयों पर जानकारी दी। इस दौरान लोगों को 15100 और 1930 हेल्पलाइन नंबरों की उपयोगिता के बारे में भी बताया गया। कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि आपसी विवादों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) के माध्यम से त्वरित और निःशुल्क तरीके से सुलझाया जा सकता है। डीएलएसए द्वारा आवश्यकता पड़ने पर निःशुल्क अधिवक्ता की भी व्यवस्था की जाती है। इसके अलावा, समय-समय पर राष्ट्रीय लोक अदालत और मासिक लोक अदालत का आयोजन कर मामलों का शीघ्र निपटारा किया जाता है। इस अभियान में बड़ी संख्या में महिला और पुरुष शामिल हुए और उन्होंने कानूनी सहायता से जुड़ी विभिन्न जानकारियां प्राप्त कीं।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, शनिवार 01 मार्च 2025

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

डीसी ने किया साइंस सेंटर, इनडोर स्टेडियम सोलर लाइट और अफेरेसिस मशीन का उद्घाटन

कोडरमा। उपायुक्त हेमंत सती ने आज जिला के सिद्धो-कान्हू स्टेडियम के पास स्थित नवनिर्मित साइंस सेंटर का उद्घाटन किया। इस सेंटर के माध्यम से जिले के विद्यार्थियों और आम नागरिकों को विज्ञान और तकनीक के प्रति जागरूक किया जाएगा। इसके साथ ही उपायुक्त ने इनडोर स्टेडियम में सौर ऊर्जा से संचालित सोलर लाइट का भी उद्घाटन किया। सोलर लाइट के लगने से स्टेडियम में ऊर्जा की बचत होगी और पर्यावरण को संरक्षित करने में मदद मिलेगी। वहीं साहिबगंज सदर अस्पताल के ब्लड बैंक में अत्याधुनिक अफेरेसिस मशीन स्थापित की गई है। यह मशीन डेंगू, मलेरिया, थैलेसीमिया, ल्यूकेमिया और अन्य गंभीर बीमारियों से ग्रसित मरीजों के लिए जीवनरक्षक साबित होगी। अफेरेसिस तकनीक के माध्यम से रक्त से प्लेटलेट्स, प्लाज्मा और अन्य आवश्यक रक्त अवयवों को अलग किया जा सकेगा। उपायुक्त ने कहा कि अफेरेसिस मशीन के आने से जिले में स्वास्थ्य सुविधाएं और अधिक उन्नत होंगी। साथ ही, सुरक्षित और कुशल रक्तदान संभव होगा, जिससे मरीजों को समय पर जीवनरक्षक उपचार मिल सकेगा। इस अवसर पर जिला स्तरीय पदाधिकारी, चिकित्सक और गणमान्य लोग उपस्थित थे। उपायुक्त ने जिलेवासियों से अपील की कि वे आगामी 1 मार्च को सदर अस्पताल साहेबगंज में लगने वाले ब्लड डोनेशन कैंप में आगे आकर स्वेच्छा से रक्तदान कर इस सेवा में योगदान दें।

मांगो को लेकर भाकपा माले ने दिया कौआकोल प्रखण्ड मुख्यालय पर धरना

नवादा। नवादा जिले के कौआकोल प्रखंड मुख्यालय पर भाकपा माले की प्रखण्ड इकाई ने शुक्रवार को विभिन्न मांगों को लेकर एक दिवसीय धरना दिया। धरना के बाद भाकपा माले के एक शिष्टमंडल ने सीओ को ज्ञापन भी दिया। भाकपा माले के मंटू कुमार ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की जनविरोधी नीतियों के कारण गरीब मजदूर,किसान,नौजवान,महिलाएं अपने आप को शोषित एवं पीड़ित समझ रही है। सूबे की नीतीश सरकार के राज में अफसरशाही चरम सीमा पर है। बगैर चढ़ावा के कोई भी जायज काम नहीं हो रहा है। धरना पर बैठे वक्ताओं ने बढ़ती मंहगाई,रोजगार आदि के मुद्दों को लेकर भी सरकार के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की। भाकपा माले के दिलीप कुमार एवं मंटू कुमार ने बताया कि एक दिवसीय धरना के बाद क्षेत्रीय 11 सूत्री समस्याओं का एक ज्ञापन सीओ को सौंपकर शीघ्र कार्रवाई करने की मांग की गई।

6 मार्च को होगा वनसप्ती माई महोत्सव, अधिकारियों ने किया स्थल निरीक्षण

पूर्वी चंपारण। जिले सुगौली प्रखंड स्थित शक्तिपीठ वनसप्ती माई महोत्सव का आयोजन आगामी 6 मार्च को होगा।महोत्सव को लेकर तैयारी तेज कर दी गई है। शुक्रवार को एसडीओ सदर श्वेता भारती के नेतृत्व में प्रखंड विकास पदाधिकारी नूतन किरण,अंचलाधिकारी कुंदन कुमार,जेएसएस प्रियरंजन,सांसद प्रतिनिधि प्रदीप सर्राफ,उप प्रमुख प्रतिनिधि शम्भू साह,मुखिया प्रतिनिधि अनिरुद्ध सिंह प्रधान सहायक वकील कुमार,प्रकाश कुमार सहित गणमान्य लोगों ने कार्यक्रम स्थल का जायजा लिया और आवश्यक निर्देश दिया गया,जिससे आयोजन को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराया जा सके।बताया गया कि एक दिवसीय वनसप्ती माई महोत्सव में कई गणमान्य राजनेता के अलावे नामचीन कलाकार हिस्सा लेंगे। कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ-साथ अन्य कई तरह के गीत-संगीत का कार्यक्रम होगा। महोत्सव में लोगों की भारी भीड़ जुटने का अनुमान लगाया जा रहा है।

पुलिस ने इनकाउंटर में अपराधी को मारी गोली, घायल अपराधी अस्पताल में भर्ती

सीवान। महाराजगंज अनुमंडल मुख्यालय के इंदौली में आज तड़के हुए पुलिस एनकाउंटर में एक अपराधी घायल हो गया। घायल अपराधी की पहचान प्रमोद यादव के रूप में की गई है जो कि इन्दौली गांव के परमानंद यादव का पुत्र है। महाराजगंज एसडीपीओ राकेश कुमार रंजन ने बताया है कि पुलिस ने प्रमोद यादव को इन्दौली- कटवार बॉर्डर पर गिरफ्तार किया था। उसके पास हथियार बरामदगी के लिए पुलिस उसके घर ले गई थी। जहां भूसे में छुपा कर रखे गए हथियार से उसने पुलिस पर फायरिंग कर भागने का प्रयास किया। जिसके जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने फायरिंग की जो उसके पैर में लगी और वह घायल हो गया। पुलिस ने तत्काल उसको इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने इस मामले में एक देसी कट्टा दो जिंदा गोली तथा दो गोली का खोखा बरामद किया है। पुलिस के अनुसार प्रमोद यादव पर लगभग आधा दर्जन मामले हैं। वहीं प्रमोद यादव के परिजनों ने पुलिस पर एनकाउंटर के मामले में कई आरोप लगाए हैं। घटना के बाद जांच के लिये पहुंची फोरेंसिक टीम और पुलिस की गाड़ी को गांव के महिलाओं और लोगो द्वारा घेर लिया गया था। किसी तरह पुलिस वहां से निकल कर भागी।

बिहार में राजग सरकार बनने के बाद शिक्षा–स्वास्थ्य से लेकर हर क्षेत्र में काम हुआ : राज्यपाल

संवाददाता

पटना। बिहार विधानमंडल का बजट सत्र शुक्रवार को राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के अभिभाषण के साथ शुरू हुआ। राज्यपाल ने राज्य सरकार के विकास कार्यों और आने वाले समय में सरकार की योजनाओं को सदन में क्रम से रखा। उन्होंने कहा कि बिहार में 2005 में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार बनने के बाद से शिक्षा-स्वास्थ्य से लेकर हर क्षेत्र में काम हुआ है। राज्यपाल ने कहा कि नई सरकार बनने के बाद से ही राज्य में स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में काफी विकास हुआ है। राज्य में बड़ी संख्या में सड़कों और पुल-पुलियों का निर्माण कराया गया। सरकार ने बिहार में महिला सशक्तीकरण पर विशेष जोड़ दिया है। पंचायती राज, नगर निकायों में 50 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है। पहले बिहार में स्वयं सहायता समूहों की संख्या काफी कम थी। अब समूहों की संख्या 10 लाख 63 हजार हो गई है। इसमें जीविका दीदियों की संख्या एक लाख 41 हजार से अधिक है। इस मौके पर दोनों सदनों के सदस्यों के साथ विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव और विधानपरिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह मौजूद रहे। उन्होंने

कहा कि बिहार सरकार ने शुरू से ही वंचित वर्गों के लिए काम किया। इन्हें मुख्यधारा में जोड़ने के लिए कई योजना चला रही है। मुस्लिम समुदाय के मदरसों को सरकारी सहायता दी जा रही है। इसमें पढ़ाने वाले शिक्षकों को सरकारी शिक्षक के अनुरूप वेतन दिया जा रहा है। राज्य में धान, गेहूं और मक्का का उत्पादन दोगुना हो गया है। मछली उत्पादन में बिहार आत्मनिर्भर हो गया है।

राज्य में 24 नवम्बर 2005 को नई सरकार बनने के बाद राज्य में कानून का राज है तथा लगातार विकास का काम हो रहा है। राज्य सरकार ने हमेशा सुशासन एवं न्याय के साथ विकास पर जोर दिया है, जिसका अर्थ है सभी क्षेत्रों का विकास एवं सभी वर्गों का उत्थान। शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, सड़क, पेयजल आदि क्षेत्रों में विशेष ध्यान दिया गया है। राज्य में अब किसी तरह के डर और भय का वातावरण नहीं है। राज्य में प्रेम, आपसी भाईचारा और शांति का माहौल है। राज्यपाल ने कहा कि विधानसभा लोकतंत्र का पवित्र मंदिर है, जहां जनहित से जुड़े विषयों पर गहन विचार-विमर्श होता है। मैं आप सभी से आग्रह करता हूं कि सदन की मयार्दा और गरिमा को बनाये रखें। स्वस्थ बहस और तर्क-वितर्क लोकतांत्रिक प्रक्रिया का अभिन्न हिस्सा है, लेकिन यह आवश्यक है कि चर्चा मर्यादित और परिणामकारक हो। मैं सभी सदस्यों से अपील करता हूं कि वे अपने बहुमूल्य सुझाव और विचार सदन में रखें ताकि जनहित में ठोस निर्णय लिए जा सकें।

बंधुआ मजदूरों के पुनर्वास को लेकर संगोष्ठी आयोजित

नालंदा। नालंदा जिलान्तर्गत अनुमंडल पदाधिकारी हिलसा के कार्यालय सभागार में शुक्रवार को बंधुआ मजदूर निगरानी समिति की एक संगोष्ठी आयोजित की गई। जिसमें विभिन्न क्षेत्रों से समाज सेवियों एवं पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। प्रभारी एसडीओ राजन कुमार की अध्यक्षता में आयोजित इस संगोष्ठी में शामिल सदस्यों ने बंधुआ मजदूरी को समाज का कोढ़ बताया तथा इसके उन्मूलन पर गहन चर्चा की गयी। इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी ने कहा कि बंधुआ मजदूरों को चिन्हित कर उनके पुनर्वास के लिए सरकार ने कई तरह के कदम उठाए हैं। वैसा व्यक्ति जो लिये हुए ऋण को चुकाने के लिए दाता के अंदर में पूरा समय बंधकर काम करता है वहीं बंधुआ मजदूर कहलाता है। बंधुआ मजदूरी पीढ़ी दर पीढ़ी चलती रहती है।बंधुआ मजदूरी निवारण से संबंधित कड़े कानून भी बने हैं जिसके बारे में आम जन को कुछ भी नहीं पता है। उन्हें जागरूक करने की ज़िम्मेवारी प्रशासनिक अधिकारियों के साथ साथ सामाजिक कार्यकताओं की भी है। उन्होंने कहा कि अगर बंधुआ मजदूर के बारे में कोई भी सूचना मिलती हो तो अनुमंडल कार्यालय को जरूर बताएं ताकि दोषियों पर कार्रवाई हो सके।

बिहार विधानमंडल बजट सत्र: माले दल विधायकों ने हाथ में हथकड़ी लगाकार किया प्रदर्शन

एजेंसी

पटना। बिहार विधानमंडल के बजट सत्र में पहले दिन शुक्रवार को विपक्षी दलों ने केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। मार्क्सवादी-लेनिनवादी (भाकपा-माले) विधायकों ने हाथों में हथकड़ी लगाकर अपना विरोध दर्शाया। माले विधायकों का यह अजीबो-गरीब विरोध हाल ही में अमेरिका से भारत भेजे गए भारतीयों के हाथ-पांव में हथकड़ी लगाकर भेजने की घटना के विरोध में किया गया। भारत के स्वाभिमान के साथ खिलवाड़ करना बंद करो, अमेरिका के प्रवासी भारतीयों के साथ घोर अपमानजनक व्यवहार पर केंद्र सरकार चुप क्यों, शर्म करो..... के नारे लगाए गए। इस दौरान हथकड़ी लगाकर विरोध कर रहे विधायकों ने कहा कि भारत का इससे बड़ा अपमान

नहीं हो सकता है। लेकिन केंद्र सरकार इस मसले पर चुप्पी साधे है। उन्हें शर्म आनी चाहिए कि भारतीयों के साथ इस प्रकार का अपमानजनक व्यवहार किया जा रहा है। बीते 4 फरवरी की सुबह 3 बजे अमेरिका से 104 भारतीय अवैध अप्रवासियों को भारत रवाना किया।

यह पहली बार है जब अमेरिका अप्रवासियों को भेजने के लिए सैन्य विमान का इस्तेमाल किया गया। 5 फरवरी को दोपहर 2 बजे अमेरिकी मिलिट्री का सी-17 एयरक्राफ्ट भारतीय अवैध अप्रवासियों को लेकर अमृतसर एयरपोर्ट पहुंचा। इसे भारत पहुंचने में करीब 35 घंटे का समय लगा।

इस दौरान यह भी देखने को मिला कि अवैध अप्रवासियों के हाथ में हथकड़ी लगाया गया था। अपनी पीड़ादायक और अपमानजनक यात्रा को लेकर अवैध अप्रवासियों ने भारत आकर दर्द बयां किया था। उल्लेखनीय है कि बिहार विधानमंडल का बजट सत्र शुक्रवार 28 फरवरी से शुरू हो गया है। यह सत्र लगभग एक महीने तक चलेगा। जिसमें कुल 19 बैठकें आयोजित की जाएंगी। पहले दिन यानी आज राज्य सरकार आर्थिक सर्वेक्षण पेश करेगी, जिसके बाद राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगे।

डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी 3 मार्च को नीतीश सरकार का बजट पेश करेंगे। जिस पर चुनावी वर्ष के कारण सभी की नजरें टिकी रहेंगी।

मुर्शिदाबाद में लाखों की ड्रग्स जब्त मां–बेटे पुलिस के शिकंजे में

संवाददाता

कोलकाता। मां और बेटा रात के अंधेरे में धीरे-धीरे चल रहे थे। घने अंधेरे में खड़ी पुलिस को देखकर दोनों ने कहा कि उन्हें ₹भूत₹ दिखने का डर लग रहा है। उन्होंने पुलिस से कहा कि उन्हें घर ले जाया जाये। जंगीपुर पुलिस जिले के रघुनाथगंज थाने की पुलिस ने गुरुवार रात एक मां और बेटे को लगभग 600 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया, जो पुलिस को चकमा देकर नए तरीके से हेरोइन की तस्करी करने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस सूत्रों के अनुसार गिरफ्तार लोगों के नाम मनोवारा बीबी (45) और रॉकी शेख (24) हैं। उनके घर लालगोला थाना के चामापाडा इलाके में है। पुलिस सूत्रों के अनुसार गिरफ्तार किए गए लोग असम से हेरोइन लेकर अलग-

अलग वाहनों से पहले उमरपुर आए थे।

फिर वहां से लालगोला के लिए बस लेनी थी। लेकिन उससे पहले ही रघुनाथगंज पुलिस ने उन्हें राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 12 पर उमरपुर से गिरफ्तार कर लिया।

रघुनाथगंज पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि गुप्त सूत्रों से सूचना मिलने पर पुलिस ने गुरुवार रात उमरपुर स्थित बांग्ला गेस्ट हाउस से सटे इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया। उस समय पुलिस को शक हुआ जब उन्होंने एक महिला और एक युवक को बहुत 'डर' की हालत में देखा और कुछ बुदबुदा रहे थे। दोनों ने पुलिस को बताया कि वे ₹भूत₹ को देखकर डर गए थे। इसलिए मंत्र का जाप कर रहे थे। वे 'भूत' से बचने और घर लौटने के लिए पुलिस की मदद भी मांगे। लेकिन उस चौकी पर तैनात पुलिस को संदेह हो गया और उन्होंने उन्हें रोक कर उनकी तलाशी के दौरान लगभग 600 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। पुलिस का दावा है कि बरामद हेरोइन की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब 40 लाख रूपए है।

संयोगवश, पिछले सप्ताह राज्य पुलिस की एसटीएफ और फरक्का पुलिस ने असम से झारखंड तस्करी के दौरान लगभग एक करोड़ रुपये मूल्य की हेरोइन जब्त की थी। तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया था। रघुनाथगंज 1 बीडीओ ने कहा, ₹गोपनीय स्रोत से मिली सूचना के आधार पर रघुनाथगंज पुलिस ने गुरुवार रात उमरपुर से एक युवक और एक महिला को गिरफ्तार किया है।₹ वे रिश्ते में माँ और बेटे हैं। ₹उनके पास से लगभग 600 ग्राम उच्च गुणवत्ता वाली हेरोइन बरामद की गई।

उन्होंने कहा, तस्कर संभवतः हेरोइन लेकर उत्तर बंगाल से लालगोला होते हुए बस द्वारा उमरपुर आये थे। गिरफ्तार किए गए लोगों को शुक्रवार को बहरामपुर स्थित एनडीपीएस कोर्ट में पेश किया गया। रघुनाथगंज पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि इस हेरोइन तस्करी गिरोह में और कौन-कौन शामिल है।

दीघा मंदिर में जगन्नाथ की प्राण प्रतिष्ठा: तिथि तय

संवाददाता

कोलकाता। राज्य सरकार ने ट्रस्टी बोर्ड की पहली बैठक में दीघा में निमार्णाधीन जगन्नाथ मंदिर के उद्घाटन की तारीख को अंतिम रूप दिया। सूत्रों का दावा है कि मुख्यमंत्री और प्रशासनिक अधिकारियों ने मंदिर के उद्घाटन समारोह में क्या होगा, खासकर सुरक्षा व्यवस्था पर विस्तार से चर्चा की।

प्रशासनिक सूत्रों का दावा है कि इस दिन के निर्णय के अनुसार 29 अप्रैल को जगन्नाथ मंदिर में भव्य यज्ञ और प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन किया जाएगा। उद्घाटन 30 अप्रैल को होगा। इस अवसर पर उद्घाटन समारोह की सुरक्षा, भीड़, प्रबंधन, पार्किंग व्यवस्था आदि के संबंध में चर्चा की गई। कुंभ में हुई विभिन्न दुर्घटनाओं का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को मंदिर के उद्घाटन समारोह में अनावश्यक उत्साह पैदा करने के खिलाफ चेतावनी दी। प्रशासनिक

पर्यवेक्षकों का एक वर्ग मानता है कि मंदिर के उद्घाटन समारोह का कार्यक्रम उस संदेश को ध्यान में रखते हुए तय किया जाएगा।

प्रशासनिक सूत्रों ने दावा किया कि इस दिन की बैठक में ट्रस्ट के 27 सदस्यों में से 22 के नाम तय कर लिए गए। नवान्न आने वाले दिनों में बाकी नामों को अंतिम रूप देंगे। संयोगवश, इस ट्रस्ट के गठन के प्रस्ताव को पिछले मंगलवार को राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में अंतिम रूप दिया गया। पुरी का जगन्नाथ मंदिर, कालीघाट मंदिर, शारदा मठ, रामकृष्ण मिशन, इस्कॉन, दीघा की मौसी का घर, सनातन संघ के प्रतिनिधि, सीए फॉर्म और जनसंपर्क अधिकारी इस ट्रस्ट में शामिल होंगे।

गुरूजी डॉक्टर चंद्र भानु सतपथी ने शिरडी में नया पुस्तकालय का उद्घाटन किया

संवाददाता

कोलकाता। पूज्य गुरुजी डॉ. चंद्र भानु सतपथी ने आज शिरडी स्थित श्री साईंबाबा संस्थान ट्रस्ट के नवनिर्मित पुस्तकालय का उद्घाटन किया। समारोह के दौरान गुरुजी ने दीप प्रज्ज्वलित किया तथा दुर्लभ शिरडी साईं साहित्य के संरक्षण में उनके अमूल्य योगदान के लिए संस्थान द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया। साईं साहित्य के प्रति गुरुजी के गहरे समर्पण को देखते हुए श्री साईंबाबा संस्थान ने उनसे अपने पास मौजूद दुर्लभ संग्रह दान करने का अनुरोध किया। जवाब में, गुरुजी ने उदारतापूर्वक 15 साल की श्री साईं लीला और श्री साईनाथ प्रभा 1919 संस्करण के गुम हुए संस्करण दान कर दिए। गुरुजी, जिन्होंने पहले 2017 में संस्थान को श्री साईनाथ प्रभा 1916 संस्करण दान किया था, को संस्थान के साहित्यिक अभिलेखागार को समृद्ध करने के उनके नेक काम के लिए सम्मानित किया गया।

श्री साईबाबा संस्थान ट्रस्ट के सीईओ श्री गोरक्ष गाडिलकर (आईएएस) ने गुरुजी को उनकी उदारता के सम्मान में एक शाल, एक पट्टिका और श्री साईबाबा की एक प्रतिमा भेंट की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ये दुर्लभ संग्रह साईं भक्तों और शोधकताओं के लिए अमूल्य संसाधन के रूप में काम करेंगे। नवनिर्मित पुस्तकालय शिरडी साईं बाबा की शिक्षाओं और विरासत को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। इसमें गुरुजी डॉ. सी.बी. सतपथी द्वारा लिखी गई पुस्तकों को रखने के लिए एक विशेष अलमारी भी है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उनकी रचनाएँ भक्तों और विद्वानों के लिए सुलभ रहें।

अस्पताल में ब्लड प्रेशर मापने के नाम पर किशोरी से छेड़छाड़ का आरोप, हाडोआ में विरोध प्रदर्शन

संवाददाता

कोलकाता। एक मरीज के साथ छेड़छाड़ का भी आरोप लगाया गया। डायमंड हार्बर मेडिकल कॉलेज के बाद अब यह हाडोआ ग्रामीण अस्पताल है। उत्तर 24 परगना के हाडोआ ग्रामीण अस्पताल के एक कर्मचारी पर रक्तचाप मापने के नाम पर एक किशोरी से छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया गया है। निवासियों ने आरोपी स्वास्थ्यकर्मी को सजा देने की मांग करते हुए सड़क पर टायर जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने स्वास्थ्यकर्मी को पहले ही गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस और स्थानीय सूत्रों के अनुसार, किशोरी को शारीरिक बीमारी के कारण गुरुवार को हाडोआ ग्रामीण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। शुक्रवार की सुबह एक अस्पताल कर्मचारी उनका रक्तचाप जांचने गया। रक्तचाप की माप पूरी होने के बाद, कर्मचारी चला गया। थोड़ी देर बाद

वह लड़की के पास वापस आया। उन्होंने उसे बुलाया और दूसरे कमरे में ले जाकर कहा कि उसका रक्तचाप फिर से मापा जाएगा। कथित तौर पर स्वास्थ्य कार्यकर्ता लड़की को वहां ले गया और उसके शरीर के विभिन्न अंगों को छूने लगा। लड़की ने उसे धक्का देकर दूर धकेलने की कोशिश की। आरोप है कि स्वास्थ्यकर्मी ने उसे घर में ही बंधक बना लिया। तभी लड़की चिल्लाने लगी। तभी स्वास्थ्यकर्मी डरकर वहां से भाग गया।

वार्ड में वापस आने पर किशोरी ने अपनी मां को स्वास्थ्यकर्मी की करतूत के बारे में बताया। लड़की के परिवार के सदस्यों ने स्वास्थ्यकर्मी को सजा देने की मांग को लेकर अस्पताल में विरोध प्रदर्शन किया। कथित तौर पर, जब अस्पताल प्रशासन ने मामले पर ध्यान नहीं दिया तो परिजनों और स्थानीय निवासियों ने अस्पताल के सामने सड़क पर टायर जलाकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। आरोपी स्वास्थ्यकर्मी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

विद्यासागर ब्रिज पर दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत

कोलकाता। विद्यासागर ब्रिज पर सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत। मृतक हावड़ा का निवासी बताया जा रहा है। एक अन्य घायल व्यक्ति का अस्पताल में इलाज चल रहा है। हेस्टिंग्स पुलिस दुर्घटना के कारण की जांच कर रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार मृतक का नाम मनोज शाह है। उम्र 45 वर्ष। हावड़ा निवासी मनोज और उनके भाई शुक्रवार को स्कूटी पर सवार होकर कोलकाता के बड़ाबाजार में काम पर जा रहे थे। मनोज स्कूटी चला रहा था। अचानक दोनों का नियंत्रण खो गया और वे सड़क पर गिर गए। दोनों ने हेलमेट पहन रखा था। गिरने के बाद, इससे पहले कि वे उठ पाते, पीछे से आ रहे एक मालवाहक ट्रक ने दोनों भाइयों को टक्कर मार दी। वे दोनों गिर गए। खबर मिलते ही हेस्टिंग्स थाना की पुलिस और विद्यासागर ब्रिज सुरक्षा के पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, शनिवार 01 मार्च 2025

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

प्रधानमंत्री आवास योजनाः एक सप्ताह के भीतर सभी पात्र लाभुकों का सर्वे पूरा करने का निर्देश

छतरपुर। प्रखंड कार्यालय सभागार में सभी योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्रखंड स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इस बैठक में अबुआ आवास योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, प्रधानमंत्री जनमन योजना, मनरेगा, बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना, बिरसा हरित ग्राम योजना, सर्वजन पेंशन योजना, मुख्यमंत्री मइंया सम्मान योजना समेत अन्य योजनाओं की समीक्षा की गई। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत सर्वे कार्य की धीमी प्रगति पर चिंता जताई गई। रुदवा, मुनकेरी, नौडीहा, मुरुमदाग और मड़वा पंचायतों के पंचायत सचिवों एवं चेराई के रोजगार सेवक को स्पष्टीकरण जारी किया गया। प्रशासन ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि एक सप्ताह के भीतर सभी पात्र लाभुकों का सर्वे पूरा किया जाए, अन्यथा संबंधित कर्मियों पर कठोरतम कार्रवाई की जाएगी। सरकार की इन योजनाओं का उद्देश्य गरीबों को आवास और अन्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना है। अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे लाभुकों को योजनाओं का लाभ दिलाने में कोई कोताही न बरतें।

मिशन समृद्धि संस्था बच्चों को निःशुल्क शिक्षा देने के संकल्प को कर रही साकार

मेदिनीनगर। मिशन समृद्धि संस्था के तहत समृद्धि की पाठशाला शिक्षा के क्षेत्र में लगातार नए आयाम स्थापित कर रही है। यह संस्था दूरदराज के जरूरतमंद बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान कर रही है। संस्था की अध्यक्ष शीला श्रीवास्तव ने बताया कि शुरूआत में छोटे बच्चे बड़े बच्चों के साथ पढ़ते थे, जिससे शिक्षा का पूरा लाभ नहीं मिल पाता था। लगभग नौ-दस वर्षों के प्रयास के बाद अब बच्चे शिक्षा के प्रति अधिक जागरूक हो चुके हैं। अब संस्था में चार से बारह वर्ष तक के बच्चों को व्यवस्थित शिक्षा दी जा रही है, जिससे उनकी पढ़ाई में सुधार हो रहा है। मिशन समृद्धि की पाठशाला अब सप्ताह में तीन दिन कचरवा और पांच दिन जनकपुरी में चलाई जा रही है। संस्था का उद्देश्य पढ़े पलामू, बढ़े पलामू को साकार करना है। निःशुल्क शिक्षा देने की इस पहल में आशा शर्मा, अहिल्या गिरि, बैजन्ती गुप्ता, वीणा राज, रंजीता और ममता का विशेष योगदान है। यह संस्था समाज और राष्ट्र को एक सभ्य और संस्कारित भविष्य सौंपने की जिम्मेदारी उठा रही है।

बरवाडीह के रगनिया गांव से युवक रहस्यमय तरीके से लापता, परिजन परेशान

बरवाडीह। बरवाडीह प्रखंड के रगनिया गांव निवासी 29 वर्षीय बीरेंद्र राम, पिता भवनाथ राम, बीते 18 फरवरी की रात से रहस्यमय तरीके से लापता हैं। परिजनों के अनुसार, रात 9:25 बजे बीरेंद्र राम घर से यह कहकर निकले थे कि उन्हें जयराम सिंह के घर किसी काम से जाना है और वहां से अपने चने के खेत में सोने चले जाएंगे। लेकिन जब अगली सुबह तक वह घर नहीं लौटे, तो उनकी पत्नी ने अपने मामा को फोन कर इस बारे में जानकारी दी। परिवार ने तुरंत उनकी तलाश शुरू की। जब परिजनों ने जयराम सिंह के घर जाकर पूछताछ की, तो उन्होंने बताया कि बीरेंद्र वहां आया ही नहीं है। परिजनों ने कई दिनों तक खुद ही उनकी तलाश की, लेकिन जब कोई जानकारी नहीं मिली, तो 21 फरवरी को वे बरवाडीह थाना पहुंचे और गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। हालांकि, रिपोर्ट दर्ज कराने के बाद भी कई दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब तक बीरेंद्र राम का कोई अता-पता नहीं चल सका है, जिससे परिवार के लोग बेहद चिंतित और परेशान हैं। परिजनों ने प्रशासन से युवक की जल्द से जल्द तलाश करने और इस मामले में उचित कार्रवाई करने की अपील की है। इस मामले में बरवाडीह थाना प्रभारी राधेश्याम कुमार ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है और जल्द ही हमारी जांच टीम बीरेंद्र राम के गुमशुदगी का पता लगा लेगी। पुलिस ने ग्रामीणों से भी अपील की है कि अगर किसी को बीरेंद्र राम के बारे में कोई जानकारी मिले, तो तुरंत पुलिस को सूचित करें।

रमजान का चांद नहीं दिखा, रविवार से शुरू होगा रोजा

मेदिनीनगर। रमजान के मुकद्दस महीने की शुरूआत को लेकर खगोलविदों और धार्मिक गुरुओं की नजरें चांद पर टिकी थीं, लेकिन आसमान में चांद का दीदार नहीं हुआ। इस कारण अब माहे रमजान का पहला रोजा रविवार से शुरू होगा। रमजान का चांद दिखते ही खनवां स्थित हाजी अनवर अहमद अंसारी के घर पर विशेष नमाज तरावीह की शुरूआत कर दी जाती है। लेकिन शुक्रवार को चांद नहीं दिखा, इसलिए यह विशेष नमाज अब शनिवार को रात 8:15 बजे से शुरू होगी। इस नमाज का आयोजन हर साल किया जाता है, ताकि स्थानीय मुस्लिम समुदाय के लोग आसानी से इबादत कर सकें। इस विशेष तरावीह की नमाज की शुरूआत आज से करीब 25 साल पहले मरहूम रफीक अहमद की गुजारिश पर हाफिज अख्तर साहब पलामूवी ने कारी जसीमुद्दीन शमीमी और मरहूम शरीफ अंसारी की सदारत में की थी। तब से यह परंपरा लगातार चली आ रही है। इस बार भी नमाज पढ़ाने की जिम्मेदारी हाफिज आबिद रजा कादरी को दी गई है, जो पिछले तीन वर्षों से तरावीह की नमाज अदा कराते आ रहे हैं।इंतजामिया कमिटी के सदर कमरुद्दीन अंसारी ने हाजी अनवर अहमद और पूरी कमिटी को इस आयोजन के लिए मुबारकबाद दी।

आम व अरहर की फसल बचाने के लिए कीटनाशक छिड़काव करें : कृषि वैज्ञानिक

संवाददाता

मेदिनीनगर। पौधा संरक्षण विभाग के तत्वावधान में छतरपुर प्रखंड सभागार में एक महत्वपूर्ण वैज्ञानिक अंतरमिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी आशीष कुमार साहू ने की। इस दौरान कृषि विज्ञान केंद्र एवं क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र के वैज्ञानिकों ने किसानों को खेती बचाने और फसलों को हानिकारक कीटों से बचाने के उपाय बताए। वैज्ञानिक प्रमोद कुमार और कृषि विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञ दिलीप कुमार पांडेय ने किसानों को आम, संतरा, अमरूद, कटहल और कश्मीरी

बेर जैसे फलदार पौधे लगाने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि इन फसलों की खेती से किसानों को आर्थिक लाभ मिल सकता है और उनकी आमदनी में वृद्धि हो सकती है। आम के मंजर में मधुआ कीट का प्रकोप काफी हानिकारक साबित हो सकता है। इससे बचाव के लिए वैज्ञानिकों ने इमिडाक्लोप्रिड और एसीफेट कीटनाशक का छिड़काव करने की सलाह दी। वहीं अरहर की फसल में फल छेदक कीट से बचाव के लिए इमामेक्टिन बेंजोएट के घोल का छिड़काव करना आवश्यक बताया गया। प्रखंड विकास पदाधिकारी आशीष कुमार साहू ने किसानों को वैज्ञानिकों की सलाह को गंभीरता से अपनाने की बात कही। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों की यह सलाह किसानों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है और यदि इसे अपनाया जाए तो फसलों को भारी नुकसान से बचाया जा सकता है। कार्यक्रम का संचालन छतरपुर प्रखंड के बीटीएम संजय कुमार ने किया। इस अवसर पर नौडीहा पंचायत के मुखिया हरेंद्र सिंह, प्रखंड कृषि पदाधिकारी संजीव कुमार सिंह, एटीएम सुनैना कुमारी, सुशील कुमार मिश्रा, रंजीत कुमार सहित नावाबाजार, पिपरा और छतरपुर के कई किसान उपस्थित थे। किसानों ने वैज्ञानिकों से अपनी फसलों से संबंधित कई सवाल पूछे, जिनका विशेषज्ञों ने विस्तार से उत्तर दिया।

बिना पंजीकरण आर.ओ. वॉटर प्लांट चलाने पर 50,000 रुपये का जुर्माना

छतरपुर। छतरपुर नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी फैजूर रहमान ने नगर क्षेत्र में संचालित सभी आर.ओ. वॉटर प्लांट संचालकों को 15 दिनों के भीतर अनुज्ञप्ति प्राप्त करने का निर्देश दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी संचालकों को नगर पंचायत में आवेदन जमा करना अनिवार्य होगा। इसके अलावा, कुआं, तालाब, बोरिंग और डिप बोरिंग कराने के लिए भी नगर पंचायत से अनुमति लेना जरूरी होगा। बिना पंजीकरण के आर.ओ. वॉटर प्लांट का संचालन अवैध माना जाएगा और इस स्थिति में 50,000 रुपये का दंड शुल्क लगाया जाएगा। यदि संचालक यह शुल्क नहीं भरते हैं, तो नगर पंचायत संयंत्र को सील कर देगी। यह कदम पानी की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और अनियमित जल आपूर्ति व्यवसायों पर नियंत्रण रखने के लिए उठाया गया है। नगर प्रशासन ने सख्त चेतावनी दी है कि कोई भी प्लांट बिना अनुमति के चलता पाया गया तो कठोर कार्रवाई की जाएगी।

बरवाडीह में अवैध ईंट भट्ठों का धड़ल्ले से संचालन, प्रशासनिक हस्तक्षेप नहीं

संवाददाता

बरवाडीह। बरवाडीह प्रखंड में सालों से बड़े पैमाने पर अवैध ईंट भट्ठों का कारोबार चल रहा है, जबकि यह पूरा क्षेत्र इको-सेंसिटिव जोन में आता है। पर्यावरण नियमों के अनुसार, ऐसे इलाकों में ईंट भट्ठा लगाना प्रतिबंधित है, लेकिन इसके बावजूद प्रखंड मुख्यालय सहित सुदूरवर्ती इलाकों में धड़ल्ले से अवैध ईंट भट्ठे संचालित किए जा रहे हैं। इन ईंट भट्ठों के संचालक इको-सेंसिटिव जोन के नियमों की बार-बार अनदेखी कर रहे हैं और अंचल से लेकर जिला प्रशासन तक इस मामले पर कोई गंभीरता नहीं दिखा रहा है। ईंट भट्ठों के इस अवैध संचालन के कारण न केवल पर्यावरण को नुकसान हो रहा है, बल्कि सरकार को भी लाखों रुपये के खनिज राजस्व की हानि हो रही है। साथ ही, ईंट के दामों में भी बेतहाशा वृद्धि देखने को मिल रही है, जिससे आम लोगों को भी परेशानी हो रही है।

इतना ही नहीं, भट्ठा संचालक नियमों को दरकिनार कर नदी-नालों के किनारे अवैध रूप से ईंट भट्ठे चला रहे हैं, जिससे जलस्रोत भी प्रभावित हो रहे हैं और भूजल स्तर तेजी से नीचे गिर रहा है। हालांकि, अंचलाधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि कुछ भट्ठा संचालकों को नोटिस जारी किया गया है। उन्होंने कहा कि सभी अवैध ईंट भट्ठों के संचालकों को नोटिस देकर अंचल कार्यालय में दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए बुलाया गया है। दस्तावेजों की जांच के बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अंचलाधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि जो ईंट भट्ठे संचालक प्रशासन के आदेश को नजरअंदाज करेंगे, उनके भट्ठों को ध्वस्त करने और सील करने की कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोगों ने भी प्रशासन से मांग की है कि इन अवैध ईंट भट्ठों पर सख्ती से रोक लगाई जाए और इको-सेंसिटिव जोन की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। ग्रामीणों का कहना है कि अगर जल्द ही इन ईंट भट्ठों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो वे बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

पिपरा के बीईईओ, बीपीओ और एमडीएम ऑपरेटर से मांगा गया स्पष्टीकरण

पीएम पोषण शक्ति निर्माण योजना में एसएमएस रिपोर्टिंग में लापरवाही पर शिक्षा विभाग ने लिया संज्ञान

संवाददाता

मेदिनीनगर। उपायुक्त-सह-जिला स्तरीय स्टीयरिंग एवं मॉनिटरिंग कमेटी के अध्यक्ष शशि रंजन के निर्देश पर जिला शिक्षा पदाधिकारी और जिला शिक्षा अधीक्षक ने जिले के सभी ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों, बीपीओ और एमडीएम ऑपरेटरों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। इस बैठक में पीएम पोषण शक्ति निर्माण योजना के तहत विद्यालयों में संचालित योजनाओं की समीक्षा की गई। बैठक के दौरान पाया गया कि पिपरा क्षेत्र के कई विद्यालयों में प्रतिदिन छात्रों की उपस्थिति, अनाज की उपलब्धता, पूरक पोषाहार वितरण, कुकिंग कॉस्ट और अन्य सूचनाओं को एसएमएस के माध्यम से समय पर नहीं भेजा जा रहा है। इस लापरवाही पर सख्त रुख अपनाते हुए जिला शिक्षा अधीक्षक ने पिपरा के बीईईओ, बीपीओ और एमडीएम ऑपरेटर से स्पष्टीकरण मांगा है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए

कि यदि संतोषजनक उत्तर नहीं मिला तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि पीएम पोषण शक्ति निर्माण योजना के तहत 100% एसएमएस रिपोर्टिंग सुनिश्चित की जानी चाहिए ताकि योजना का लाभ सही समय पर सभी विद्यार्थियों को मिल सके। इसके अलावा, उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि विद्यालयों में छात्रों की नियमित उपस्थिति बढ़ाने, आयरन और फॉलिक एसिड की गोलियां छात्रों को समय पर देने, और आयुष्मान भारत- मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत सभी रसोइया-सह-सहायिकाओं का पंजीकरण सुनिश्चित किया जाय। उपायुक्त पलामू के निदेर्शानुसार, अब जिला एमडीएम ऑपरेटर प्रतिदिन 25 विद्यालयों और प्रखंड एमडीएम ऑपरेटर 10 विद्यालयों का फोन के माध्यम से अनुश्रवण करेंगे। इससे विद्यालयों में पोषण योजना की निगरानी बेहतर होगी और प्रशासन को वास्तविक जानकारी प्राप्त होगी। बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी सौरभ प्रकाश, जिला शिक्षा अधीक्षक संदीप कुमार के अलावा सभी बीईईओ, बीपीओ और एमडीएम ऑपरेटर उपस्थित थे। सभी अधिकारियों को स्पष्ट रूप से हिदायत दी गई कि भविष्य में ऐसी लापरवाही दोबारा नहीं होनी चाहिए।

शहरी स्वास्थ्य केंद्र खोलने की मांग को लेकर धरना और प्रदर्शन

संवाददाता

हरिहरगंज। हरिहरगंज शहर में लंबे समय से शहरी स्वास्थ्य केंद्र की मांग उठ रही थी, लेकिन प्रशासन की अनदेखी के कारण यह समस्या बनी हुई है। इसी मुद्दे को लेकर शुक्रवार को ग्रामीणों और शहरी निवासियों ने सड़क पर उतरकर जोरदार प्रदर्शन किया और धरना दिया। धरना प्रदर्शन का नेतृत्व समाजवादी पार्टी के नेता और हरिहरगंज-हुसैनाबाद विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी कमलेश कुमार यादव ने किया। उन्होंने कहा कि यदि एक सप्ताह के भीतर प्रशासन इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाता है, यदि तब भी कोई निर्णय नहीं लिया गया, तो मजबूरी में आमरण अनशन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हरिहरगंज जैसे महत्वपूर्ण कस्बे में शहरी स्वास्थ्य केंद्र न होने के कारण लोगों को बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मामूली बीमारी के इलाज के लिए भी उन्हें महंगे निजी अस्पतालों में जाना पड़ता है, जिससे गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ जाता है। महंगाई के इस दौर में जीवन यापन पहले से ही कठिन हो गया है और ऐसे में इलाज की महंगी व्यवस्था लोगों के लिए और भी मुश्किलें खड़ी कर रही है। श्री यादव ने यह भी कहा कि यदि शहरी स्वास्थ्य केंद्र स्थापित हो जाता है, तो सड़क दुर्घटनाओं और अन्य आपातकालीन स्थितियों में त्वरित चिकित्सा सहायता मिल सकेगी और कई लोगों की जान बचाई जा सकेगी। धरना प्रदर्शन में सेवानिवृत्त शिक्षक रामजी बौद्ध, अनिल शौंडिक, अमित यादव, चंदन कुमार, दिलकेश्वर राम, रश्मि ठाकुर, कलावती ठाकुर, पुष्प कुमार, रामाशीष साव, कृष्णा पासवान सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

झारखंड के तिरंगा वाले शौकत खान को पटना में सम्मानित करेंगी फिल्म अभिनेत्री जया प्रदा

राष्ट्र सेवा और निःस्वार्थ समाजसेवा के लिए बीईबी एक्सीलेंस अवॉर्ड 2025 से नवाजे जाएंगे शौकत खान

संवाददाता

गढ़वा। झारखंड के प्रसिद्ध समाजसेवी शौकत खान को उनके निःस्वार्थ सेवा कार्यों के लिए 9 मार्च को पटना में आयोजित राष्ट्रीय तिरंगा सम्मान समारोह में सम्मानित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में उन्हें यह सम्मान हिंदी फिल्म जगत की मशहूर अभिनेत्री एवं सांसद जया प्रदा के हाथों प्रदान किया जाएगा। शौकत खान ने बताया कि यह उनके लिए एक गौरवशाली क्षण है कि उनके सेवा कार्यों को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली है। वे बीईबी एक्सीलेंस अवॉर्ड 2025 से सम्मानित किए जाएंगे। शौकत खान पिछले 11 वर्षों से राष्ट्र, सेना और शहीदों के

सम्मान में निःस्वार्थ सेवा कार्य कर रहे हैं। उन्होंने हर घर तिरंगा अभियान की शुरूआत 11 साल पहले की थी, जिसके तहत अब तक 2 लाख से अधिक नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज भेंट किया गया। उनकी इस पहल को भारत सरकार ने भी सराहा और इसे आजादी के अमृत महोत्सव के तहत लागू किया गया।

शौकत खान न केवल तिरंगा सम्मान अभियान चलाते हैं, बल्कि उन्होंने गरीबों के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं भी शुरू की हैं। इनमें निःशुल्क कपड़ा बैंक, चावल बैंक, सत्तू बैंक और पुस्तक बैंक शामिल हैं। अब तक वे 10 लाख से अधिक गरीबों को कपड़े, अनाज और अन्य आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध करा चुके हैं। उनकी इन सेवाओं से हजारों जरूरतमंद लोगों को राहत मिली है। सबसे खास बात यह है कि शौकत खान किसी भी प्रकार का आर्थिक सहयोग नहीं लेते, उनका कोई एनजीओ नहीं है, और वे किसी राजनीतिक दल से भी जुड़े नहीं हैं। वे पूरी तरह निःस्वार्थ भाव से समाज सेवा कर रहे हैं। उनके इन कार्यों में उनका परिवार भी पूरा सहयोग करता है। उनका सेवा कार्य झारखंड के पहले शौर्य चक्र विजेता शहीद आशीष कुमार तिवारी के नाम समर्पित है। वे आगे भी इसी तरह समाजसेवा करते रहने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

अनियंत्रित कोयला लदा ट्रक घर में घुसा, चालक की मौत

लातेहार। जिले के मनिका थाना क्षेत्र के रेवत गांव के बहेर चौक के पास कोयला लदा एक अनियंत्रित हाइवा ग्रामीणों के घर में घुस गया. इस घटना में हाइवा चालक की मौत हो गई जबकि हाइवा का खलासी गंभीर रूप से घायल हो गया. वहीं घटना में दो ग्रामीणों का घर और एक दुकान भी तबाह हो गई. मृतक चालक की पहचान कुंदन कुमार के रूप में हुई है, जो लातेहार थाना क्षेत्र का रहने वाला है. बताया जाता है कि हाइवा में अवैध कोयला लदा था. हालांकि पुलिस इसकी जांच कर रही है।दरअसल बीती रात करीब 1:00 बजे कोयला लदा हाइवा हेरहंज से तेज रफ्तार में मनिका की ओर आ रहा था. इसी दौरान हाइवा अचानक अनियंत्रित होकर बहेर चौक के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे ग्रामीणों का घर और दुकान ध्वस्त हो गया. इस घटना में हाइवा चालक कुंदन की मौके पर ही मौत हो गई. इस घटना में ग्रामीण नागेश्वर यादव और राजकिशोर यादव का घर और दुकान पूरी तरह से तबाह हो गया. गनीमत रही कि घटना के वक्त दुकान में कोई नहीं था और घर के लोग भी अंदर कमरे में सो रहे थे. नहीं तो घटना और बड़ी हो सकती थी।

छापेमारी बिना निबंधन और बिना योग्य डॉक्टर के जारी था ऑपरेशन

प्रशासन ने अस्पताल को किया सील, संचालक पर प्राथमिकी दर्ज

संवाददाता

छतरपुर। छतरपुर के सरईडीह रोड स्थित वर्मा सेवा सदन नामक अस्पताल में अनुमंडल पदाधिकारी की अध्यक्षता में गठित एक जांच दल ने बीते 6 फरवरी को छापेमारी की थी। इस छापेमारी के दौरान कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। अस्पताल का निबंधन समाप्त होने के बावजूद उसका संचालन किया जा रहा था। सबसे चौंकाने वाली बात यह थी कि बिना किसी योग्य सर्जन की उपस्थिति में वहां ऑपरेशन किए जा रहे थे। इसके अलावा, अस्पताल के आईपीडी रजिस्टर की भी कोई

व्यवस्था नहीं थी, जिससे यह साफ हो गया कि अस्पताल में इलाज के नाम पर भारी लापरवाही बरती जा रही थी। जब छापेमारी हुई, तब अस्पताल में मरीज भर्ती थे, इसलिए प्रशासन ने ओपीडी क्षेत्र को सील कर संचालक से स्पष्टीकरण मांगा था।

लेकिन जब 22 फरवरी को दोबारा जांच की गई, तो पाया गया कि अस्पताल प्रशासन की ओर से संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया था।

इसके बाद प्रशासन ने अस्पताल को पूरी तरह से सील कर दिया और संचालक सुनील कुमार वर्मा के खिलाफ छतरपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई। इस जांच दल में अंचलाधिकारी उपेंद्र कुमार, उपाधीक्षक डॉ० राजेश अग्रवाल और डाटा प्रबंधक अमित कुमार शामिल थे। अधिकारियों ने स्पष्ट रूप से कहा कि अस्पताल प्रशासन की घोर लापरवाही को देखते हुए इसे पूरी तरह बंद करने का निर्णय लिया गया है।

छतरपुर के लोगों ने प्रशासन के इस कदम का स्वागत किया है और मांग की है कि भविष्य में भी ऐसे फर्जी अस्पतालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि आम जनता के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ न हो सके। वहीं, प्रशासन ने भी स्पष्ट किया है कि जिले में जितने भी निजी अस्पताल संचालित हो रहे हैं, उनकी गहन जांच की जाएगी और अगर किसी में कोई अनियमितता पाई जाती है, तो उसके खिलाफ भी सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दो न्यायालय कर्मियों का सेवानिवृत्ति पर सम्मान, विदाई समारोह में भावुक हुए साथी

संवाददाता

मेदिनीनगर। सिविल कोर्ट पलामू में एक भावुक माहौल देखने को मिला, जब दो वरिष्ठ न्यायालय कर्मी अपनी सेवा से सेवानिवृत्त हुए। प्रभारी सिरिस्तेदार अनिल कुमार शर्मा और तृतीय वर्ग कर्मचारी आशुतोष कुमार सिंह को सेवा निवृत्ति के अवसर पर एक भव्य विदाई समारोह में सम्मानित किया गया। सिविल कोर्ट के सिरिस्तेदार कार्यालय में आयोजित इस विदाई समारोह में न्यायालय के तृतीय और चतुर्थ वर्ग के कर्मचारियों ने भाग लिया। इस दौरान दोनों सेवानिवृत्त कर्मियों को माला पहनाकर, पुष्पगुच्छ भेंटकर और सम्मान पत्र देकर उनका अभिनंदन किया गया। अनिल कुमार शर्मा ने कहा कि

सरकारी सेवा में रहते हुए उन्हें कई अनुभवी और विद्वान लोगों से सीखने का अवसर मिला। उन्होंने गर्व के साथ कहा कि 39 वर्षों तक उन्होंने पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ अपनी सेवाएं दी हैं और इस बात से उन्हें संतुष्टि मिली है। संजय कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि सरकारी नौकरी में नियुक्ति के साथ ही सेवानिवृत्ति की तिथि तय हो जाती है, लेकिन जब वह दिन आता है, तो मन में मिश्रित भावनाएं उमड़ने लगती हैं। उन्होंने कहा कि अनिल कुमार शर्मा और आशुतोष कुमार सिंह अपने सेवाकाल के दौरान बेहद मेहनती, ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ रहे हैं, और उनकी कमी न्यायालय में हमेशा खलेगी। शैलेश कुमार ने कहा कि दोनों अनुभवी कर्मी हमेशा सुलझे हुए स्वभाव के रहे हैं और अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाया है। रवि भूषण ने कहा कि इनकी विदाई में जितना भी कहा जाए, कम होगा।

हिन्दी दैनिक झारखंड दर्शन बोकारो, शनिवार 01 मार्च 2025 E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

शुभमन गिल होंगे भारत के कप्तान!

नई दिल्ली। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के ग्रुप ए के अंतिम मैच में भारतीय टीम में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। टीम के नियमित कप्तान रोहित शर्मा को हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण आराम दिए जाने के संकेत मिल रहे हैं, और ऐसे में शुभमन गिल को इस अहम मुकाबले में भारत की अगुवाई करने का मौका मिल सकता है। दुबई में रविवार को होने वाला यह मैच काफी रोमांचक होने वाला है। हालांकि सेमीफाइनल में दोनों टीमों की जगह पहले ही तय हो चुकी है, लेकिन फिर भी इस मैच की अहमियत बनी हुई है। रोहित शर्मा को पाकिस्तान के खिलाफ मैच के दौरान चोट लगी थी और तब से उनकी फिटनेस को लेकर सवाल उठ रहे हैं। दुबई में आगामी सेमीफाइनल मैच के मद्देनजर यह भारत के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय बन गया है। रोहित की चोट के कारण उन्हें आराम देने का विचार किया जा रहा है, और उनकी जगह ऋषभ पंत या वाशिंगटन सुंदर को मौका मिल सकता है।

जोशुआ चेप्टेगी टोक्यो मैराथन में लेंगे हिस्सा, मजबूत प्रदर्शन की उम्मीद

कंपाला। युगांडा के ओलंपिक चैंपियन जोशुआ चेप्टेगी 2 मार्च को टोक्यो मैराथन में अपनी चुनौती पेश करेंगे। 5,000 मीटर और 10,000 मीटर में ओलंपिक स्वर्ण पदक जीत चुके चेप्टेगी इस मैराथन में अच्छे प्रदर्शन के इरादे से उतरेंगे। चेप्टेगी ने कहा, मैंने पिछले साल वेलेंसिया मैराथन में पदार्पण किया था और 37वें स्थान पर रहा था। अब मैं बेहतर स्थिति में हूं और अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद करता हूं। उन्होंने बताया कि वह पिछले कुछ महीनों से गहन प्रशिक्षण में जुटे हुए हैं। चेप्टेगी के साथ युगांडा के स्टीफन किस्सा भी टोक्यो मैराथन में उतरेंगे। किस्सा ने 2022 हैम्बर्ग मैराथन में 2:04:48 का राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था। उन्होंने कहा, मैं शारीरिक और मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार हूं और इस प्रतियोगिता को लेकर उत्साहित हूं। हालांकि, युगांडा की इस जोड़ी को कड़ी चुनौती मिलने की संभावना है। गत चैंपियन केन्या के बेन्सन किप्रुटो और इथियोपिया के डेरेसा गेलेटा भी खिताब के दावेदारों में शामिल हैं। गौरतलब है कि टोक्यो मैराथन 2025 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए चयन परीक्षण के रूप में भी कार्य करेगा, जिससे इस प्रतिस्पर्धा का महत्व और बढ़ गया है।

पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ ने फीफा संशोधनों को दी मंजूरी, निलंबन हटने की उम्मीद

इस्लामाबाद। पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ (पीएफएफ) ने गुरुवार को फीफा द्वारा प्रस्तावित संवैधानिक संशोधनों को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी, जिससे देश की अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में वापसी की संभावनाएं प्रबल हो गई हैं। फीफा ने 6 फरवरी को पीएफएफ द्वारा चुनावी सुधारों को खारिज करने के बाद पाकिस्तान पर आठ साल में तीसरी बार अंतरराष्ट्रीय निलंबन लगाया था। लाहौर में आयोजित असाधारण कांग्रेस में पीएफएफ ने 23-0 के मतों से संशोधनों को मंजूरी दी। इस बैठक में फीफा और एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) के अधिकारी भी उपस्थित थे। पीएफएफ ने एक बयान में कहा, कांग्रेस सदस्यों ने पाकिस्तान फुटबॉल के सर्वोत्तम हित में फीफा द्वारा प्रस्तावित संशोधनों का समर्थन किया, जिससे फीफा का निलंबन हटने की उम्मीद के बाद एएफसी एशियाई कप क्वालीफायर में राष्ट्रीय टीम की भागीदारी का मार्ग प्रशस्त हो गया। पाकिस्तान को उम्मीद है कि 2027 एशियाई कप क्वालीफायर में 25 मार्च को सीरिया के खिलाफ होने वाले मुकाबले से पहले निलंबन हटा लिया जाएगा। एएफसी ने पीएफएफ से कहा है कि प्रतिबंध मंगलवार तक समाप्त हो जाना चाहिए, ताकि टीम क्वालीफायर में हिस्सा ले सके।

दानी सेबलोस चोटिल, मैदान से रह सकते हैं बाहर

एजेंसी

मैड्रिड। रियल मैड्रिड के मिडफील्डर दानी सेबलोस को कोपा डेल रे में रियल सोसिदाद के खिलाफ 1-0 की जीत के दौरान मांसपेशियों में चोट लगी है। क्लब ने गुरुवार को इसकी पुष्टि की। मैच के दूसरे हाफ में सेबलोस की टक्कर घरेलू खिलाड़ी टेक कुबो से हुई, जिसके बाद वह दर्द से कराहते हुए मैदान से बाहर चले गए।

रियल मैड्रिड ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर बताया, मेडिकल परीक्षणों में सेमीमेम्ब्रानोसस मांसपेशी में चोट पाई गई है, जो उनके बाएं हैमस्ट्रिंग के टेंडन को प्रभावित कर रही है। उनकी रिकवरी की अवधि का आकलन किया जाएगा। हालांकि क्लब ने ठीक होने की निश्चित समय-सीमा नहीं दी, लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक, सेबलोस को कम से कम दो महीने तक बाहर रहना पड़ सकता है। इस चोट के कारण वह चैंपियंस लीग के अंतिम-16 मुकाबले, संभावित क्वार्टर फाइनल, कई ला लीगा मैचों और कोपा डेल रे सेमीफाइनल के रिटर्न लेग से चूक सकते हैं।

कोपा डेल रे में रियल सोसिदाद के खिलाफ 1-0 की जीत के दौरान मांसपेशियों में चोट लगी

सेबलोस को कम से कम दो महीने तक बाहर रहना पड़ सकता है

सेबलोस ने सोशल मीडिया पर अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए लिखा, जिस समय मैं अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में था, उसी समय यह झटका लगना दुखद है। फुटबॉल आसान या निष्पक्ष नहीं है, लेकिन मुझे मजबूती से इसका सामना करना होगा।

मैं इससे भी कठिन दौर से वापसी कर चुका हूं। 28 वर्षीय सेबलोस, जो पूर्व में रियल बेटिस और आर्सेनल के लिए खेल चुके हैं, हाल के हफ्तों में कार्लो एंसेलोटी की टीम के लिए एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी रहे हैं। 2017 में क्लब में शामिल होने के बाद से वह अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में थे, ऐसे में यह चोट रियल मैड्रिड के लिए एक बड़ा झटका साबित हो सकती है।

टीएसटीए और टीपीएल ने की साझेदारी

एजेंसी

हैदराबाद। तेलंगाना में टेनिस को जमीनी स्तर पर विकसित करने के उद्देश्य से तेलंगाना राज्य टेनिस एसोसिएशन (टीएसटीए) ने टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) के साथ रणनीतिक साझेदारी की है। इस सहयोग के तहत रेस टू गोल्ड (आरटीजी) स्कॉलरशिप कार्यक्रम और तेलंगाना राज्य-रैंकिंग टूर्नामेंट आयोजित किए जाएंगे। टीएसटीए ने टीपीएल की राष्ट्रीय स्तर की आरटीजी पहल को अपनाते हुए, युवा प्रतिभाओं को निखारने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारत के अगले ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता को तैयार करना है। गौरतलब है कि भारत ने टेनिस में आखिरी बार 1996 में लिएंडर पेस के माध्यम से ओलंपिक पदक जीता था।

राज्य-रैंकिंग टूर्नामेंट और छात्रवृत्ति योजना

इस साझेदारी के तहत पूरे तेलंगाना में युवा खिलाड़ी राज्य-रैंकिंग टूर्नामेंट में भाग लेंगे, जिससे उन्हें महत्वपूर्ण मैच अनुभव और अपनी रैंकिंग सुधारने का अवसर मिलेगा।

प्रत्येक वर्ष 15 नवंबर तक शीर्ष रैंक वाले खिलाड़ी 75,000 के टेनिस उपकरण वाली प्रतिष्ठित आरटीजी छात्रवृत्ति के पात्र होंगे। टीएसटीए और टीपीएल अंडर-10, अंडर-12 और अंडर-14 श्रेणियों में राज्य-रैंकिंग टूर्नामेंट आयोजित करेंगे। ये प्रतियोगिताएं तेलंगाना के विभिन्न शहरों में होंगी, जिससे स्थानीय प्रतिभाओं को पहचानने और निखारने में मदद मिलेगी।

अधिकारियों की प्रतिक्रियाएं

टीएसटीए के अध्यक्ष के. आर. रमन ने इस साझेदारी पर कहा, हमारा लक्ष्य टेनिस को तेलंगाना में सबसे लोकप्रिय खेलों में से एक बनाना और राज्य को वैश्विक टेनिस मानचित्र पर लाना है। टीपीएल के सहयोग से हमें युवा खिलाड़ियों को एक संरचित विकास पथ देने का अवसर मिलेगा, जिससे तेलंगाना की प्रतिभाएं राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चमक सकेंगी। टीपीएल के सह-संस्थापक कुणाल ठाकुर ने कहा,टीपीएल ऐप को वास्तविक समय की ट्रैकिंग और संरचित टूनार्मेंट एक्सपोजर के साथ पेशेवर टेनिस के लिए एक सहज मार्ग बनाने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है। तेलंगाना इस पहल से जुड़ने वाला पहला दक्षिण भारतीय राज्य संघ बनकर एक नई शरुआत कर रहा है।

टीपीएल के सह-संस्थापक मृणाल जैन ने जोड़ते हुए कहा,यह साझेदारी युवा टेनिस खिलाड़ियों के विकास के लिए टीपीएल और टीएसटीए की साझा प्रतिबद्धता को दशार्ती है। राज्य-रैंकिंग टूर्नामेंट और आरटीजी कार्यक्रम उभरते खिलाड़ियों को बेहतर एक्सपोजर प्रदान करेंगे और एक मजबूत प्रतिभा पाइपलाइन तैयार करेंगे।

डब्ल्यूटीटी ने किए नियमों में बदलाव

स्वर्ण पदक विजेताओं को मिलेगा गोल्ड कार्ड

एजेंसी

बीजिंग। वर्ल्ड टेबल टेनिस (डब्ल्यूटीटी) ने शुक्रवार को अपनी हैंडबुक में बड़े बदलाव किए, जिसके तहत ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेताओं को विशेष ओलंपिक चैंपियंस गोल्ड कार्ड प्रदान किया जाएगा। इस कार्ड के जरिए वे सीधे डब्ल्यूटीटी ग्रैंड स्मैश और डब्ल्यूटीटी चैंपियंस में प्रवेश पा सकेंगे।

नए नियमों के तहत

प्रति लिंग अधिकतम पांच ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेताओं को आमंत्रित किया जाएगा, जिसमें टीम स्पर्धा के तीन, एकल के लिए एक और मिश्रित युगल के लिए एक खिलाड़ी शामिल होगा।

64-खिलाड़ी वाले डब्ल्यूटीटी ग्रैंड स्मैश में तीन गोल्ड कार्ड दिए जाएंगे, जिससे शीर्ष 50 खिलाड़ियों के लिए स्वचालित प्रविष्टि अब शीर्ष 47 से 50 के बीच होगी।

32-खिलाड़ी वाले डब्ल्यूटीटी चैंपियंस के लिए शीर्ष 27 से 30 खिलाड़ियों को अब विश्व रैंकिंग के आधार पर सीधा प्रवेश मिलेगा। ग्रैंड स्मैश एकल मुख्य ड्रॉ और क्वालीफाइंग के लिए प्रवेश की समय सीमा आयोजन से पांच से छह सप्ताह पहले होगी। अगर कोई ओलंपिक चैंपियन वर्तमान में विश्व रैंकिंग में शामिल नहीं है, तो उन्हें उनकी अंतिम सक्रिय रैंकिंग के आधार पर वरीयता दी जाएगी।

जानिक सिनर का लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर नामांकन रद्द

एजेंसी

पेरिस। लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अकादमी ने गुरुवार को घोषणा की कि वह 2025 लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर अवार्ड के लिए इतालवी टेनिस खिलाड़ी जानिक सिनर का नामांकन वापस ले रही है। यह फैसला विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) द्वारा लगाए गए तीन महीने के निलंबन के बाद लिया गया है।

अकादमी ने नामांकन पैनल को भेजे गए ईमेल में स्पष्ट किया कि निलंबन के कारण सिनर अब इस पुरस्कार के लिए योग्य नहीं हैं।

वाडा ने इस महीने की शुरुआत में खुलासा किया था कि मार्च 2024 में क्लोस्टेबोल के लिए सिनर का डोप टेस्ट पॉजिटिव आया था। इसके बाद, उन्होंने एक केस रिजॉल्यूशन समझौते में प्रवेश किया और तीन महीने के प्रतिबंध को स्वीकार कर लिया। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उन्होंने जानबूझकर प्रतिबंधित पदार्थ का सेवन नहीं किया और इससे उनके प्रदर्शन में कोई सुधार नहीं हुआ। बावजूद इसके, एथलीट अपने सहायक कर्मियों के कार्यों के लिए जिम्मेदार होते हैं। लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवार्ड्स 2025 के लिए नामांकित व्यक्तियों की पूरी सूची 3 मार्च को घोषित की जाएगी।

शशांक सिंह गूगल की सबसे ज्यादा सर्च किए गए एथलीटों की सूची में नौवें स्थान पर

शशांक सिंह ने कहा, मुझे नहीं पता था कि गूगल दुनिया भर में सर्च किए गए लोगों की सूची जारी करता है

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पिछले सीजन में अपने शानदार प्रदर्शन से सुर्खियों में आए पंजाब किंग्स के विस्फोटक बल्लेबाज शशांक सिंह ने एक और उपलब्धि हासिल की है।

शशांक को गूगल की 2024 में सबसे ज्यादा सर्च किए गए एथलीटों की सूची में नौवें स्थान पर जगह मिली है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय पंजाब किंग्स को दिया।

पिछले साल गुजरात टाइटंस के खिलाफ महज 29 गेंदों में नाबाद 61 रन की पारी खेलकर टीम को यादगार जीत दिलाने वाले शशांक ने इस उपलब्धि पर खुशी जताई। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता था कि गूगल दुनिया भर में सर्च किए गए लोगों की सूची जारी करता है। यह मेरे लिए बड़ी बात है।

अंदर से अच्छा लगता है कि भारत और दुनियाभर के लोग मेरा नाम सर्च कर रहे हैं और मेरे खेल के बारे में जान रहे हैं।

अपनी सफलता का श्रेय पंजाब किंग्स को देते हुए शशांक ने कहा, यह पंजाब किंग्स की वजह से संभव हो पाया। बहुत से टैलेंटेड क्रिकेटर हैं, लेकिन इस फ्रेंचाइजी ने हमेशा मुझ पर विश्वास दिखाया है और मुझे समर्थन दिया है। यह सच है कि मैंने कड़ी मेहनत की, लेकिन सही मंच मिलने से ही खिलाड़ी अपनी क्षमता साबित कर सकता है।

बेहद प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं सूर्यांश

इस सीजन में भी फ्रेंचाइजी द्वारा रिटेन किए गए शशांक अपने साथियों से मिलने को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, मैं श्रेयस अय्यर और सुर्यांश शेडगे से मिलने के लिए उत्साहित हूं। श्रेयस के साथ मैंने जूनियर स्तर पर और डीवाई पाटिल टी20 कप में खेला है और अब उनके नेतृत्व में खेलना रोमांचक होगा। सूर्यांश भी बेहद प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं और पंजाब किंग्स के लिए बड़ी संभावना हैं। शशांक ने टीम के प्रति अपने गहरे लगाव को भी व्यक्त किया। उन्होंने कहा, पिछले साल फ्रेंचाइजी ने जिस तरह से मेरा समर्थन किया, वह मेरे दिल के बहुत करीब है। अब मैं खुद को इस टीम से भावनात्मक रूप से जुड़ा हुआ महसूस करता हूं। मैं इस सीजन में भी पिछले साल की तरह बेहतर प्रदर्शन करूंगा ताकि टीम का विश्वास बनाए रख सकूं। आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स अपने अभियान की शुरूआत 25 मार्च को अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटंस के खिलाफ करेगी।

व्यापार

डिजाइन भारत के विरासत और भविष्य के विकास की कुंजी है : पीयूष गोयल

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान के 44वें दीक्षांत समारोह में 430 छात्रों को डिग्री प्रदान की गई

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि डिजाइन केवल सौंदर्य शास्त्र के संबंध में नहीं है। यह एक नवाचार है, जिसका भारतीय विरासत पर प्रभाव रहा है, जो देश के विकास में भूमिका निभाएगा।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में बताया कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी) के 44वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। गोयल ने कहा कि नए स्नातक विरासत और देश के भविष्य में सेतु का कार्य करेंगे। दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल, वाणिज्य एवं उद्योग राज्यमंत्री जितिन प्रसाद और गवर्निंग काउंसिल के सदस्य भी उपस्थित थे।

गोयल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विश्व के लिए 'मेक इन इंडिया' और 'डिजाइन इन इंडिया' के आह्वान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नए स्नातक इसे वास्तविक रूप देंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि समस्या समाधानकर्ता, नवोन्मेषक और डिजाइनर के रूप में ये स्नातक विश्व के लिए कार्य करेंगे। उन्होंने कहा, आप विश्व के निमार्ता होंगे, विश्व आपकी प्रतीक्षा कर रहा है। 44वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर विभिन्न विषयों के 430 छात्रों को डिग्री प्रदान की गई। वाणिज्य मंत्री ने अंतरिक्ष से लेकर सेमीकंडक्टर तक के क्षेत्रों में डिजाइन के बढ़ते महत्व पर जोर देते हुए बताया कि चंद्रयान अंतरिक्ष मिशन का पहला चरण उपग्रह का डिजाइन था, जिसने इसकी सफलता को जन्म दिया।

जी. किशन रेड्डी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के 175वें स्थापना दिवस समारोह का करेंगे उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी 4 मार्च को कोलकाता स्थित मुख्यालय में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) के 175वें स्थापना दिवस समारोह का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर जीएसआई के महानिदेशक असित साहा, संगठनों के प्रमुखों के साथ-साथ वरिष्ठ अधिकारी, भू-वैज्ञानिक और हितधारक भी उपस्थित रहेंगे। खान मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी एक बयान में बताया कि देश के सबसे पुराने वैज्ञानिक संगठनों में से एक भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) अपना 175वां स्थापना दिवस समारोह मनाने जा रहा है। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी 4 मार्च को कोलकाता स्थित केंद्रीय मुख्यालय में स्थापना दिवस समारोह का उद्घाटन करेंगे। इस

भव्य समारोह से पहले जीएसआई 2 मार्च 2025 को पूरे देश में वॉकथॉन का आयोजन करेगा, जिसमें जीएसआई के सभी कार्यालयों में भूवैज्ञानिक, छात्र, नीति निमार्ता और स्थानीय लोग भाग लेंगे।

मंत्रालय ने कहा कि जीएसआई 4 मार्च 2025 को अपने 175वें स्थापना दिवस समारोह के दौरान, कई मनोरंजक कार्यक्रमों, ज्ञानवर्धक प्रकाशनों के अनावरण और विशेष डाक कवर, माई स्टैम्प और दो भू-वैज्ञानिक मोबाइल ऐप की शुरूआत के साथ अपनी समृद्ध विरासत और वैज्ञानिक योगदान का प्रदर्शन करेगा। जीएसआई की 175 वर्षों की विरासत, उपलब्धियों और इसकी यात्रा को विविध प्रदर्शनियों और ऐतिहासिक फोटो गैलरी के माध्यम से दशार्या जाएगा।

उल्लेखनीय है कि जीएसआई देश के अग्रणी वैज्ञानिक संस्थानों में से एक है, जिसका रेलवे के लिए कोयले की खोज से लेकर भूविज्ञान में अत्याधुनिक नवाचारों को आगे बढ़ाने तक महत्वपूर्ण योगदान है। 175वां स्थापना दिवस समारोह न केवल जीएसई की समृद्ध विरासत को दर्शाएगा, बल्कि राष्ट्र की प्रगति के लिए भूवैज्ञानिक जांच, खनिज अन्वेषण और तकनीकी नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता की पुष्टि भी करेगा।

कर्मचारी भविष्य निधि जमा पर 8.25 फीसदी ब्याज दर बरकरार

एजेंसी

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) जमा पर 8.25 प्रतिशत की ब्याज दर बरकरार रखी है। सरकार के अनुमोदन के बाद ईपीएफ पर ब्याज ईपीएफओ के 7 करोड़ से अधिक ग्राहकों के खातों में जमा किया जायेगा।

इससे पहले ईपीएफओ ने फरवरी 2024 में 2023-24 के लिए ईपीएफ पर ब्याज दर मामूली रूप से बढ़ाकर 8.25 फीसदी कर दिया था, जो ब?याज दर 2022-23 में 8.15 फीसदी थी। अब ईपीएफओ की शीर्ष निर्णय लेने वाली संस्था केंद्रीय न्यासी बोर्ड (सीबीटी) ने आज अपनी बैठक में 2024-25 के लिए ईपीएफ पर 8.25 फीसदी ब्याज देने का फैसला किया है। सीबीटी के

निर्णय के बाद 2024-25 के लिए ईपीएफ जमा पर ब्याज दर को सहमति के लिए वित्त मंत्रालय को भेजा जाएगा। सरकार के अनुमोदन के बाद 2024-25 के लिए ईपीएफ पर ब्याज दर ईपीएफओ के सात करोड़ से अधिक ग्राहकों के खातों में जमा की जाएगी।

ईपीएफओ वित्त मंत्रालय के माध्यम से सरकार से अनुमोदन के बाद ही ब्याज दर प्रदान करता है। मार्च, 2020 में ईपीएफओ ने 2019-20 के लिए भविष्य निधि जमा पर ब्याज दर घटाकर सात साल के निचले स्तर 8.5 फीसदी कर दिया था, जबकि 2018-19 के लिए यह दर 8.65 फीसदी था।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, शनिवार 01 मार्च 2025

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

जयशंकर ने यूरोपीय संघ के नेताओं का स्वागत किया

नई दिल्ली। दिल्ली के हैदराबाद हाउस में आज भारत-यूरोपीय संघ व्यापार एवं प्रौद्योगिकी परिषद की बैठक शुरू होने से पहले विदेशमंत्री डॉ. एस जयशंकर ने यूरोपीय संघ के नेताओं का स्वागत किया। इस अवसर पर केंद्रीयमंत्री पीयूष गोयल और अश्विनी वैष्णव भी मौजूद रहे। बैठक में हिस्सा लेने पहुंचीं यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उसुर्ला वॉन डेर लेयेन ने कहा, "यह वास्तव में सौभाग्य और गर्व की बात है कि मैंने कल महात्मा गांधी के सम्मान में पुष्पांजलि अर्पित कर यह यात्रा शुरू की। किसी भी आर्थिक और कूटनीतिक संबंधों से ऊपर और परे मेरा मानना ??है कि यह एक ऐसी संस्कृति है जो भारत और यूरोप के लोगों को एक साथ बांधती है। हमारे पास खेल, कला और साहित्य के लिए एक साझा प्रेम है।"

मणिपुर में शांति बहाली के लिए राज्यपाल ने हथियार सरेंडर करने की समयसीमा बढ़ाई

इंफाल। मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने राज्य में लूटे गए और अवैध हथियारों को सरेंडर करने की समयसीमा बढ़ा दी है। अब राज्य के लोगों को लूटे गए और अवैध हथियारों को सरेंडर करने के लिए 6 मार्च शाम 4 बजे तक का समय दिया गया है। शुक्रवार को एक आधिकारिक बयान में इसकी पुष्टि की गई। राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने राज्य में राष्ट्रपति शासन लगने के बाद राज्य में शांति की बहाली के लिए एक पहल की थी।इसके तहत राज्यपाल ने राज्यभर के लोगों से अवैध या लूटे गए हथियारों को जमा करने के लिए 20 फरवरी को सात दिन का समय देकर चेतावनी दी गई थी कि इसके बाद अवैध हथियारों की रिकवरी के लिए सुरक्षाबलों का अभियान चलाया जाएगा। राज्यपाल के आदेश का व्यापक असर दिखा और इन सात दिनों में बड़ी संख्या में लोगों ने अवैध या लूटे हथियार और अन्यसामान सरेंडर कर दिया। शासन की यह समयसीमा गुरुवार को समाप्त हो गई।

जम्मू-कश्मीर के रामबन में हिजबुल के पांच आतंकवादियों की संपत्ति जब्त

रामबन। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने रामबन जिले के गूल इलाके में प्रतिबंधित आतंकवादी समूह हिजबुल मुजाहिदीन के पांच आतंकवादियों की अचल संपत्तियां जब्त की हैं। यह सभी पाकिस्तान अधिकृत जम्मू और कश्मीर में चले गए हैं और वहीं से अपनी गतिविधियां चला रहे हैं। गूल क्षेत्र के इन पांच निर्वासित आतंकवादियों की अचल संपत्तियों को जब्त करना आतंकवाद के वित्तपोषण नेटवर्क को खत्म करने और क्षेत्र में आतंकवाद के पुनरुत्थान को रोकने में एक निर्णायक कदम माना जा रहा है। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने शुक्रवार को कहा कि संगलदान के सराज दीन (48), दलवाह के रेयाज अहमद (45), बंज भीमदासा के फारूक अहमद (46) और मोइला के मोहम्मद अशरफ (50) और मुश्ताक अहमद (47) पाकिस्तान अधिकृत जम्मू और कश्मीर में चले गए हैं और वहीं से अपनी गतिविधियां चला रहे हैं। यह दहशतगर्द आतंकवादी गतिविधियों को वित्तपोषित करने के लिए इन संपत्तियों को बेचने की कोशिश कर रहे थे।

न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक घोटाला मामले में चौथा आरोपित गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक में 122 करोड़ रुपये के गबन के मामले में एक और वांछित आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। मुंबई पुलिस आरोपित को शुक्रवार को कोर्ट में पेश करेगी। मुंबई पुलिस ने मीडिया को शुक्रवार को बताया कि न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक में 122 करोड़ रुपये के गबन के मामले में आरोपित उन्नाथन अरुणाचलम उर्फ अरुण भाई के बेटे मनोहर अरुणाचलम (33) को गुरुवार को देर रात गिरफ्तार किया है। मनोहर पर अपने पिता उन्नाथन को भागने में मदद करने का आरोप है। उन्होंने बताया कि मनोहर के पिता उन्नाथन अरुणाचलम पर मुख्य आरोपित और बैंक के पूर्व महाप्रबंधक हितेश मेहता से 40 करोड़ रुपये लेने का आरोप है। इस मामले में गिरफ्तार होने वाले चौथे आरोपित मनोहर ने कथित तौर पर 2019 में मेहता से 15 करोड़ रुपये स्वीकार किए थे। उसने कथित तौर पर अपने पिता को भागने और पुलिस की रडार से दूर रहने में मदद करने के लिए एक अन्य व्यक्ति से भी संपर्क किया था। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मेहता और उसके साथी धर्मेश पौन, एक डेवलपर, जिसने कथित तौर पर उसे पैसे भेजने में मदद की थी और न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक के पूर्व सीईओ अभिमन्यु भोआन को गिरफ्तार किया था। मेहता और पौन को गुरुवार को न्यायिक कस्टडी में भेज दिया गया, जबकि भोआन को शुक्रवार को अदालत में पेश किया जाएगा। भोआन, जिन्होंने 2019 और 2024 के बीच सीईओ के रूप में काम किया, जिस दौरान धन की हेराफेरी हुई, ने कथित तौर पर गबन किए गए 122 करोड़ रुपये में से लगभग एक करोड़ रुपये प्राप्त किए, जिससे वह घोटाले का लाभार्थी बन गया।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट से छोटे उद्योगों के लिए बड़े अवसर तैयार : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

जीआईएस में मिले 21 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव, 1.3 लाख युवाओं के लिए रोजगार के खुलेंगे अवसर

एजेंसी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जीआईएस भोपाल से एमएसएमई क्षेत्र में मौजूद संभावनाओं को और अधिक ऊचाईयां मिलेगी। इससे राज्य के युवाओं के उद्यमी बनने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एमएसएमई क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए पीएम-मुद्रा, पीएम-विश्वकर्मा और एमएसएमई क्रेडिट गारंटी योजना जैसी महत्वपूर्ण योजनाएं पहले ही लांच की है। जीआईएस भोपाल में कई एमएसएमई कंपनियों से 21 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आए। इनसे राज्य में 1.3 लाख युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे, साथ ऐसे युवाओं को उद्यमी बनने के अवसर मिलेंगे जो अब तक नौकरी की तलाश में थे।

जनसंपर्क अधिकारी अलूने ने शुक्रवार को जानकारी दी कि जीआईएस भोपाल में 600 से अधिक बी-2-जी बैठकें और 5 हजार से अधिक बी-2-बी बैठकें आयोजित की गईं। इनमें उद्योगपतियों, निवेशकों और एमएसएमई कंपनियों ने भाग लिया। पहली बार एआई-आधारित बिजनेस मैच-मेकिंग टूल का उपयोग किया गया, जिससे सही साझेदारों को जोड़ने में सहायता मिली। इन बैठकों ने मध्यप्रदेश को एक वैश्विक औद्योगिक केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

एमएसएमई क्षेत्र में राज्य सरकार की विशेष पहल

मध्यप्रदेश सरकार ने एमएसएमई क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए कई योजनाएं लागू की हैं। हाल ही में कैबिनेट में नई एमएसएमई पॉलिसी मंजूर की गई। नई एमएसएमई नीति में अविकसित भूमि का लघु, मध्यम और सूक्ष्म इकाइयों को आवंटन, फ्लैट आधारित उद्योग लगाने की अनुमति, औद्योगिक क्षेत्रों का विकास और रख-रखाव उद्योग संघों के माध्यम से, 53 हजार करोड़ रुपये के निवेश का लक्ष्य, जिससे 86 लाख रोजगार सृजित होने की संभावना है। नई नीति में औद्योगिक भूमि आवंटन की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए ई-बिडिंग प्रणाली लागू की गई। प्रदेश में एमएसएमई इकाइयों को आसान वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए नई योजनाएं शुरू की गई हैं। टैक्स इंसेंटिव, लैंड अलॉटमेंट और 'ईज-ऑफ-डूइंग बिजनेस' में सुधार को ध्यान में रखकर एमएसएमई उद्यमियों की मदद के लिए नीति बनाई गई है। सेक्टर में डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन को बढ़ावा देने के लिए एआई, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और ऑटोमेशन को अपनाने की दिशा में पहल की जा रही है। नई पॉलिसी में राज्य सरकार एमएसएमई के उत्पादों को अंतर्राष्ट्रीय बाजार तक पहुँचाने के लिए विशेष योजनाओं पर कार्य कर रही है।

प्रमुख निवेशक कंपनियां

जीआईएस-भोपाल में कई एमएसएमई कंपनियों ने राज्य में निवेश के लिए रुचि दिखाई, जिनमें प्रमुख रूप से वकी प्राइवेट लिमिटेड (इंदौर), भगवती तीरथ पॉलि कंटेनर्स इंडस्ट्री, इवेट लिमिटेड (भोपाल), आहाराम मिल्स प्राइवेट लिमिटेड (नीमच), डीटवी एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड (इंदौर) और ईजीटेक एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड (भोपाल) शामिल हैं।

भविष्य की संभावनाएं

राज्य सरकार ने 2025 तक एमएसएमई क्षेत्र में और अधिक निवेश आकर्षित करने के लिए विशेष प्रोत्साहन योजनाएं लागू करने की योजना बनाई है। इसके अलावा, एमएसएमई सेक्टर के लिए समर्पित इनक्यूबेशन सेंटर्स और इंडस्ट्रियल क्लस्टर विकसित किए जाएंगे। स्थानीय उत्पादों को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के लिए 'मेड इन एमपी' अभियान को भी बढ़ावा दिया जाएगा। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट भोपाल से मध्य प्रदेश को एमएसएमई के लिए एक प्रमुख इन्वेस्टमेंट डेस्टिनेशन बनाने में मदद मिलेगी और राज्य की आर्थिक प्रगति को नई गति मिलेगी।

अलीबाग में समुद्र तट पर फिशिंग बोट में लगी आग, सभी मछुआरों को बचाया गया

एजेंसी

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के रायगढ़ में अलीबाग तट पर शुक्रवार तड़के मछली पकड़ने वाली नाव में आग लग गई। घटना की सूचना मिलने पर भारतीय तटरक्षा बल और भारतीय नौसेना मौके पर पहुंची, जिसके बाद नाव से सभी 18 चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया गया है। आग लगने का सही कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है और किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

भारतीय तटरक्षा बल के कमांडर अमित उनियाल ने बताया कि महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के अलीबाग में तट से 6-7 समुद्री मील दूर राकेश गण नामक व्यक्ति की मछली पकड़ने वाली नाव में सुबह 3-4 बजे के आसपास आग लग गई। नाव पर लगभग 18 नाविक सवार थे, जिन्हें बचाने के लिए मुंबई के तट पर गश्त कर रहा आईसीजी का जहाज सावित्रीबाई फुले मौके पर पहुंचा। जहाज के चालक दल ने नाव में आग लगी देखकर तत्काल प्रतिक्रिया दी और नाव में सवार सभी मछुआरों को सुरक्षित बचाने के लिए आईसीजी के जहाज पर चढ़ाने के बाद आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। नाव से सभी मछुआरों को सुरक्षित बचाने के बाद आईसीजी की टीम ऑपरेशन में लगी है।

इस घटना की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। इनमें मछली पकड़ने वाली नाव पानी के बीच में पूरी तरह से आग की लपटों में घिरी हुई दिखाई दे रही है। आग लगने का सही कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है, लेकिन माना जा रहा है कि बिजली के शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी। अभी तक किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। स्थानीय लोगों की मदद से नाव को किनारे पर लाकर आग बुझाने के प्रयास जारी हैं।

'कृषि एवं ग्रामीण समृद्धि' पर बजट पश्चात वेबिनार आज, पीएम मोदी देंगे मुख्य भाषण

एजेंसी

नई दिल्ली। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय शनिवार को 'कृषि एवं ग्रामीण समृद्धि' पर एक दिवसीय बजट पश्चात वेबिनार आयोजित कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वर्चुअली जुड़ेंगे और मुख्य भाषण देंगे। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान कल अपराह्न 3:30 बजे अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। इस वेबिनार का उद्देश्य हितधारकों को एक केंद्रित चर्चा में शामिल करना और 2025 की बजट घोषणाओं के प्रभावी कार्यान्वयन की रणनीति बनाना है।

एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि वेबिनार के रूप में निर्धारित यह कार्यक्रम कृषि विकास और ग्रामीण समृद्धि के प्रमुख क्षेत्रों को संबोधित करेगा, जिससे बजट में उल्लिखित दृष्टिकोण को साकार करने के लिए एक सहयोगी दृष्टिकोण सुनिश्चित होगा। इसके अलावा वेबिनार का उद्देश्य संरचित, उप-विषय-केंद्रित वेबिनार के माध्यम से 'कृषि और ग्रामीण समृद्धि' के लिए 2025 के बजट के कार्यान्वयन में निजी क्षेत्र के विशेषज्ञों, उद्योग प्रतिनिधियों और विषय वस्तु विशेषज्ञों सहित प्रमुख हितधारकों को एकजुट करना भी है। इसका लक्ष्य संवाद को सुविधाजनक बनाना, अंतर्दृष्टि एकत्र करना और निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में समय पर और समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित करना है।

यह कार्यक्रम कल सुबह 10 बजे शुरू होगा और इसमें सात से आठ वक्ता विभिन्न विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री दोपहर 12:30 बजे वर्चुअल तरीके से मुख्य भाषण देंगे।

गृहमंत्री अमित शाह ने उच्चस्तरीय बैठक में दिल्ली की कानून व्यवस्था की समीक्षा की

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को दिल्ली में कानून व्यवस्था की समीक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की।

इस बैठक में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली के गृहमंत्री आशीष सूद और दिल्ली सरकार के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। इसके अलावा केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन और आईबी प्रमुख के साथ-साथ गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में शामिल हुए।

बैठक में इस बात पर चर्चा हुई कि दिल्ली पुलिस और दिल्ली की नई सरकार के बीच समन्वय कैसे बेहतर बनाया जाए। बैठक में इस बात पर भी चर्चा की गई कि राष्ट्रीय राजधानी में कानून-व्यवस्था की नई चुनौतियों से कैसे निपटा जाए और साथ ही इन चुनौतियों से निपटने के लिए पुलिस के प्रयासों को कैसे मजबूत किया जाए।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले 18 फरवरी को अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के साथ बैठक की थी। उस बैठक में उन्होंने अप्रैल 2025 तक जम्मू-कश्मीर में नए आपराधिक कानून लाने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया था।

अन्नपूर्णा देवी ने की यूरोपीय आयुक्त हदजा लाहबीब से मुलाकात

भारत-यूरोपीय संघ सहयोग को सुदृढ़ बनाने का लिया संकल्प

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने शुक्रवार को नई दिल्ली के शास्त्री भवन में समानता, तैयारी और संकट प्रबंधन की यूरोपीय आयुक्त हदजा लाहबीब से भेंट की। यह बैठक यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उसुर्ला वॉन डेर लेयेन की उच्च स्तरीय यात्रा का एक अंग है। उसुर्ला वॉन डेर लेयेन 27 से 28 फरवरी तक भारत की यात्रा पर हैं। उनके साथ आयुक्तों का समूह भी इस यात्रा में है, जिसमें 26 मंत्री शामिल हैं।

द्विपक्षीय चचाओं के दौरान केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी और आयुक्त हदजा लाहबीब ने महिला सशक्तीकरण और बाल कल्याण के क्षेत्रों में भारत-यूरोपीय संघ सहयोग को मजबूत करने के लिए नए मार्ग तलाशने पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने समावेशी नीतियों को बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की, जो महिलाओं और बच्चों, विशेष रूप से कमजोर और वंचित समुदायों के बच्चों के कल्याण को बढ़ाने की दिशा में कार्य करती हैं।

अन्नपूर्णा देवी ने मिशन शक्ति , बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ तथा वित्तीय और डिजिटल समावेशन, उद्यमशीलता, निर्णय लेने और नेतृत्व भूमिकाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न अन्य योजनाओं और कार्यक्रमों सहित भारत सरकार की प्रमुख पहलों का उल्लेख किया। उन्होंने एक सुरक्षित और समावेशी समाज के निर्माण के लिए भारत की अटूट प्रतिबद्धता पर भी बल दिया, जहां महिलाएं और बच्चे इन योजनाओं का पूर्ण लाभ प्राप्त कर सकें।

हदजा लाहबीब ने महिला सशक्तीकरण में भारत की प्रगति की सराहना करते हुए इस क्षेत्र में साझेदारी को मजबूत करने के लिए यूरोपीय संघ की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने महिला सशक्तीकरण और संकट प्रतिक्रिया से संबंधित वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने में अंतरराष्ट्रीय सहयोग के महत्व को रेखांकित किया। यह बैठक महिला सशक्तीकरण के लिए नीतियों को बढ़ावा देने तथा महिलाओं और बच्चों के कल्याण के लिए सहयोगात्मक प्रयासों में भारत-यूरोपीय संघ संबंधों को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत, विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए महिला-नेतृत्व वाले विकास के सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ निरंतर रूप से आगे बढ़ रहा है।

समारोह

राष्ट्रपति राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में हुईं शामिल, बोलीं

दुनिया भर में बढ़ रहा फोरेंसिक विज्ञान का महत्व

एजेंसी

गांधीनगर / अहमदाबाद। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की अध्यक्षता में शुक्रवार को राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) गांधीनगर का तीसरा दीक्षांत समारोह संपन्न हुआ। इस अवसर पर गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी उपस्थित रहे। राष्ट्रपति ने दीक्षांत समारोह में विभिन्न पाठ्यक्रमों के 1,562 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की। इनमें 12 छात्रों को डॉक्टरेट ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी), एक छात्र को डॉक्टरेट ऑफ लॉ (एलएलडी) और अन्य छात्रों को डिप्लोमा, स्नातक, स्नातकोत्तर और स्नातकोत्तर डिप्लोमा की डिग्री प्रदान की गई। इसके अलावा, प्रतिभाशाली छात्रों को राष्ट्रपति द्वारा स्वर्ण पदक भी प्रदान किये गये।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दीक्षांत समारोह में स्नातक छात्रों को बधाई दी। उन्होंने डिग्री प्राप्त करने में सफल रहे छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आइये हम सभी एक संवेदनशील न्याय प्रणाली पर आधारित विकसित भारत के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हों। राष्ट्रपति ने कहा कि आज दुनिया भर में फोरेंसिक विज्ञान का महत्व बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि आज 15 देशों के 70 से अधिक छात्रों को इस विश्व स्तरीय विश्वविद्यालय से डिग्री भी मिली हैं। इतना ही नहीं, इस विश्वविद्यालय ने सिविल सेवा, भारतीय पुलिस सेवा, वित्त, बैंकिंग, न्यायपालिका समेत महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लगभग 30,000 अधिकारियों को प्रशिक्षित भी किया है।

निष्पक्ष और त्वरित न्याय लक्ष्य होना चाहिए

राष्ट्रपति ने उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे विज्ञान और प्रौद्योगिकी के माध्यम से त्वरित और सुलभ न्याय प्रक्रिया के लिए अपने ज्ञान का उचित उपयोग करें। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष और त्वरित न्याय आपका लक्ष्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक जुलाई 2024 भारत के इतिहास में बहुत महत्वपूर्ण दिन था। इस दिन दंड के बजाय न्याय पर आधारित तीन नए कानून लागू किए गए। इनमें भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023, भारतीय न्यायिक संहिता-2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम-2023 शामिल हैं। उन्होंने कहा कि जिन मामलों में सजा सात वर्ष या उससे अधिक है, उनमें अपराध की जांच फोरेंसिक विशेषज्ञों से कराना अनिवार्य करने से इस क्षेत्र के विशेषज्ञों की तत्काल आवश्यकता पैदा होगी। यह आवश्यकता राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय गांधीनगर के माध्यम से पूरी की जाएगी। अच्छे शासन की असली पहचान अपराध पर नियंत्रण, अपराधियों में सजा का डर और नागरिकों में शीघ्र न्याय पाने का विश्वास है। हम विरासत और विकास को मिलाकर एक विकसित भारत का निर्माण करने जा रहे हैं, जिसमें इस विश्वविद्यालय के विद्यार्थी महत्वपूर्ण योगदान देंगे। उन्होंने डिग्री प्राप्त करने वाले सफल विद्यार्थियों में छात्राओं की संख्या अधिक होने पर प्रसन्नता व्यक्त की।

नकली सोने के ईंट को असली बता 14 लाख की धोखाधड़ी करने वाला शातिर गिरफ्तार

एजेंसी

जयपुर। दौसा जिले की थाना सदर पुलिस ने साइबर सेल के सहयोग से नकली सोने की ईंट थमा कर 14 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने वाले शातिर टटलूबाज मुबारिक मेव निवासी निचला मोहल्ला जलालपुर थाना नगीना जिला नूंह मेवात हरियाणा को गिरफ्तार कर ठगी गई रकम 14 लाख व घटना में प्रयुक्त मोबाइल जब्त किया है।

एसपी सागर राणा ने बताया कि घटना के संबंध में 18 जनवरी को श्रीगंगानगर निवासी सौरभ पन्नू ने रिपोर्ट दी थी कि उसके मोबाइल पर एक व्यक्ति का कॉल आया और कहा कि उसके पास पूर्वजों का 3-4 किलो पुराना सोना पडा है। उसकी बातों के जाल में फंस वह 20 जनवरी को दौसा आया था। जहां राजू नाम का व्यक्ति बन ठग ने उसे सैम्पल के तौर पर सोने का एक टुकड़ा दिया। सुनार को चैक करवाने पर टुकड़ा असली सोने का था। इसके बाद वह 28 जनवरी को ठग के कहे अनुसार पैसे लेकर दौसा आया और एक सोने की सिल्ली 14 लाख रुपये में खरीद ली। सिल्ली को बाद में उसने सुनार को चेक कराया तो वह पीतल की निकली। रिपोर्ट पर प्रकरण पंजीबद्ध कर अनुसंधान आरम्भ किया गया।

घटना की गंभीरता को देख विशेष टीम गठित की गई जिसमें साइबर सेल को शामिल किया गया। गठित टीम द्वारा तकनीकी मदद से ठगी के आरोपित मुबारिक मेव को चिह्नित किया।

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

त्योहारों में रखें त्वचा का ध्यान

भारत त्योहारों का देश है। जहां हर त्योहार आपसी सद्भाव के साथ मनाया जाता है। यह भी सच है कि इन त्योहारों में बाजार में काफी भीड़ रहती है।इसी मौसम में अपनी त्वचा का ख्याल रखना भी काफी महत्वपूर्ण होता है। क्योंकि धूल, गंदगी, प्रदूषित वातावरण और भागदौड़ भरी जिंदगी से उपजा तनाव त्वचा की खूबसूरती को चुरा लेता है। इससे त्वचा अपनी रौनक खोने लगती है।

इतना ही नहीं अधिक देर तक एसी में बैठने के कारण भी त्वचा रुखी और बेजान लगने लगती है। इन सभी समस्याओं को दूर करके त्वचा की खोई रौनक लौटाने के लिए ही है बॉडी पॉलिशिंग। **आइए जानते है।**

कैसे करता है काम

बॉडी पॉलिशिंग में सबसे पहले त्वचा की सफाई की जाती है। उसके बाद मृत त्वचा को हटाने के लिए बॉडी की स्क्रबिंग की जाती है। इसके बाद स्टीम देकर त्वचा पर स्किन ग्लो पैक लगाया जाता है। कुछ देर बाद बॉडी शाइनर लगाकर त्वचा की 5-10 मिनट तक मसाज की जाती है, जिससे बॉडी में खासी चमक आती है। फिर अल्ट्रासोनिक मशीन से त्वचा में विटामिन्स और अन्य पोषक तत्व पहुंचाए जाते हैं।

बॉडी की क्लींजिंग, स्क्रबिंग, मसाज आदि के कारण रोमछिद्र खुल जाते हैं। इसलिए पूरे बॉडी पर पैक लगाकर शरीर को फॉयल पेपर से रैप कर दिया जाता है और उस पर गर्म पानी में भिगोया तौलिया लपेट दिया जाता है। शरीर को बीस मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दिया जाता है। उसके बाद साफ करके एसपीएफ क्रीम लगाई जाती है। इस पूरी विधि में दो-तीन घंटे का समय लगता है। बॉडी पॉलिशिंग में कुछ खास किस्म के फूलों या फलों का रस, चॉकलेट, कॉफी जैसी कई सामग्रियों का प्रयोग इसके लिए किया जाता है। लेकिन आपके लिए कौन-सी चीजें बेहतर है, यह आपकी त्वचा के अनुसार ही तय किया जाता है।

शुष्क त्वचा

रूखी त्वचा वालों के लिए ब्राउन शुगर की पॉलिशिंग फायदेमंद रहेगी। ब्राउन शुगर और जोजोबा ऑयल को बराबर मात्रा में विटामिन-ई के कैप्सूल के साथ मिलाकर शुष्क त्वचा की पॉलिशिंग करने से, त्वचा की खोई नमी लौट आती है। चंदन और गुलाब के एसेंशियल ऑयल्स की ताजगी के साथ इनके एंटी बैक्टीरियल गुण त्वचा को स्वस्थ रखते हैं।

सामान्य त्वचा

सामान्य त्वचा के लिए कॉफी, शुगर, चावल के चोकर फायदेमंद है। इन्हें अंगूर के बीज, तिल आदि एसेंशियल ऑयल के साथ मिलाकर बॉडी मसाज के लिए प्रयोग किया जाता है। साथ ही ताजे फलों और गुलाब की पत्तियों को बॉडी पॉलिशिंग के लिए इस्तेमाल किया जाता है, जो त्वचा को चमकदार बना देते हैं।

तैलीय त्वचा

अगर आपकी त्वचा तैलीय है, तो उसके लिए सी-सॉल्ट का प्रयोग फायदेमंद रहेगा। सी-सॉल्ट में त्वचा के लिए बेहद फायदेमंद सोडियम, पोटैशियम, कैल्शियम और क्लोराइड होते हैं। जिनके प्रयोग से त्वचा में निखार आता है।

इसमें एंटी-बैक्टीरियल गुण भी होते है, जो मुहांसो की समस्या को दूर करने में भी बेहद कारगर होता है। नींबू, तुलसी, यूकेलिप्टस जैसे एसेंशियल ऑयल्स तैलीय त्वचा के लिए फायदेमंद होते हैं।

कहीं आपकी गर्दन उम्र न बता दे

आज की इस बदलती जीवन शैली ने महिलाओं के लिए अपनी खुबसूरती बढ़ाने के लिए कई आयाम विकसित कर दिए है। जिनमें सबसे पहले आता ब्यूटी पार्लर। ब्यूटी पार्लर आज हर महिला जाती है।चाहे वह लड़की हो या फिर कोई लड़का। जब कुछ पाया है तो कुछ खोने के लिए भी तैयार रहने की आवश्यकता तो जरूर होती ही है। प्रायः देखा गया है कि महिलाएं चेहरे की देखभाल व शृंगार पर तो बहुत अधिक ध्यान देती हैं पर शरीर के एक आकर्षक अंग गर्दन के सौंदर्य के प्रति लापरवाही बरतती हैं। चेहरे पर तो कई तरह के फेस पैक, क्रीम आदि से त्वचा को निखार देती है पर गर्दन की अवहेलना के कारण चेहरे की अपेक्षा गर्दन का रंग अत्यधिक काला हो जाता है। खासकर जो महिलाएं गहरे गले के ब्लाउज पहनती हैं उनमें यह अंतर साफ तौर पर नजर आ ही जाता है। बढ़ती उम्र का प्रभाव गर्दन की त्वचा पर जल्दी पड़ता है इसलिए गर्दन की त्वचा पर ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता होती है। गर्दन के सौंदर्य के निखार के लिए निम्न बातों को अपनाने से काफी हद तक इस प्रकार की परेशानी से निजात पाया जा सकता है-

■ जब भी चेहरे पर फेस पैक का प्रयोग करें, गर्दन पर भी उस पैक को लगाएं।

■ धूप में बाहर जाते समय गर्दन पर भी सनस्क्रीन लोशन अवश्य लगाएं। इससे गर्दन की त्वचा को सूर्य की पराबैंगनी किरणों से सुरक्षा मिलेगी।

■ नहाने के पश्चात हल्के हाथों से ही चेहरे की तरह गर्दन को पोंछें। फिर गर्दन पर मॉस्चराइजर लगाएं। इससे गर्दन की त्वचा की नमी बरकरार रहेगी। अगर गर्दन की त्वचा पर झुर्रियां पड़ रही हैं तो गर्दन की नियमित मसाज करें। मसाज करते समय हमेशा हाथ नीचे से ऊपर की ओर ले जाएं। मसाज के लिए किसी भी कोल्ड क्रीम का ही प्रयोग करें।

■ अक्सर देखा जाता है कि गर्दन की त्वचा अधिक खुश्क हो जाती है । खुश्की को दूर करने के लिए रात को सोने से पूर्व ग्लिसरीन, गुलाब जल व मलाई का पेस्ट तैयार कर गर्दन पर लगाएं। 15 मिनट के बाद इसे साफ कर लें। त्वचा में निखार आएगा व त्वचा मुलायम बनेगी।

■ अगर गर्दन पर अधिक मैल जमी है जिसके कारण उसकी रंगत काली पड़ती जा रही है तो 15 दिन के बाद ब्लीचिंग करें।

■ गर्दन की सुडौलता के लिए नियमित व्यायाम जरूरी करें।

महिलाएं सबसे ज्यादा केयर अपने चेहरे की करती हैं लेकिन वे यह भूल जाती हैं कि हमारे शरीर का महत्वपूर्ण अंग पैर हैं जिन्हें वे ज्यादा तब्बजो नहीं देना बहुत बडी समस्या बन जाती है।

हर मौसम में पैरों का रखे खास ख्याल

अक्सर हम चेहरे की खुबसूरती बनाए रखने के लिए तरह-तरह के उपाय करते है। लेकिन पैरों पर ध्यान देना भूल जाते है। हर मौसम में पैरों का ख्याल रखना जरूरी है। खासतौर से मानसून में तो पैरों का खास ख्याल रखना ही पड़ता है। वातावरण में गर्मी एवं नमी की वजह से बारिश में शरीर हमेशा चिपचिपा रहता है। यह मौसम वायरस और बैक्टीरिया पनपने के लिए भी अनुकूल होता है, इसलिए इस मौसम में संक्रमण की आशंका अधिक होती है।पैरों को संक्रमण से बचाने के लिए निम्न तरीके अपनाएं।

पैरों की नियमित सफाई करें

आज की प्रतिस्पर्धा की दौड़ में हर इंसान की जिंदगी में भागदौड़ बनी रहती है, इसलिए वह घर से बाहर निकले बगैर रह नही सकता और जब वह घर से बाहर निकलता है, तब धूल और मिट्टी पैरों के संपर्क में आती है, जिससे संक्रमण होता है। बेहतर होगा कि आप घर लौटने के बाद नियमित रूप से अपने पैरों की सफाई साबुन से करें और सफाई करते समय पैरों की उंगलियों के बीच वाले भाग की सफाई अवश्य करें।

दो सप्ताह में पेडिक्योर करवाएं

नियमित पेडिक्योर करवाने से आपके पैर मुलायम और नमी से मुक्त रहेंगे और पेडिक्योर में पैरों की उंगलियों की सफाई के साथ-साथ टूल्स के सहारे पैरों का व्यायाम भी कराया जाता है। इसे आप किसी भी पार्लर में जाकर करवा सकते हैं।

टोनल की नियमित देखभाल करें

अपने पैरों के नाखूनों को समय-समय पर उचित उपकरण द्वारा काटें। नाखून को कर्व शेप में काटना चाहिए ताकि इसमें गंदगी कम फंसी रहे और नाखून काटने के बाद पैरों को डिटोल से साफ करना चाहिए। संक्रमण से बचाने के लिए लोशन और क्रीम से नियमित मालिश करें।

सावधानियां

इस मौसम में पैरों में फंगस से संक्रमण होता है। एलर्जी भी इस मौसम में ज्यादा होती है। इससे बचने के लिए आपको एंटी फंगल ट्रीटमेंट कराना चाहिए। इसके लिए डॉक्टर की सलाह से लोशन, क्रीम, स्प्रे और पाउडर का प्रयोग करना चाहिए। इस मौसम में हमेशा इस तरह के जुते, चप्पल और सॉक्स का प्रयोग किया करें, जो कम गीले हों। इस मौसम में हाई हील सैंडल का प्रयोग नहीं करना चाहिए, क्योंकि इसको पहनने से फिसलने की संभावना अधिक होती है।

पैरों में संक्रमण

रिंगवर्म: यह पैरों में रिंग आकार का संक्रमण होता है। इससे पैरों की चमड़ी लाल कठोर हो जाती है और इसमें खुजलाहट भी होती है। यह फंगस के संक्रमण से होता है।

नेल इंफेक्शन: खासकर बरसात के मौसम में नाखून फंगल इंफेक्शन से प्रभावित होता है। इसमें नाखून में सूजन, लाल होना और नाखून में खुजली होती है।

एथलीट्स फुट: यह बरसात में संक्रमण के कारण होता है, जो प्रायः पैरों में लाल धब्बा जैसा दिखता है। यह धीरे-धीरे उंगलियों से पूरे पैर में फैल जाता है। इस बीमारी में स्किन का टूटना, दरार पड़ने के साथ-साथ पैरों से दुर्गंध भी आती है।

एक्जिमा: एक्जिमा से पैरों की त्वचा कठोर और पपड़ीदार हो जाती है। यह बैक्टीरिया के कारण फैलता है। यह नुकसानदेह बीमारी है। इसके होने के बाद तुरंत डॉक्टर से परामर्श लेना चाहिए।

खुजली: यह संक्रमण फंगस के कारण फैलता है। यह लाल धब्बे की तरह पैरों की उंगलियों के बीच में होता है। इसमें काफी खुजलाहट होती है।

संक्रमण से बचाव

पैरों को साफ एवं सूखा रखें। महिलाएं एसिटोन फ्री नेल पॉलिश रिमूवर का प्रयोग करना चाहिए।

मॉइस्चर को एबजोर्ब करने वाले जुतों का प्रयोग नहीं करना चाहिए, बल्कि सैंडल का प्रयोग अधिक करना चाहिए। इस तरह के फुटवियर का प्रयोग करना चाहिए जो गीला होने के बाद जल्द सूख जाये।

कमरे के फर्श को गीला न रखें।

वाटर प्रुफ सैंडल एवं जूते का प्रयोग करें।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक निमिषा कुमारी द्वारा शिवा सांई पब्लिकेशन प्रा० लि० काठीटांड़, रातू रांची, झारखंड 835222 से मुद्रित व 364, को ऑपरेटिव कालोनी, बोकारो स्टील सिटी, बोकारो, 827003 से प्रकाशित। प्रबंध संपादक विनय कुमार तिवारी* (* पी आर बी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) आर एन आई न०- JHA/HIN/ 2018/ 76658 फोन न०8340571405, 9955023741